● वर्ष-3
● अंक-07
रायपुर, गुरुवार
17 अगस्त 2023
● पृष्ठ-8
● मूल्य-3 रु.
samacharpacheesa@gmail.com

।। संगच्छध्वम् संवदध्वम् ।।

समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

तीन 'बीमारियों' के खिलाफ जंग जारी रहेगी: मोदी

लाल किले से भ्रष्टाचार, परिवारवाद और तुष्टीकरण के खिलाफ आवाज उठाने की अपील

नईदिल्ली। स्वतंत्रता दिवस के खास मौके पर लगातार 10वीं बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लाल किले की प्राचीर से देशवासियों को संबोधित किया और ये ऐलान भी किया कि वो अगले वर्ष फिर से देशवासियों को संबोधित करेंगे। उन्होंने अपने संबोधन की शुरुआत देशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की बधाई देने के साथ की।

इस दौरान उन्होंने तीन बुराईयों भ्रष्टाचार, परिवारवाद और तुष्टीकरण का जिक्र किया और इन्हें को लोकतंत्र की तीन ऐसी विकृतियां करार दिया, जिनसे देश तथा समाज का बहुत नुकसान हुआ है। उन्होंने कहा कि इन तीनों 'बीमारियों' के खिलाफ उनकी जंग जारी रहेगी। लाल किले की प्राचीर से 77वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर राष्ट्र को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि वर्ष 2047 तक देश को विकसित राष्ट्र बनाने की राह में अगर कुछ रुकावटें हैं तो ये विकृतियां ही हैं। उन्होंने कहा, ''पिछले 75 सालों में कुछ विकृतियां ऐसे घर कर गई हैं, हमारी सामाजिक व्यवस्था का ऐसा हिस्सा बन गई हैं...। कभी-कभी तो हम आंख भी बंद कर लेते हैं। लेकिन अब आंखें बंद करने का समय नहीं है। संकल्पों को सिद्ध करना है तो हमें आंख-मिचौली खत्म करके, आंख में आंख डालकर तीन बुराइयों से लड़ना है। यह समय की बहुत बड़ी मांग है।'' मोदी ने कहा कि हमारे देश की सभी समस्याओं की जड़ में भ्रष्टाचार है, जिसने दीमक की तरह देश की सारी व्यवस्थाओं को, देश के सामर्थ्य को पूरी तरह नोच लिया है। उन्होंने कहा, ''भ्रष्टाचार से मुक्ति के लिए लड़ाई जारी रहेगी। यह मोदी के जीवन की प्रतिबद्धता है। मैं भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई लड़ता रहूंगा।''

राजनीति में परिवारवाद का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि इसने देश को लूट लिया है और तबाह किया है। उन्होंने कहा, ''इसने जिस प्रकार से देश को जकड़ कर रखा है, उसने देश के लोगों का हक छीना है।'' तुष्टीकरण को 'तीसरी बुराई' करार देते हुए मोदी ने कहा कि इसने देश के मूलभूत चिंतन और सर्वसमावेशी राष्ट्रीय चरित्र को दाग लगाया है और उसे तहस-नहस कर दिया है। बगैर किसी राजनीतिक दल का नाम लिए उन्होंने कहा, ''इन लोगों ने देश का बहुत नुकसान किया है। इन तीनों बुराइयों के खिलाफ पूरे सामर्थ्य के साथ लड़ना है। भ्रष्टाचार, परिवारवाद, तुष्टीकरण देश के लोगों की आकांक्षाओं का दमन करते हैं।'' इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने कहा कि गरीब हों, दलित हों, पिछड़े हों, पसमांदा हों या फिर आदिवासी भाई-बहन, इनके हक के लिए तीनों बुराइयों से मुक्ति पानी है। उन्होंने कहा, ''हमें भ्रष्टाचार के खिलाफ नफरत का माहौल बनाना है। जैसे हमें गंदगी पसंद नहीं है तो हम उससे नफरत करते हैं। सार्वजनिक जीवन में भ्रष्टाचार से बड़ी गंदगी नहीं हो सकती है। इसलिए हमारे स्वच्छता अभियान को एक नया मोड़ देते हुए भ्रष्टाचार से मुक्ति पाना है।'' प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले सालों में सरकार ने भ्रष्टाचारियों की जो संपत्ति जब्त की है वह पहले की तुलना में 20 गुना ज्यादा है। उन्होंने कहा, ''आपकी कमाई का यह पैसा लोग लेकर भागे थे। 20 गुना ज्यादा संपत्ति को ज़ब्त करने का काम किया है हमने। इसलिए ऐसे लोगों की मेरे प्रति नाराजगी होना स्वाभाविक है। लेकिन मुझे भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई को आगे बढ़ाना है।'' मोदी ने कहा कि ये तीनों विकृतियां भारत के लोकतंत्र को कभी मजबूती नहीं दे सकतीं। उन्होंने कहा ''यह बीमारी है। परिवारवादी पार्टियों का मंत्र है परिवार का, परिवार के द्वारा और परिवार के लिए। परिवारवाद और भाई भतीजावाद प्रतिभाओं के दुश्मन होते हैं। परिवारवाद से मुक्ति इस देश के लोकतंत्र के लिए जरूरी है। सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय यानी हर किसी को उसका हक मिले। इसलिए सामाजिक न्याय के लिए भी यह बहुत जरूरी है।'' प्रधानमंत्री ने भ्रष्टाचार, तुष्टिकरण और परिवारवाद को विकास का सबसे बड़ा दुश्मन बताते हुए कहा, ''अगर देश विकास चाहता है, अगर देश 2047 में विकसित भारत का सपना साकार करना चाहता है, तो हमारे लिए आवश्यक है कि हम किसी भी हालत में देश में इन्हें सहन नहीं करेंगे।

ग्राम प्रधानों से लेकर सेंट्रल विस्टा के श्रमिक हुए

लगभग 1,800 विशेष अतिथि मंगलवार को यहां लालकिले पर आयोजित 77वें स्वतंत्रता दिवस समारोह में शामिल हुए जिसमें ग्राम प्रधानों से लेकर सेंट्रल विस्टा परियोजना में लगे श्रमिक शामिल रहे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्र के नाम अपने संबोधन में राष्ट्र निर्माण में कर्मियों, श्रमिकों और किराना विक्रेताओं के योगदान की भी सराहना की। उन्होंने कहा,''आज हमारे पास जनसांख्यिकी, लोकतंत्र, विविधता है और यह त्रिवेणी भारत के हर सपने को साकार करने की क्षमता रखती है।'' इन विशेष अतिथियों में 660 से अधिक 'वाइब्रेंट विलेज' के 400 से अधिक सरपंच, किसान-उत्पादक संगठन योजना से 250 लोग, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना और प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के 50-50 प्रतिभागी शामिल थे। नये संसद भवन सहित सेंट्रल विस्टा परियोजना के पचास 'श्रम योगी' (निर्माण श्रमिक),50 खादी कार्यकर्ता तथा सीमा सड़कों के निर्माण, अमृत सरोवर और हर घर जल योजना के निर्माण में शामिल श्रमिकों के साथ ही 50 प्राथमिक विद्यालय के शिक्षक, नर्स और मछुआरे भी इस कार्यक्रम में शामिल हुए। दिल्ली के सुब्रतो पार्क स्थित एयर फोर्स गोल्डन जुबली इंस्टीट्यूट में गणित के व्याख्याता राहुल सोफत विशेष आमंत्रित लोगों में शामिल थे।

इन दिनों

✍ शवेंद्र तिवारी

सरकार नें बदला नेहरू मेमोरियल का नाम

देश में स्थानों, स्मारकों और भवनों के नाम पर एक बार फिर सियासत शुरू हो गई है। दरअसल, केंद्र की मोदी सरकार ने दिल्ली स्थित नेहरू मेमोरियल का नाम बदल दिया है। अब नेहरू मेमोरियल को पीएम मेमोरियल के नाम से जाना जाएगा। नाम बदलने पर कांग्रेस ने सरकार पर हमला बोला है। विपक्षी पार्टी ने मोदी सरकार पर नेहरू की विरासत को नष्ट करने का आरोप लगाया है। एडविन लुटियंस की इंपीरियल कैपिटल का हिस्सा रहा तीन मूर्ति भवन अंग्रेजी शासन में भारत के कमांडर इन चीफ का आधिकारिक आवास था। ब्रिटिश भारत के अंतिम कमांडर इन चीफ के जाने के बाद 1948 में तीन मूर्ति भवन देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू का आधिकारिक आवास बन गया। पंडित नेहरू 16 साल तक इस घर में रहे और यहीं पर उन्होंने अंतिम सांस ली। इसके बाद इस तीन मूर्ति भवन को पंडित नेहरू की याद में उन्हें समर्पित कर दिया गया और इसे पंडित नेहरू म्यूजियम एंड मेमोरियल के नाम से जाना जाने लगा। अब केंद्र सरकार ने इसका नाम नेहरू मेमोरियल से बदलकर पीएम म्यूजियम एंड सोसाइटी कर दिया है। वर्तमान में यहां व्याख्यान और सेमिनार नियमित रूप से आयोजित किए जाते हैं और विद्वानों के विचार-विमर्श प्रकाशित होते हैं। विपक्षी पार्टी कांग्रेस ने केंद्र के नेहरू मेमोरियल के नाम बदलने वाले फैसले की आलोचना की है। कांग्रेस महासचिव और पार्टी के संचार प्रमुख जयराम रमेश ने कहा, एक प्रतिष्ठित संस्थान को एक नया नाम मिला है। विश्वभर में प्रसिद्ध नेहरू मेमोरियल म्यूजियम एंड लाइब्रेरी अब प्राइम मिनिस्टर्स मेमोरियल म्यूजियम एंड लाइब्रेरी के नाम से जाना जाएगा। मोदी सरकार पर निशाना साधते हुए कांग्रेस नेता ने कहा कि उनका एकमात्र एजेंडा नेहरू और उनकी विरासत को नकारना, बदनाम और नष्ट करना है। वह एन शब्द हटाकर उसके स्थान पर पी शब्द का इस्तेमाल कर रहे हैं। जयराम ने कहा कि देश की लोकतांत्रिक, धर्मनिरपेक्ष, वैज्ञानिक और उदारवादी नींव रखने में नेहरू की योगदान को हम नहीं भूलने देंगे। नेहरू ने देश की आजादी के लिए अहम योगदान दिया है। तमाम आरोपों के बीच पीएमएमएल के कार्यकारी परिषद के उपाध्यक्ष ए सूर्य प्रकाश का बयान आया है। उन्होंने बताया कि पीएम मोदी को महसूस हुआ कि देश में पीएम का एक संग्रहालय होना चाहिए। फिर सवाल उठा कि यह कहां बनाया जा सकता है। इस पर फैसला लिया गया कि नेहरू मेमोरियल म्यूजियम एंड लाइब्रेरी सही जगह है। साल 2016 में पीएम मोदी ने एक प्रस्ताव रखा था कि तीन मूर्ति परिसर में देश के सभी प्रधानमंत्रियों को समर्पित एक म्यूजियम का निर्माण किया जाएगा। उसी साल 25 नवंबर को हख्र्ख्रकी 162वीं बैठक में इस प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। बीते साल 21 अप्रैल को प्रधानमंत्री संग्रहालय को जनता के लिए खोल दिया गया था।

आजादी की लड़ाई से लोकतंत्र का अमृत निकला: भूपेश बघेल

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने आज भारत की आजादी की 76वीं वर्षगांठ के पावन और गौरवशाली अवसर पर राजधानी रायपुर के पुलिस परेड मैदान में ध्वजारोहण करने के बाद प्रदेशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की बधाई और शुभकामनाएं दी। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को दिए अपने संबोधन में साहित्यिक वातावरण को सुदृढ़ करने तीन श्रेणियों में छत्तीसगढ़ साहित्य अकादमी सम्मान देने की घोषणा की। इनमें पहली श्रेणी अंतर्गत छत्तीसगढ़ी तथा अन्य बोली जैसे गोंडी, हल्बी, सरगुजिया में लिखे गए साहित्य के लिए, दूसरी श्रेणी के अंतर्गत हिंदी पद्य के लिए तथा तृतीय श्रेणी के अंतर्गत हिंदी गद्य के लिए हर श्रेणी में सम्मानित साहित्यकारों को पांच लाख रूपए नगद एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किए जाएंगे। इसके साथ ही उन्होंने बालिकाओं से छेड़छाड़, दुष्कर्म आदि के आरोपियों को शासकीय नौकरियों में प्रतिबंधित करने की घोषणा की। साथ ही उन्होंने छत्तीसगढ़िया ओलंपिक राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में लंबी कूद, 100 मीटर दौड़ एवं कुश्ती के खेल में 18 से 40 वर्ष की आयु वर्ग में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को उत्कृष्ट खिलाड़ी घोषित करने की घोषणा की, यह प्रावधान इसी सत्र से लागू होगा। रेशम कीट पालन एवं मधुमक्खी पालन को भी कृषि का दर्जा देने की घोषणा की। कुक्कुट पालन को प्रोत्साहित करने 'कुक्कुट पालन प्रोत्साहन योजना' आरंभ हुई। इसमें कुक्कुट पालकों को रियायती दर पर बिजली उपलब्ध होगी। दूरस्थ क्षेत्रों के शासकीय शालाओं के 11वीं, 12वीं के विद्यार्थियों को इंजीनियरिंग एवं मेडिकल प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए कोचिंग हेतु देश की ख्याति प्राप्त संस्थाओं द्वारा सभी विकासखण्ड मुख्यालयों में ऑनलाईन कोचिंग की व्यवस्था की जाएगी। सभी जिलों में कम से कम एक कॉलेज में पोस्ट-ग्रेजुएट कक्षाओं में अध्ययन की सुविधा उपलब्ध होगी। इस क्रम में शासकीय लोचन प्रसाद पाण्डेय महाविद्यालय सारंगढ़, डॉ. भंवर सिंह पोर्ते महाविद्यालय पेण्ड्रा, क्रांतिकुमार भारती महाविद्यालय सक्ती, एल.सी.एस महाविद्यालय अंबागढ़ चौकी को स्नातकोत्तर महाविद्यालय का दर्जा प्रदान करने की घोषणा की।

यहां अतिशीघ्र आवश्यक नवीन विषय एवं पद संरचना उपलब्ध कराई जाएगी।

दी महत्वपूर्ण अनेक सौगात

- हमारी 'आवास न्याय योजना' साबित होगी न्याय यात्रा का महत्वपूर्ण पड़ाव
- छत्तीसगढ़ साहित्य अकादमी सम्मान के अंतर्गत तीन श्रेणियों में दिए जाएंगे पुरस्कार
- महिलाओं से छेड़छाड़ और दुष्कर्म आदि के आरोपियों के लिए शासकीय नौकरी प्रतिबंधित
- रेशम कीट एवं मधुमक्खी पालन को कृषि का दर्जा
- कुक्कुट पालकों को रियायती दर पर बिजली
- विकासखण्ड मुख्यालयों में मेडिकल एवं इंजीनियरिंग परीक्षाओं की ऑनलाईन कोचिंग दी जाएगी
- एआई और मशीन लर्निंग भी स्कूली पाठ्यक्रम में होंगे शामिल
- हर जिले में कम से कम एक कॉलेज में पोस्ट-ग्रेजुएट कक्षाएं।
- शासकीय महाविद्यालय के विद्यार्थियों के लिए नि:शुल्क परिवहन सुविधा।

मुख्यमंत्री ने राजधानी रायपुर के पुलिस परेड ग्राउंड में किया ध्वजारोहण

प्रमुख समाचार

गठबंधन में दरार, दिल्ली की 7 सीटों पर कांग्रेस ने ठोका दावा

नईदिल्ली। कांग्रेस ने बुधवार को संकेत दिया कि वह अगले साल दिल्ली की सभी 7 सीटों पर लोकसभा चुनाव लड़ेगी और आम आदमी पार्टी के साथ कोई गठबंधन नहीं करेगी। राष्ट्रीय राजधानी में यह कदम I.N.D.I.A. गठबंधन की एकता के लिए एक झटका है। यह

घटनाक्रम कांग्रेस नेताओं और उसकी दिल्ली इकाई के बीच पार्टी मुख्यालय में एक बैठक के बाद सामने आया, जिसकी अध्यक्षता कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने की। बैठक में राहुल गांधी, कांग्रेस महासचिव (संगठन) केसी वेणुगोपाल, दिल्ली इकाई के प्रमुख चौधरी अनिल कुमार, प्रभारी दीपक बाबरिया, अलका लांबा, हारून यूसुफ, अजय माकन और कई अन्य लोग भी शामिल हुए। कांग्रेस नेता अलका लांबा ने कहा, %%तीन घंटे तक चली बैठक में राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे, केसी वेणुगोपाल और दीपक बाबरिया मौजूद रहे। हमें आगामी लोकसभा चुनाव के लिए तैयार रहने को कहा गया है। यह तय हुआ है कि हम चुनाव सभी 7 सीटों पर लड़ेंगे। सात महीने बचे हैं और सभी पार्टी कार्यकर्ताओं को सभी सात सीटों के लिए तैयारी करने के लिए कहा गया है।

लोकसभा चुनाव से पहले सीएए लागू किया जाएगा-सुकांत

नईदिल्ली। पश्चिम बंगाल भाजपा अध्यक्ष सुकांत मजूमदार ने कहा कि नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) अगले साल के आम चुनाव से पहले लागू किया जाएगा क्योंकि संविधान केंद्र सरकार को भारत में नागरिकता के संबंध में निर्णय

लेने का अधिकार देता है। मजूमदार ने तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) पर कटाक्ष करते हुए कहा कि वे सीएए का विरोध कर सकते हैं लेकिन %%इसके सार्थक परिणाम नहीं होंगे। पश्चिम बंगाल भाजपा प्रमुख ने कहा कि टीएमसी सीएए के कार्यान्वयन के पक्ष में नहीं हो सकती है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि इसे अमान्य माना जाएगा। सीएए को 2024 में लोकसभा चुनाव से पहले लागू किया जाएगा। नागरिकता प्रदान करना संविधान के अनुसार केंद्र सरकार का विशेषाधिकार है, न कि किसी विशेष राज्य का। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर निशाना साधते हुए मजूमदार ने कहा, %वह यह तय नहीं कर सकतीं कि किसे भारतीय नागरिकता मिलेगी या नहीं। मजूमदार ने कहा कि केंद्र का लक्ष्य 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले पश्चिम बंगाल में रहने वाले बांग्लादेशी हिंदुओं को नागरिकता प्रदान करना है।

राष्ट्रपति ने असम परिसीमन को दी मंजूरी

नईदिल्ली। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने इस संबंध में भारत के राजपत्र अधिसूचना का एक स्क्रीनशॉट साझा करते हुए बुधवार को कहा कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने असम में संसदीय और विधानसभा क्षेत्रों के परिसीमन को मंजूरी दे दी है।

सरमा ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि आज माननीय राष्ट्रपति ने असम के लिए भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी परिसीमन अधिसूचना को मंजूरी दे दी है। असम के इतिहास में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की गई है। जय मां भारती, जय मां असोम। राष्ट्रपति का पत्र साझा किया जिसमें लिखा था कि मैं, द्रौपदी मुर्मू, भारत की राष्ट्रपति, 16 अगस्त, 2023 को उस तारीख के रूप में निर्दिष्ट करती हूं जिस दिन चुनाव आयोग के आदेश संख्या 1 ने अधिसूचना संख्या ओ.एन. 19 (ई), दिनांक 20 जून 2023 और आदेश क्रमांक 2 अधिसूचना संख्या ओ.एन. द्वारा बनाया गया। असम राज्य के संबंध में 33 (ई), दिनांक 11 अगस्त 2023, प्रभावी होगा। दूसरी ओर, विपक्षी कांग्रेस ने भाजपा पर हमला बोला है।

ज्ञानवापी मामले का अदालत के बाहर समाधान

नईदिल्ली। अंजुमन इंतजामिया मस्जिद कमेटी (एआईएमसी) ने पुष्टि की कि उसने विश्व वैदिक सनातन संघ (वीवीएसएस) के प्रमुख जितेंद्र सिंह विसेन द्वारा भेजे गए पत्र का जवाब दिया है, जिसमें ज्ञानवापी मामले को अदालत के बाहर निपटाने के

लिए चर्चा का प्रस्ताव दिया गया था। हमें वीवीएसएस प्रमुख विसेन द्वारा व्हाट्सएप के माध्यम से भेजा गया पत्र प्राप्त हुआ। एआईएमसी के संयुक्त सचिव एसएम यासीन ने कहा कि हमने विसेन और (वीवीएसएस के राष्ट्रीय अध्यक्ष) संतोष सिंह को जवाब दिया है। उन्होंने संचार के विवरण का खुलासा नहीं किया और कहा कि पत्र मस्जिद समिति के समक्ष रखा जाएगा। विसेन वाराणसी में ज्ञानवापी परिसर में नियमित पूजा का अधिकार मांगने वाली पांच हिंदू महिलाओं में से एक का प्रतिनिधित्व करती हैं। उन्होंने कहा कि हां, समिति ने पत्र का जवाब दे दिया है। विसेन राखी सिंह का प्रतिनिधित्व करते हैं, जिन्होंने रेखा पाठक, सीता साहू, लक्ष्मी देवी और मंजू व्यास के साथ, अगस्त 2021 में स्थानीय वाराणसी अदालत में एक मुकदमा दायर किया था।

आतंक फैलाने के लिए एक साथ आए सिमी और मुजाहिदीन

नईदिल्ली। केवल इस्लामिक स्टेट यानी आईएसआईएस) ही नहीं, बल्कि दो अन्य आतंकी संगठन स्टूडेंट्स इस्लामिक मूवमेंट ऑफ इंडिया (सिमी) और इंडियन मुजाहिदीन (आईएम) के भी हाल के पुणे मामले में शामिल होने का दावा किया जा रहा है। सूत्रों के हवाले से एक मीडिया रिपोर्ट में कहा गया है कि तीनों आंतकी संगठन एक साथ फिर से संगठित हो गए हैं। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने 3 जुलाई को चार आरोपियों एक मुंबई से, एक पुणे से और दो ठाणे से गिरफ्तार किया। पुणे आतंकवाद विरोधी दस्ते (एटीएस) ने 18 जुलाई को दो को गिरफ्तार किया, जो इस्लामिक स्टेट खुरासान के लिए काम कर रहे थे। प्रांत (आईएसकेपी) एसयूएफए की शाखा है और कोथरुड से एनआईए मामले में वांछित थी। सूत्रों के मुताबिक, हज़ारीबाग़, उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र के मामलों के बीच सीधा संबंध सामने आ रहा है। उन्होंने कहा कि वे सभी साकिब नचान की ओर ले जाते हैं, जिन्होंने 2002-03 में मुंबई में हुए तिहरे विस्फोटों में अपनी भूमिका के लिए 10 साल की सजा काटी है। वे सभी आईटी, साइबर, विस्फोटक और इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) में प्रशिक्षित कट्टर, उच्च श्रेणी के कट्टरपंथी हैं।

मिजोरम बमबारी को लेकर का नाम एक बार फिर चर्चा में आया

राजेश पायलट - राव से भिड़े, केसरी से लड़े, चंद्रास्वामी को नहीं बख्शा, सोनिया को सुनाया

नईदिल्ली। अविश्वास प्रस्ताव के जरिए विपक्ष ने मणिपुर हिंसा पर मोदी सरकार को घेरने की कोशिश की। पीएम मोदी जवाब देने के लिए आए तो उन्होंने मिजोरम की एक घटना का जिक्र कर कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि 5 मार्च 1966 को कांग्रेस ने मिजोरम में असहाय नागरिकों पर अपनी वायुसेना के माध्यम से हमला करवाया था। अब बीजेपी के मीडिया सेल के हेड अमित मालवीय ने कांग्रेस नेता राजेश पायलट और सुरेश कलमाड़ी का नाम लेकर इस विवाद को और गहरा कर दिया। मालवीय ने दावा किया था कि पायलट के पिता राजेश पायलट ने 1966 में मिजोरम की राजधानी आइजोल पर बमबारी की थी। राजस्थान कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने इसका जोरदार पलटवार किया है। उन्होंने बीजेपी नेता के ट्वीट का जवाब देते हुए लिखा कि आपके पास गलत तारीखें, गलत तथ्य हैंज् हां, भारतीय वायु सेना के पायलट के रूप में मेरे दिवंगत पिता ने बम गिराए थे। लेकिन 1971 के भारत-पाक युद्ध के दौरान यह तत्कालीन पूर्वी पाकिस्तान पर हुआ था, न कि जैसा कि आप दावा करते हैं, 5 मार्च 1966 को मिज़ोरम पर हुआ था।

पायलट के पलटवार के बाद अमित मालवीय भी चुप कहां रहने वाले थे। उन्होंने 2011 में इंडियन एक्सप्रेस और शेखर गुप्ता के आर्टिकल को शेयर करते हुए फिर से कहा कि राजेश पायलट मिजोरम हवाई हमले में शामिल थे। उन्होंने कहा कि बाद में 2020 में शेखर ने वही ट्वीट किया। मालवीय ने कहा कि इंडियन एक्सप्रेस के 2011 के लेख का उपयोग सैकड़ों समाचार पोर्टलों द्वारा यह दिखाने के लिए किया गया है कि राजेश पायलट बमबारी में शामिल थे। इसके साथ ही उन्होंने इंडियन एक्सप्रेस के ञ्जद्धद्ग ड्डह्वष्द्म ह्यह्लड्डह्म्ह्लह्य द्धद्गह्म्द्ग शीर्षक वाले लेख का स्क्रीनशार्ट साझा किया जिसमें मिजोरम की घटना का जिक्र किया गया था। इसमें लिखा था कि जब मिज़ो विद्रोहियों ने राजकोष पर अपना झंडा फहराया और असम राइफल्स बटालियन मुख्यालय को लूटने वाले थे, तब श्रीमती गांधी ने आइजोल पर बमबारी करने के लिए हवाई जहाज भेजे थे, जिसमें न केवल सैनिक बल्कि उनके परिवार भी रहते थे। उन बमबारी अभियानों के पायलटों में दो नाम शामिल थे जिन्हें हम सभी बाद में राजेश पायलट और सुरेश कलमाड़ी के नाम से जानने लगे।

राजेश्वर प्रसाद से पायलट

1980 के लोकसभा चुनाव के दौरान राजेश पायलट ने मन बनाया कि वो वायुसेना छोड़ कर लोकसभा का चुनाव लड़ेंगे। जिसके बाद उन्होंने वायुसेना की नौकरी छोड़ दी ।राजेश पायलट की पत्नी रमा पायलट की किताब ।जेश पायलट-अ बायोग्राफ़ी के अनुसार राजेश सीधे इंदिरा गांधी के पास जा कर बोले कि वो तत्कालीन प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह के ख़िलाफ़ बागपत से चुनाव लड़ना चाहते हैं। इंदिरा गाँधी ने कहा कि मैं आपको सलाह नहीं दूंगी कि आप राजनीति में आए। कांग्रेस (आई)की शुरू की लिस्ट में राजेश्वर प्रसाद का नाम नदारत था। तभी एक दिन फ़ोन की घंटी बजी। दूसरे छोर पर व्यक्ति ने कहा राजेश्वर प्रसाद हैं? राजेश किसी काम से बाहर गए हुए थे। उनकी पत्नी ने मना कर दिया। तभी सामने से फोन पर कहा गया कि उनसे कहिएगा कि उन्हें संजय गाँधी ने बुलाया है। कांग्रेस दफ़्तर पहुंचे तो संजय गांधी ने बताया कि आपके लिए इंदिराजी का संदेश है कि आपको भरतपुर से चुनाव लड़ना है। जब राजेश्वर प्रसाद भरत पुर पहुंचे तो वहां लोगों ने उन्हें पहचानने से इंकार कर दिया। उन्होंने कहा कि हमें तो कहा गया है कि कोई पायलट पर्चा दाखिल करने आ रहा है। बहुत समझाने की कोशिश की कि वो ही पायलट हैं, लेकिन किसी ने उनकी बात नहीं सुनी। संजय गाँधी का फ़ोन आया। उन्होंने कहा कि सबसे पहले कचहरी जाओ और अपना नाम राजेश्वर प्रसाद से बदलवा कर राजेश पायलट करवाओ। जिसके बाद पायलट ने भरतपुर की सीट से वहां के राजपरिवार की सदस्य महारानी को हराकर पहला चुनाव जीता।

चंद्रास्वामी के खिलाफ बिठा दी थी जांच

भरतपुर में महारानी को हराने के बाद राजेश पायलट गुज्जर नेता के तौर पर स्थापित हो गए। 1984 में पायलट दौसा से चुनाव में उतरे और फिर हमेशा इस सीट से ही चुनाव लड़ते रहे। वो नरसिम्हा राव की सरकार में संचार मंत्री और आंतरिक सुरक्षा के मंत्री भी रहे। चंद्रास्वामी के खिलाफ जांच का आदेश देकर उन्होंने राजनीति में खलबली मचा दी थी। राव सरकार के दौरान चंद्रस्वामी का जलवा था। माना जाता है कि खुद नरसिंह राव से करीबी होने के कारण चंद्रास्वामी का दखल सरकार में भी था।

सुकमा में आबकारी एवं उद्योग मंत्री कवासी लखमा ने किया ध्वजारोहण

■ शहीद जवानों के परिजनों को किया सम्मानित

सुकमा। सुकमा जिले में देश की आजादी का अमृत महोत्सव पर 77 वां स्वतंत्रता दिवस गरिमामय वातावरण में मनाया गया। आजादी की 76वीं वर्षगांठ पर सुकमा के मिनी स्टेडियम में आयोजित जिला स्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह में प्रदेश के आबकारी एवं उद्योग मंत्री कवासी लखमा ने ध्वजारोहण किया। उन्होंने कलेक्टर हरिस. एस और पुलिस अधीक्षक किरण चव्हाण के साथ परेड की सलामी ली। इस वर्ष स्वतंत्रता दिवस की परेड में सीआरपीएफ, छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल, जिला पुलिस बल, बस्तर फाईटर, नगर सेनानी, स्वामी आत्मानंद हिंदी माध्यम स्कूल सुकमा एवं कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सुकमा के बालक एवं बालिका एनसीसी कैडेट्स सहित आईएमएसटी सुकमा और डीएवी की टुकड़ी शामिल रही। परेड की निरीक्षण और सलामी के पश्चात मुख्य अतिथि ने शान्ति और प्रेम के प्रतीक सफेद कपोत और हर्ष व उल्लास के प्रतीक रंगीन गुब्बारे आसमान में छोड़े और सभी को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दी। इसके उपरांत प्रदेश के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का प्रदेश की जनता के नाम संदेश का वाचन किया गया। इस अवसर पर देशभक्ति और स्थानीय सांस्कृतिक कार्यक्रमों की मनमोहक प्रस्तुति भी दी गई।

समारोह में मंत्री लखमा ने नक्सल हिंसा में शहीद हुए जिले के जवानों के बलिदान को याद करते हुए उनके परिजनों को शॉल और फल देकर सम्मानित किया। इसके साथ विभागों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया।

साथ ही स्वतंत्रता दिवस के कार्यक्रम में उत्कृष्ट परेड प्रदर्शन और सांस्कृतिक कार्यक्रम को सम्मानित किया गया। जिसमें परेड प्रदर्शन सीनियर विंग प्रथम स्थान बस्तर फाईटर, द्वितीय स्थान सीआरपीएफ, तृतीय स्थान जिला पुलिस बल को मिला। परेड प्रदर्शन जुनियर विंग में प्रथम स्थान स्वामी आत्मानंद हिन्दी माध्यम शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सुकमा, द्वितीय स्थान स्वामी आत्मानंद हिन्दी माध्यम शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सुकमा, तृतीय स्थान आईएमएसटी अंग्रेजी माध्यम सुकमा को मिला। इसी प्रकार सांस्कृतिक कार्यक्रम में प्रथम स्थान, शासकीय कन्या पोटाकेबिन हाईस्कूल मुरतोण्डा, द्वितीय स्थान शासकीय कन्या पोटाकेबिन हाईस्कूल सुकमा, तृतीय स्थान शासकीय कन्या शिक्षा परिसर सुकमा को मिला। मिनी स्टेडियम में आयोजित मुख्य समारोह में जिला पंचायत के अध्यक्ष हरीश कवासी, जीव जंतु कल्याण बोर्ड छत्तीसगढ़ सदस्य करणदेव सिंह, नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष जगन्नाथ साहू, डीआईजी कमलोचन कश्यप, सीआरपीएफ डीआइजी अरविंद राय सहित अन्य जनप्रतिनिधि व वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी सहित गणमान्य नागरिक, स्कूली बच्चे तथा आमजन उपस्थित थे।

महापौर विजय देवांगन ने नगर निगम कार्यालय में किया ध्वजारोहण

धमतरी। 76 वें स्वतंत्रता दिवस समारोह के पावन पर्व को बड़े ही हर्षोल्लास के साथ नगर पालिक निगम धमतरी के द्वारा मनाया गया नगर निगम कार्यालय में महापौर विजय देवांगन एवं जय स्तंभ चौक मे सभापति अनुराग मसीह के द्वारा ध्वजारोहण कर तिरंगे को सलामी दी गई। इस अवसर पर महापौर विजय देवांगन ने नगर वासियों को आजादी की 76 वी स्वतंत्रता दिवस पर्व की बधाई एवं शुभकामनाएं दी,आगे कहां देश की एकता और अखंडता, संविधान और लोकतंत्र के प्रति आस्था को बचाए रखना एक चुनौती थी और उसके लिए भी हमारे देश की सेनाओं व सुरक्षा बलों के जवानों ने शहादत दी है मैं उन अमर शहीदों को सादर नमन करता हूं। सभापति अनुराग मसीह ने देश के आजादी अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले देश के महापुरुषों के जीवनी पर प्रकाश डाला।

तत्पश्चात आजादी के अमृत महोत्सव को याद कर बनाने मेरी माटी मेरा देश का कैंपेन किया गया, जिले के वीर शहीदों की याद मे स्मारक पट्टीका का लोकार्पण कर उपस्थित अतिथियों,निगम के अधिकारी कर्मचारी एवं आम नागरिकों द्वारा हाथ में माटी लेकर पंच प्रण की प्रतिज्ञा लेकर,शहीद परिवार के सदस्यो का साल फल देकर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर मुख्य रूप से जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष शरद लोहाना,आयुक्त विनय कुमार पोयाम,छ.ग. जीव जंतु बोर्ड के सदस्य मदन मोहन,कांग्रेस के वरिष्ठ बलवंतराव पवार,शरीफ रोकडिया,एच एस लोनहारे,पार्षद ममता शर्मा,नीलू पवार,राजेंद्र शर्मा,एल्डरमेन देवेंद्र जैन,लखन पटेल,विक्रांत शर्मा,पूर्व पार्षद कैलाश सोनकर,उपायुक्त पीसी सार्वा,कार्यपालन अभियंता विजय खलको,सहायक अभियंता प्रकृति जाचक,महेंद्र सिंह जगत,स्वास्थ्य अधिकारी निवास द्विदी,उप राजस्व निरीक्षक देवेश चंदेल,उप अभियंता कामता नागेंद्र,कमलेश ठाकुर,लोमश देवांगन,नमिता नागवंशी,आशीष बंगानी,तुलसी सोनकर, सहित अधिकारी,कर्मचारी गण शहर के गणमान्य नागरिक अधिक संख्या में उपस्थित थे।

गोरेगांव में लहराया तिरंगा

नगरी। समीपस्थ ग्राम गोरेगांव में 77वे स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर माध्यमिक शाला गोरेगांव में कृष्ण कुमार मंडावी प्रबंधन समिति अध्यक्ष ने ध्वजारोहण किया। ग्राम पंचायत भवन में सरपंच मालती ध्रुव,स्वास्थ्य केंद्र में स्वच्छता समिति अध्यक्ष बृहस्पति ध्रुव, उपसरपंच धनेश्वरी अटलखांम, आंगनबाड़ी में व सुलोचना हिरवानी महिला मंडल अध्यक्ष ने प्रभात महिला भवन में ध्वजारोहण किया। लेखराम गंगबेर ग्राम सभा अध्यक्ष ने अटल चौंक , नेताम जी अध्यक्ष प्राथमिक शाला गोरेगांव,संत कुमार यदुराज ग्राम पटेल गोरेगांव ने गांधी चौक में ध्वज वंदन किया। प्राथमिक शाला /माध्यमिक शाला,आंगनबाड़ी के छात्र-छात्राओं द्वारा प्रभात फेरी जुलूस माध्यमिक प्रधान पाठक कौशल प्रसाद साहू के निर्देशन में बाजे-गाजे के साथ नारों का उद्घोष करते हुए ,ग्राम के प्रमुख मार्गो से होता हुआ, खोरा मांझी गौठान पहुंचा जहां पर संतोष कुमार साहू अध्यक्ष द्वारा ध्वजारोहण किया गया। रैली आगे बढ़ते हुए ग्राम पंचायत भवन पहुंचा। जहां रोजगार सचिव द्वारा आम जनताओ को शपथ दिलाया गया।

बलरामपुर ने गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज कराया नाम

■ वॉलीबॉल प्रतियोगिता का 325 गांवों में आयोजन

अंबिकापुर। बलरामपुर-रामानुजगंज जिले में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर सामुदायिक पुलिसिंग के तहत वॉलीबॉल प्रतियोगिता के आयोजन ने गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में नाम दर्ज कराया है। बलरामपुर रामानुजगंज पुलिस अधीक्षक डॉ. लाल उमेद सिंह को गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड का प्रमाणपत्र एवं मैडल प्रदान किया गया। बलरामपुर पुलिस द्वारा गठित ग्राम खेल समितियों के माध्यम से 325 स्थानों पर एक साथ वॉलीबॉल प्रतियोगिता आयोजित की गई। इसमें 650 टीमों के कुल 3,900 खिलाड़ियों ने वॉलीबॉल खेला।

बलरामपुर पुलिस अधीक्षक डॉ. लाल उमेद सिंह के मार्गदर्शन में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर सामुदायिक पुलिसिंग के तहत जिले के 325 ग्रामों में वॉलीबॉल खेल का आयोजन किया गया। इसमें बलरामपुर जिले के जिला मुख्यालय से लेकर नगरीय क्षेत्र एवं सुदूर वनांचल क्षेत्र में युवाओं के साथ जनप्रतिनिधियों व ग्रामीणों ने सहभागिता दर्ज की। समस्त ग्रामवासी खिलाड़ियों को बलरामपुर पुलिस के द्वारा वॉलीबॉल का खेल खेलने के लिए सभी 650 टीमों को खेल किट का वितरण भी किया गया था।

इसमें ग्राम खेल समिति के कुल 325 ग्राम के 650 टीमों से 3900 से अधिक खिलाड़ियों ने एक साथ प्रातः 10ः00 बजे से 04ः00 बजे तक अपने अपने गांव में वालीबॉल का खेल आयोजित किया। गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड के सदस्यों के द्वारा कुल 325 गांव के खिलाड़ियों को अपने-अपने गांवों में वालीबॉल का खेल खेलते हुए देखकर तथा ग्राम खेल समिति के सदस्यों द्वारा खेल खेलते हुए फोटो-वीडियो का साक्ष्य व्हाट्सएप ग्रुप के माध्यम से प्रस्तुत भी किया गया।

रक्षित केंद्र बलरामपुर के परेड ग्राउंड में जिले के एसपी डॉ. लाल उमेद सिंह सहित कलेक्टर बलरामपुर रिमिजियुस एक्का सहित जिपं सीईओ, एएसपी एवं अधिकारी व जवानों के साथ ही जिले के नागरिकों ने वालीबॉल का मैच खेला। वालीबॉल प्रतियोगिता में शामिल होकर गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड का खिताब श्रीमती सोनल शर्मा के द्वारा बलरामपुर पुलिस अधीक्षक डॉ. लाल उमेद सिंह को सौंपा गया। बलरामपुर पुलिस अधीक्षक डॉ. लाल उमेद सिंह के द्वारा गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में ग्राम खेल समिति का नाम दर्ज होने से गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड के सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए आयोजन में शामिल खिलाड़ियों एवं लोगों को बधाई दी है।

एल्मागुण्डा को आजादी के बाद पहली बार मिली विद्युत की रोशनी

सुकमा। दशकों बाद अतिसंवेनशील क्षेत्र ग्राम एल्मागुण्डा में अंधेरों की घटा अब छटने लगा है। स्वतंत्रता दिवस के पूर्व ग्राम एल्मागुण्डा में शासन-प्रशासन के सहयोग से विद्युतिकरण का कार्य पूर्ण हुआ। दशकों बाद ग्राम में बिजली की रोशनी पाकर वासिदों के चेहरे पर मुस्कान की घटा छायी है। एल्मागुण्डा विकासखण्ड कोंटा में स्थित एक ग्राम है।

आजादी के 76 साल बाद ग्राम एल्मागुण्डा में विद्युतिकरण होने से ग्रामीणों के घरों में वर्षों बाद बिजली पहुंची है। गांव में बिजली की रोशनी की जगमगाहट से ग्रामीणों के चेहरे में खुशी का माहौल बना हुआ है। अब ग्रामीणों के बच्चें को पढ़ाई के लिए बेहतर रोशनी मिली है। वहीं ग्रामीणों को बिजली की रोशनी से रात में भी दिन जैसा वातावतरण महसूस करने लगे है। दशकों से अंधेरे में रह रहे ग्रामीणों को ग्राम में रोशनी पहुंचने से ग्रामीणों ने शासन प्रशासन का आभार व्यक्त किया।

सुकमा के ग्रामों में सीआरपीएफ जवानों के कैम्प स्थापित होने से सिर्फ असामाजिक से राहत के साथ ही विकासात्मक कार्य को भी गति मिली है। पुलिस उप महानिरीक्षक सीआरपीएफ (ऑप्स) सुकमा अरविंद राय, कलेक्टर हरिस एस. पुलिस अधीक्षक किरण चव्हाण के सतत् प्रयासों से छत्तीसगढ़ विद्युत वितरण विभाग ग्राम एल्मागुण्डा में 14 अगस्त 2023 को बिजली पहुंचाई है।

उल्लेखनीय है कि ग्राम एल्मागुण्डा में असमाजिक तत्वों के हिंसात्मक कृत्यों के कारण बिजली की सुविधा ग्राम में नहीं पहुंच पाई थी। जिससे कारण ग्रामीण अंधकारमय जीवन यापन करने को मजबूर थे। ग्रामवासियों की बैठक लेकर जिला पुलिस ने विकास कार्यों में सहयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया गया। ग्राम तोंण्डामरका में छः माह पूर्व नवीन कैम्प स्थापित करने से क्षेत्र के विकास कार्य को गति मिली। जिससे 14 अगस्त 2023 को ग्राम एल्मागुण्डा में बिजली पहुंचाई गई।

रद्दी में बच्चों का भविष्य, शिक्षक ने कबाड़ में बेची स्कूली किताबें

कोरबा। कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे, इसके लिए प्रदेश सरकार हर संभव प्रयास कर रही है। शासकीय स्कूलों में बिना फीस के बच्चे शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। साथ ही हाईस्कूल तक की पढ़ाई करने वाले बच्चों को मुफ्त पाठ्य सामाग्री वितरित की जा रही है। वहीं, इस योजना पर विभागीय अमला ही ताला लगाने में तुला है। स्कूलों में छात्र-छात्राओं को बांटी जाने वाली पुस्तकें कबाड़ की दुकान पर पहुंच रही हैं। ऐसा ही एक मामला कोरबा जिले से सामने आया है।

प्रतिदिन की तरह मंगलवार की शाम प्रभारी अमरिका प्रसाद यादव, वनकर्मी गुरूवेंद्र कुर्रे व चौकीदार भीषम सिंह वनोपज बैरियर में तैनात थे। वे वाहनों की जांच पड़ताल कर वाहनों को बैरियर से रवाना कर रहे थे। इसी दौरान मालवाहक ऑटो (छोटा हाथी) मौके पर पहुंचा। इस वाहन में तिरपाल ढंका हुआ था। जब वनकर्मियों ने तिरपाल खोलकर वाहन की जांच की तो देखा कि उसमें स्कूली पुस्तकों भरी हुई थी। इसमें अलग-अलग कक्षा के विभिन्न विषय से संबंधित पुस्तक शामिल थे।

वनकर्मियों ने चालक से पूछताछ की तो उसने अपना नाम कबाड़ गोदाम झगरहा निवासी राकेश कुमार मरावी बताया। उसने बताया कि व्यवसायी के कहने पर कुदमुरा गया था, जहां से पुस्तक लोड कर कोरकोमा पहुंचा। यहां भी स्कूलों से पुस्तक लोड कर कबाड़ दुकान जा रहा था। वह वनकर्मियों के सामने पुस्तक की खरीदी बिक्री संबंधी दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका। वनकर्मियों ने संबंधित अधिकारियों को भी सूचना दे दी है। मामले का खुलासा जांच के बाद ही हो सकेगा। वहीं, इस मामले में जिला शिक्षा अधिकारी जीपी भारद्वाज ने बताया कि स्कूलों में सभी बच्चों को पुस्तक के वितरण किया जा चुका है, ऐसी जानकारी आने पर दोषियों के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

छत्तीसगढ़ प्रमुख समाचार

सड़क के लिए जोगी कांग्रेस ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

कबीरधाम। पंडरिया ब्लॉक के वनांचल क्षेत्र में रहने वाले लोग सड़क की समस्या से परेशान हैं। स्थिति ऐसी है कि राष्ट्रपति के दत्तक पुत्र में शामिल बैगा जनजाति के गांव तक पक्की सड़क नहीं है। इस कारण बैगाओं को आने-जाने में दिक्कत होती है। इन लोगों की समस्या को देखते हुए बुधवार को जोगी कांग्रेस ने पंडरिया एसडीएम को ज्ञापन सौंपा है। ज्ञापन देने पहुंचे जोगी कांग्रेस नेता रवि चंद्रवंशी ने बताया कि पंडरिया ब्लॉक के आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र में पक्की सड़क नहीं है। ग्राम पंचायत लिम्हईपुर का आश्रित ग्राम करपी और मुड़की तक कच्ची सड़क है। यहां कई बार पक्की सड़क निर्माण को लेकर मांग की गई। इसके बाद भी ध्यान नहीं दिया गया। आने वाले 15 दिन के भीतर यहां पक्की सड़क निर्माण शुरू नहीं होता है तो ग्रामीणों के साथ मिलकर पंडरिया-कुकदूर मुख्य मार्ग पर चक्का जाम किया जाएगा।

आजादी के 77वीं वर्षगांठ पर नन्हे शावकों का नाम रखा गया

भिलाई। भिलाई इस्पात संयंत्र के उद्यानिकी विभाग के मैत्रीबाग में व्हाइट टाइगर के कुनबे में आए नए मेहमान दो नर एवं एक मादा शावक का नामकरण आजादी के 77वीं वर्षगांठ पर किया गया और अब इन तीनों शावको को रुस्तम, राणा और बाबी के नाम से जाना जाएगा। नन्हे शावकों ने पहली बार खुले में स्वयं को पाकर आनंद से खूब उछलकूद करते हुए पर्यटकों का मनोरंजन किया। इन शावकों के पिता का नाम सुल्तान व माँ रक्षा है। मैत्रीबाग के प्रभारी डा. नवीन जैन ने बताया कि मैत्रीबाग में 28 अप्रैल 2023 को व्हाइट टाइगर के दो नर एवं एक मादा शावक का जन्म हुआ था। शावकों की मां रक्षा ने पिछले 3.5 माह से बच्चों का लालन-पालन पूरी ममता के साथ किया। मैत्रीबाग प्रबंधन की ओर से लगातार नन्हे शावकों और मां को पौष्टिक आहार के साथविटामिन भोजन दिया गया। जू अथारिटी आफ इंडिया के मार्गदर्शन अनुसार ही नन्हे शावकों और मां की देखभाल की गई। पूर्व नियोजित कार्यक्रम के अनुसार आजादी के 77वीं वर्षगांठ पर नन्हे शावकों का नाम रुस्तम, राणा और बाबी रखा गया है।

रंगोली, पेंटिंग, निबंध व फैंसी ड्रेस से दिया आजादी का अमृत महोत्सव का संदेश

बिल्हा/बिलासपुर। भारत सरकार, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के केंद्रीय संचार ब्यूरो (सीबीसी) रायपुर द्वारा बिल्हा के सांस्कृतिक भवन में आयोजित आजादी का अमृत महोत्सव मेरी माटी मेरा देश पर केंद्रित त्रिदिवसीय मल्टीमीडिया चित्र प्रदर्शनी में 15 अगस्त के अवसर पर विविध प्रकार की जागरूकता प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। आजादी के अमृत महोत्सव पर केंद्रित रंगोली, पेंटिंग, निबंध व फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने भारी उत्साह से सहभागिता की। एक रंगोली देश के नाम रंगोली प्रतियोगिता में 7 शिक्षण संस्थानों के 29 प्रतिभागियों ने सहभागिता की। आजादी का अमृत महोत्सव पेंटिंग प्रतियोगिता में 26 प्रतिभागी शामिल हुए। मैं भी स्वतंत्रता सेनानी फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता में नन्हें-मुन्ने बच्चों की प्रस्तुति देखते बनी। निबंध लेखन प्रतियोगिता के माध्यम से आजादी के महत्व विषयक जागरूकता प्रसार किया गया।

डुबानवासियों का प्रकृति प्रेम और सरलता अनुकरणीयः होरा

धमतरी। छत्तीगसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष एवं पूर्व विधायक धमतरी गुरूमुख सिंह होरा रविवार को ग्राम भिड़ावर के देव स्थान देशमात्रा बाबा के लिये 10 लाख रूपये के नवनिर्मित सामुदायिक भवन सह आहाता निर्माण कार्य का लोकार्पण किया। विदित हो कि रणवासिनी पहाड़ की नीचे देशमात्रा बाबा का पूजा स्थल है जिसमे क्षेत्रवासियो के बड़ी आस्था है । श्रद्धालुगण प्रत्येक धार्मिक कार्य हेतु उल्लेखित स्थल पर एकत्रित होकर पूजरा श्रद्धा और आस्था ने पूजा अर्चना करते है। परंतु उक्त स्थल पर पर्याप्त सुविधा जैसे भवन एवं आहाता नही होने के कारण उन्हे काफी समस्याओ का सामना करना पड़ता था। ग्रामवासियो ने उक्त समस्या से अवगत कराते हुए होरा के समक्ष सामुदायिक भवन एवं आहाता निर्माण कार्य की स्वीकृति हेतु मांग किया था। डूबान क्षेत्र वासियो की बहुप्रतीक्षित मांग को ध्यान मे रखते हुए प्रभारी मंत्री मद से राशि स्वीकृत कराया था। भवन एवं आहाता निर्माण कार्य पूर्ण होने पर डूबानवासियो ने धूमधाम से इसका लोकार्पण कार्यक्रम आयोजित किया।

मतदान केन्द्रों की जानकारी के संबंध में आज बैठक

कोरबा। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी छत्तीसगढ़ रायपुर के निर्देशानुसार आगामी विधान सभा निर्वाचन 2023 के लिए जिले के सभी विधानसभा क्षेत्रों के सेक्टर ऑफिसर से आबंटित मतदान केन्द्रो का भौतिक सत्यापन विभिन्न बिन्दुओ के आधार पर चाही गई है। जिसके अंतर्गत मतदान केन्द्रों की युक्तियुक्तकरण योजना के पश्चात् चिन्हांकित मतदान भवनों की रूट मेंपिग सहित अद्यतन जानकारी, प्रत्येक मतदान केन्द्रों की कंट्रोल टेबल एवं ईएमएफ- एएमएफ की अद्यतन जानकारी, आबंटित सेक्टर में वेल्यूनरेबल मैपिंग पोलिंग स्टेशन की अद्यतन जानकारी, आबंटित मतदान केन्द्रों में नेटवर्क कनेक्टिविटी- शैडो एरिया की अद्यतन जानकारी एवं अभिहित अधिकारी एसएसआर के दौरान स्थल में उपस्थिति की जानकारी शामिल है। साथ ही इस संबंध में 17 अगस्त 2023 को कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी की अध्यक्षता में जिला कार्यालय के सभा कक्ष में सांय 4 बजे बैठक आयोजित की गई है।

एनटीपीसी कोरबा में हर्षोल्लास से मनाया गया 77वां स्वतंत्रता दिवस

कोरबा। एनटीपीसी कोरबा में हर वर्ष की तरह इस वर्ष का स्वतंत्रता दिवस भी बड़े उत्साह और देशभक्ति की भावना के साथ मनाया गया।15 अगस्त भारतवर्ष का राष्ट्रीय पर्व है। साथ ही 15 अगस्त, भारत देश के गर्व और सौभाग्य का दिवस है। यह पर्व हमारे हृदय में नवीन स्फूर्ति, नवीन आशा, उत्साह तथा देश-भक्ति का संचार है। इस प्रकार हम स्वतंत्रता दिवस के पर्व को पूर्ण उत्साह, उमंग और जोश के साथ मनाते है और राष्ट्र की स्वतंत्रता और सार्वभौमिकता की रक्षा का प्रण लेते है।

इस वर्ष 77 वें स्वतंत्रता दिवस की थीम राष्ट्र पहले, हमेशा पहले छंजपवद थ्पतेजए ।सूंले थ्पतेज् रही। पिछले वर्ष की भाँति इस वर्ष भी स्वतंत्रता दिवस कुछ विशेष रहा, क्योंकि पूरे देश में दिनांक 13/08/2023 से दिनांक 15/08/2023 तक भारत सरकार द्वारा चलाए जा रहे मेरी माटी मेरा देश एवं श्हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत हर घर झंडा फ्हराकर इस अभियान को सार्थक बनाया गया। एनटीपीसी कोरबा में दिनांक 15/08/2023 को 77वाँ स्वतंत्रता दिवस देशभक्ति की भावना से ओत-प्रोत होकर मनाया गया। इससे पूर्व दिनांक 13 से 15 अगस्त 2023 तक हर घर तिरंगा फ्हराने भी आयोजित किया गया।

महान राष्ट्रीय आयोजन स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर समारोह का शुभारम्भ बीग्रामचंद्र राव, परियोजना प्रमुख एनटीपीसी कोरबा द्वारा ध्वजारोहण करके किया गया और इस दौरान सामूहिक राष्ट्रगान और एनटीपीसी गीत गायन किया गया। तत्पश्चात् मुख्य अतिथि एवं सीआईएसएफ के जवानों द्वारा तिरंगे को सलामी दी गयी। साथ ही मुख्य अतिथि द्वारा परेड ग्राउंड का निरीक्षण किया गया। इसके उपरांत इस अवसर पर मुख्य महाप्रबंधक महोदय ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए एनटीपीसी एवं कोरबा परियोजना की विशेष उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि वित्तीय वर्ष, 2022-23 के लिए पीईएम स्कोर में हमारी परियोजना एनटीपीसी कोरबा को द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ है। हम रिन्यूवल ऊर्जा क्षेत्र में तेजी से कदम बढ़ा रहे हैं। साथ ही उन्होंनें यह भी कहा कि हमारे लिए यह खुशी की बात है कि हमारी कम्पनी एनटीपीसी की कुल स्थापित क्षमता 73024 मेगावॉट तक की हो गयी है। वर्ष 2020-21 के दौरान, एनटीपीसी कोरबा ने 93.66ः पीएलएफ पर बिजली उत्पादन कर भारत में दूसरा स्थान प्राप्त किया। 2021-22 के दौरान इसका पीएलएफ 93.28ः रहा और ऑल इंडिया रैंकिंग फ्रि से दूसरे स्थान पर रही और हाल ही में, 2022.23 के दौरान इसका पीएलएफ 91.15ः रहा और ऑल इंडिया रैंकिंग तीसरे स्थान पर रही। हालाँकिए इस पूरी अवधि में एनटीपीसी कोरबा एनटीपीसी लिमिटेड में नंबर एक स्थान पर रहा। उन्होंनें जोर देते हुए बताया कि एनटीपीसी कोरबा परियोजना पर्यावरण संरक्षण का विशेष ध्यान रखती है। इसीलिए समय.समय पर वृक्षारोपण किये जाते हैं। उन्होंने बताया कि नैगम सामाजिक दायित्व के तहत पहाड़ी कोरवा एवं अन्य को तीरंदाजी का प्रशिक्षण से तीरंदाजी प्रतिभा को संवारने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया था।

मुख्यमंत्री ने उत्कृष्ट कार्य के लिए अमलीडीह गौठान को किया सम्मानित

राजनांदगांव। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने राज्य स्तर पर राजधानी रायपुर में आयोजित स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम में डोंगरगांव विकासखंड के अमलीडीह गौठान को उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया। सुराजी गांव योजनांतर्गत स्थापित गौठानों का संचालन व प्रबंधन गौठान समिति एवं ग्राम पंचायत के माध्यम से किया जा रहा है। गौठानों में स्वसहायता समूह द्वारा संचालित विभिन्न आर्थिक गतिविधियों को प्रोत्साहित करने तथा उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले डोंगरगांव विकासखंड के अमलीडीह गौठान को 15 अगस्त को राज्य स्तर पर आयोजित स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर गौठान समिति के अध्यक्ष श्री सोनू राम पटेल को शॉल, श्रीफल, प्रशस्ति पत्र एवं प्रतीक चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया। उल्लेखनीय है कि कलेक्टर श्री डोमन सिंह के मार्गदर्शन तथा सीईओ जिला पंचायत श्री अमित कुमार के निर्देशन में सुराजी गांव योजना के क्रियान्वयन की दिशा में विशेष कार्य किए जा रहे हैं। गौठानों में विभिन्न आजीविका गतिविधियों का संचालन किया जा रहा है। जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था मजबूत बन रही है। कलेक्टर श्री सिंह की पहल पर जिले के गौठानों में गौठान मेला का भी आयोजन किया गया। सभी के सतत प्रयासों से जिले के गौठानों में अधोसंरचना निर्माण तथा विभिन्न गतिविधियां संचालित करने के लिए अथक प्रयास किए गए। जिसके सार्थक परिणाम रहे हैं। इसी कड़ी में जिले के ग्राम अमलीडीह गौठान को प्रदेश में उत्कृष्ट गौठान के रूप में चयनित किया गया है तथा जिले को यह महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल हुई है।

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय
प्रमुख समाचार

मोदी सरकार ने बदला नेहरू मेमोरियल का नाम

नईदिल्ली। नेहरू मेमोरियल म्यूजियम एंड लाइब्रेरी (एनएमएमएल) की कार्यकारी परिषद के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्रा ने बताया कि नेहरू मेमोरियल म्यूजियम एंड लाइब्रेरी (एनएमएमएल) का आधिकारिक तौर पर नाम बदलकर प्रधान मंत्री संग्रहालय और लाइब्रेरी सोसायटी कर दिया गया है। भारत के 77वें स्वतंत्रता दिवस पर इस नाम को औपचारिक रूप दिया गया है। प्रधान मंत्री संग्रहालय और पुस्तकालय की कार्यकारी परिषद के उपाध्यक्ष ने भी एक्स, जिसे पहले ट्विटर कहा जाता था, पर अपडेट पोस्ट किया। पोस्ट में कहा गया है, नेहरू मेमोरियल म्यूजियम एंड लाइब्रेरी (एनएमएमएल) अब 14 अगस्त, 2023 से प्रधान मंत्री संग्रहालय और लाइब्रेरी (पीएमएमएल) सोसायटी है, जो समाज के लोकतंत्रीकरण और विविधीकरण के अनुरूप है। जून के मध्य में एनएमएमएल सोसायटी की एक विशेष बैठक में इसका नाम बदलकर पीएमएमएल सोसायटी करने का निर्णय लिया गया। बैठक की अध्यक्षता सोसायटी के उपाध्यक्ष रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने की।

नेहरू मेमोरियल का नाम बदलने पर कांग्रेस का हमला

नईदिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में नेहरू मेमोरियल संग्रहालय और पुस्तकालय का आधिकारिक नाम बदलने को लेकर कांग्रेस केंद्र सरकार पर हमलावर हो गई है। कांग्रेस ने साफ तौर पर कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश के स्वतंत्रता संग्राम में जवाहरलाल नेहरू के महान योगदान को कभी नहीं छीन सकते। एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर अपने आधिकारिक हैंडल पर जयराम रमेश ने बुधवार को पोस्ट किया, आज से एक प्रतिष्ठित संस्थान को नया नाम मिला। विश्व प्रसिद्ध नेहरू मेमोरियल संग्रहालय और पुस्तकालय पीएमएमएल-प्रधानमंत्री स्मारक संग्रहालय और पुस्तकालय बन गया है। इसके साथ ही जयराम रमेश ने कहा कि मोदी के पास भय, जटिलताओं और असुरक्षाओं का एक बड़ा बंडल है, खासकर जब बात हमारे पहले और सबसे लंबे समय तक प्रधान मंत्री की आती है। उनका एकमात्र एजेंडा नेहरू और नेहरूवादी विरासत को नकारना, विकृत करना, बदनाम करना और नष्ट करना है।

मोदी के भाषण में भ्रष्टाचार के जिक्र पर सिब्बल का तंज

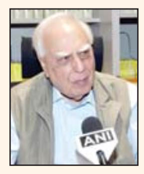

नयी दिल्ली। राज्यसभा सदस्य कपिल सिब्बल ने स्वतंत्रता दिवस पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के भाषण में भ्रष्टाचार के जिक्र पर बुधवार को तंज करते हुए पूछा कि ''अच्छे दिन'' कहां हैं और उनके पास भ्रष्टाचार को समाप्त करने के लिए दस वर्ष थे, तो क्या काम हुआ। सिब्बल ने 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) पर पोस्ट किया, '' 15 अगस्त पर प्रधानमंत्री आपने कहा हमें भ्रष्टाचार समाप्त करना है। आपके पास करीब-करीब दस वर्ष थे। क्या हुआ ? अच्छे दिन कहां हैं। भुला दिया? मंहगाई आयातित है। हमारी सब्जियां नदारद हैं।'' सिब्बल ने कहा, '' अगले पांच वर्ष स्वर्णिम काल। किसके लिए? गरीब, दलित, अल्पसंख्यक या...?'' सिब्बल केंद्र में कांग्रेस नीत संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार के पहले और दूसरे कार्यकाल के दौरान केंद्रीय मंत्री थे। उन्होंने पिछले वर्ष मई में कांग्रेस छोड़ दी थी और सपा के समर्थन से राज्यसभा के निर्दलीय सदस्य चुने गए थे।

अजित इतने बड़े नहीं कि शरद पवार को ऑफर दे सकें : राउत

मुंबई। पुणे में एक उद्योगपति के घर पर अजित पवार के चाचा शरद पवार से मुलाकात के कुछ दिनों बाद महाराष्ट्र की राजनीति में एक नए गठबंधन को लेकर राजनीतिक अटकलें शुरू हो गईं है। राज्य के एक पूर्व मुख्यमंत्री, एक कांग्रेस नेता ने दावा किया कि अजित पवार अपने चाचा के पास दो विशिष्ट प्रस्तावों के साथ आए थे। एक, शरद पवार को केंद्रीय मंत्रिमंडल में कृषि मंत्री के रूप में शामिल किया जाएगा, यूपीए के दौरान शरद पवार उस पद पर थे। इससे साथ ही नीति आयोग के अध्यक्ष के रूप में एक पद है। दो, शरद पवार की बेटी सुप्रिया सुले को केंद्र में और जयंत पाटिल को राज्य मंत्रिमंडल में जगह दी जाएगी। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए बुधवार को उद्धव बालासाहेब सेना के नेता संजय राउत ने कहा कि अजित पवार इतने बड़े नेता नहीं हैं कि वह शरद पवार को ऑफर दे सकें। उन्होंने अपने बयान में कहा कि अजित पवार को पवार (शरद पवार) साहब ने बनाया है अजित पवार ने शरद पवार को नहीं बनाया।

त्रिपुरा उपचुनाव के लिए भाजपा ने उम्मीदवारों की घोषणा की

नईदिल्ली। त्रिपुरा में दो सीट पर 5 सितंबर को उप चुनाव होने वाला है। विपक्षी सीपीआई (एम), कांग्रेस और टीआईपीआरए मोथा के बीच सीटों को लेकर गतिरोध जारी है। सत्तारूढ़ भाजपा ने धनपुर और बोक्सानगर दोनों विधानसभा क्षेत्रों के लिए उम्मीदवारों की घोषणा की है। भाजपा महासचिव और कार्यालय प्रभारी अरुण सिंह ने बताया कि पार्टी की केंद्रीय चुनाव समिति ने तफ्फजल हुसैन को बोक्सानगर विधानसभा सीट से और बिंदु देबनाथ को धनपुर विधानसभा सीट से उम्मीदवार बनाया है। हुसैन बोक्सानगर के स्थानीय नेता हैं जबकि देबनाथ धनपुर में पार्टी के मंडल अध्यक्ष हैं। भाजपा की त्रिपुरा इकाई के मीडिया प्रमुख सुनीत सरकार ने कहा, ''पार्टी के वरिष्ठ नेता आज से बूथ स्तर पर प्रचार शुरू करने के लिए बोक्सानगर और धनपुर जा रहे हैं। हमारे उम्मीदवार बृहस्पतिवार को नामांकन पत्र दाखिल करेंगे।''

इंडिया गठबंधन में विश्वास की कमी

नईदिल्ली। विपक्षी गठबंधन के नेता इस बात का दावा लगातार व्यक्त कर रहे हैं कि हम भाजपा के खिलाफ मिलकर चुनाव लड़ेंगे। उनकी ओर से यह भी कहा जा रहा है कि 450 सीटों पर हम साझा उम्मीदवार उतारेंगे। लेकिन ऐसा लग रहा है कि उनमें एक दूसरे पर विश्वास की कमी है। इसके अलावा जिस तरीके के मौजूदा हालात हैं उसमें बड़ा सवाल यह भी है कि सीट बंटवारे का फार्मूला निकलेगा कैसे? पश्चिम बंगाल में लेफ्ट पार्टी पहले ही कह चुकी है कि वह तृणमूल से गठबंधन नहीं करेगी। विपक्षी गठबंधन में यह दोनों दल एक साथ है। लेकिन चुनावी मैदान में अलग-अलग उतरने की बात कर रहे हैं। कांग्रेस और आम आदमी पार्टी भी एक साथ दिखाई दे रही हैं लेकिन दिल्ली और पंजाब जैसे राज्यों में पार्टी के नेता एक दूसरे पर हमलावर हैं। यहां भी विश्वास की कमी है। इन सबके बीच महाराष्ट्र की राजनीति में भी भूचाल आया हुआ है। शरद पवार को लेकर कांग्रेस के भीतर अविश्वास की स्थिति साफ तौर पर दिखाई दे रही है।

महाराष्ट्र में इंडिया गठबंधन के लिए वर्तमान में सहज स्थिति नहीं है। इंडिया गठबंधन की नींव पड़ने के बाद इसे सबसे बड़ा झटका तब लगा जब वरिष्ठ नेता शरद पवार की पार्टी दो हिस्सों में बंट गई थी। अजित पवार कुछ नेताओं के साथ शिवसेना-भाजपा सरकार में शामिल हो गए और उपमुख्यमंत्री बन गए। हालांकि, शरद पवार लगातार इसका विरोध करते रहे हैं। हाल के दिनों में शरद पवार और उनके भतीजे अजीत पवार के बीच कई बैठक हुई है। इसी बैठक को लेकर कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं ने यह दावा कर दिया कि अजित पवार शरद पवार को बीजेपी के ऑफर के बारे में लगातार बता रहे हैं। इसमें महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री और दिग्गज कांग्रेस नेता पृथ्वीराज चव्हाण का भी नाम शामिल है। महाराष्ट्र कांग्रेस के नेताओं के मुताबिक भाजपा अजित पवार के जरिए शरद पवार को दो ऑफर दे रही है। एक ऑफर यह है कि या तो वह केंद्र में कृषि मंत्री बन जाए या फिर नीति आयोग के चेयरमैन का पद का ऑफर है। इसके अलावा दूसरे ऑफर की बात करें तो उसको लेकर दावा किया गया कि सुप्रिया सुले को केंद्र में और जयंत पाटिल को राज्य में मंत्री बनाया जाएगा। हालांकि, कांग्रेस नेताओं की ओर से दावा भी किया जा रहा है शरद पवार ने इस प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया है।

दूसरी ओर कांग्रेस नेताओं इस तरह के दावे के बाद

महाराष्ट्र की राजनीति तेज हो गई है। एनसीपी के वरिष्ठ नेता और शरद पवार की बेटी सुप्रिया सुले ने साफ तौर पर कहा कि बीजेपी की ओर से उन्हें किसी भी तरह का ऑफर नहीं मिला है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र के नेता चाहे कुछ भी बोल रहे हो लेकिन मैं व्यक्तिगत रूप से मल्लिकार्जुन खड़गे, राहुल गांधी जैसे नेताओं से लगातार संपर्क में हूं। वहीं, शरद पवार ने स्पष्ट किया कि बैठक गुप्त नहीं थी और परिवार के सबसे वरिष्ठ के रूप में, वह अपने परिवार के सदस्यों से मिल सकते हैं। हालांकि, महाराष्ट्र कांग्रेस ने पूछा कि परिवार के सदस्यों को कहीं और मिलने की आवश्यकता क्यों है। दूसरी ओर उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना भी इससे बहुत ज्यादा सहमत नहीं है। उद्धव ठाकरे गुट की शिवसेना के बड़े नेता संजय राउत ने कहा कि अजित पवार अभी इतने बड़े नहीं हुए हैं कि वे शरद पवार के पास ऑफर लेकर जाएं। उन्होंने कहा कि अजित पवार जो कुछ भी है वह शरद पवार की वजह से ही हैं।

दूसरी ओर कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के बीच की जंग कम होने का नाम नहीं ले रही है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता संदीप दीक्षित लगातार आम आदमी पार्टी पर निशाना साध रहे हैं। उन्होंने आम आदमी पार्टी के प्रमुख और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर निशाना साधते हुए कहा कि वे इंडिया गठबंधन में डर की वजह से शामिल हुए हैं। इसके साथ ही उन्होंने यह भी कह दिया कि कांग्रेस दिल्ली में सभी 7 सीटों पर लड़ने को तैयार है। कांग्रेस को किसी से भी गठबंधन की जरूरत नहीं है। संदीप दीक्षित दिल्ली को लेकर केंद्र सरकार द्वारा लाए गए विदेश का भी लगातार समर्थन करते रहे हैं। दिल्ली कांग्रेस के नेता खुलकर केजरीवाल के खिलाफ बोलते दिखाई दे रहे हैं। वहीं, पंजाब में भी कांग्रेस के नेता साफ तौर पर आम आदमी पार्टी से किसी भी तरह के गठबंधन के खिलाफ हैं। उनका दावा है कि हम सभी सीटों पर अकेले चुनाव लड़ेंगे।

बड़ा सवाल यह भी है कि इंडिया गठबंधन का पीएम पद का उम्मीदवार कौन होगा? बेंगलुरु बैठक के दौरान कांग्रेस ने कहा था कि उसे पद की चिंता नहीं है। लेकिन कहीं ना कहीं कांग्रेस लगातार राहुल गांधी को प्रमोट करने में जुटी हुई है। लेकिन सबसे ज्यादा दो नेता इंडिया गठबंधन में पीएम पद को लेकर अपनी दावेदारी मजबूत कर रहे हैं। पिछले दिनों तृणमूल कांग्रेस के सांसद शत्रुघ्न सिन्हा ने साफ तौर पर कहा कि इंडिया गठबंधन में कई सारे नेता पीएम बनने के लायक है। लेकिन ममता बनर्जी बेहतर उम्मीदवार हैं। दूसरी ओर राजद के वरिष्ठ नेता भाई विरेंद्र ने दावा कर दिया कि बिहार से ही प्रधानमंत्री बनना चाहिए और ऐसे में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार सबसे अच्छे उम्मीदवार हो सकते हैं।

रिश्तो की नींव विश्वास की डोर पर रहती है। अगर एक दूसरे पर विश्वास ना हो तो रिश्ता कमजोर रहता है और कितने दिन तक चल पाएगा, इसको लेकर भी असमंजस की स्थिति बरकरार रहती है। फिलहाल 26 दलों के नेता

विश्वकर्मा योजना और 100 शहरों में ई-बस चलाने की योजना को मंजूरी मिली

■ **मोदी कैबिनेट ने लिया अहम फैसला**

नई दिल्ली। बुधवार, 16 अगस्त को मोदी कैबिनेट की एक अहम बैठक हुई। बैठक में केंद्रीय कैबिनेट ने विश्वकर्मा योजना को मंजूरी दे दी है। इसके साथ पीएम ई-बस सेवा को भी मंजूरी दे दी गई है। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने पीएम ई-बस सेवा के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि इस पर 57,613 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। देश भर में लगभग 10,000 नई इलेक्ट्रिक बसें प्रदान की जाएंगी।

ये योजना देश के 100 शहरों में लागू होगी। अनुराग ठाकुर ने बताया कि इसमें से 20 हजार करोड़ रुपये केंद्र सरकार की तरफ से खर्च किए जाएंगे जबकि बाकी पैसे राज्य सरकारें खर्च करेंगी। यह योजना 3 लाख और उससे अधिक आबादी वाले शहरों को कवर करेगी। इस योजना के तहत, सिटी बस संचालन सार्वजनिक निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल पर 10,000 ई-बसों के साथ किया जाएगा। यह योजना 10 वर्षों तक बस संचालन का समर्थन करेगी।

वहीं केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने विश्वकर्मा योजना के बारे में जानकारी दी। अश्विनी वैष्णव ने बताया कि प्रधानमंत्री ने आज केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में पारंपरिक कौशल वाले लोगों का समर्थन करने के लिए पीएम विश्वकर्मा योजना को मंजूरी दे दी। इस योजना के तहत उदार शर्तों पर 1 लाख रुपये तक का ऋण उपलब्ध कराया जाएगा। मुख्य रूप से ये योजना उन लोगों के लिए जो पीढ़ी दर पीढी अपना पुश्तैनी काम जारी रखे हुए हैं। इससे लुहार, सुनार, कुम्हार, दर्जी, नाव बनाने वाले, लकड़ी के खिलौने और उपयोगी सामग्री बनाने वाली जातियों और समुदाय के लोग लाभान्वित होंगे।

बता दें कि विश्वकर्मा योजना के बारे में पीएम मोदी ने स्वतंत्रता दिवस के अवसर लाल किले से घोषणा की थी। पीएम ने कहा था कि विश्वकर्मा जयंती के मौके पर विश्वकर्मा योजना शुरू की जाएगी। कारीगरों और छोटे व्यवसायों से जुड़े लोगों

को इस योजना का फायदा मिलेगा। सरकार पारंपरिक कौशल वाले लोगों के लिए अगले महीने 13,000 से 15,000 करोड़ रुपये के आवंटन के साथ विश्वकर्मा योजना शुरू करेगी।

पीएम विश्वकर्मा योजना से किसे होगा फायदा?

संचार मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कैबिनेट बैठक के बाद कहा कि योजना के तहत, शिल्पकारों को पहले चरण में 1 लाख रुपये और दूसरे चरण में 2 लाख रुपये का रियायती ऋण प्रदान किया जाएगा। ऋण 5 प्रतिशत की रियायती ब्याज दर पर प्रदान किया जाएगा। 13,000 करोड़ रुपये की योजना बढ़ई, सुनार, राजमिस्त्री, कपड़े धोने वाले श्रमिकों और नाई को ताकत प्रदान करेगी, जो ज्यादातर अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) समुदाय से हैं।

पीएम विश्वकर्मा योजना की मुख्य बातें

सरकार बिजनेस के लिए पहले चरण में 1 लाख रुपये और दूसरे चरण में 2 लाख रुपये तक का लोन देगी। विश्वकर्मा योजना में लगभग 30 लाख परिवारों को सहायता मिलेगी, जिसका अर्थ है कि प्रत्येक परिवार के एक व्यक्ति को सरकार का समर्थन मिलेगा। इससे शिल्पकारों को आर्थिक संबल मिलेगा। स्कीम लोगों को अग्रिम कौशल प्रशिक्षण में मदद करेगी। लाभार्थियों को नवीनतम तकनीक तक पहुंच प्राप्त होगी। कागज रहित भुगतान। व्यापक पैमाने पर और कारीगरों की वैश्विक बाजार तक पहुंच। 500 रुपये प्रतिदिन वजीफा।

खेल
प्रमुख समाचार

भारत और आयरलैंड के बीच टी20 मैच 18 से

मालाहाइड। वेस्टइंडीज दौरा खत्म हो गया और टीम इंडिया आयरलैंड पहुंच गई है। टीम इंडिया का अगला काम आयरलैंड में 3 मैचों की टी20 सीरीज है। भारत और आयरलैंड 2023 सीरीज 18 अगस्त से शुरू होगी और 23 अगस्त 2023 को खत्म हो जाएगी।

भारत ने 2018 और 2022 में आयरलैंड का दौरा किया था और दोनों बार टी20 सीरीज 2-0 से जीती थी। वेस्टइंडीज और यूएसए में खेले जाने वाले 2024 टी20 विश्व कप में एक साल से भी कम समय बचा है, यह भारत की टी20 टीम में नए और कम अनुभवी खिलाड़ियों के लिए सीखने का एक अच्छा अनुभव होगा।

भारत और आयरलैंड के बीच 18, 20 और 23 अगस्त को मालाहाइड में तीन टी20 मैच खेले जाएंगे। मैच भारतीय समयानुसार शाम 7:30 बजे शुरू होंगे। भारत ने आयरलैंड के खिलाफ 5 बार खेला है और सभी 5 बार जीत हासिल की है। सभी मैच स्पोर्ट्स 18 नेटवर्क और जियो सिनेमा ऐप पर लाइव-स्ट्रीम किए जाएंगे। पॉल स्टर्लिंग आयरलैंड के कप्तान होंगे। चोटिल होने के कारण पिछले लंबे समय से बाहर चल रहे तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने आयरलैंड के खिलाफ तीन टी20 मैचों की सीरीज के लिए कप्तान के रूप में भारतीय टीम में वापसी की है।

आयरलैंड टीम- पॉल स्टर्लिंग (कप्तान), एंड्रयू बालबर्नी, मार्क अडायर, रॉस अडायर, कर्टिस कैंपर, गैरेथ डेलानी, जॉर्ज डॉकरेल, फिओन हैंड, जोश लिटिल, बैरी मैक्कार्थी, हैरी टेक्टर, लोर्कन टकर, थियो वैन वोर्कोम, बेन व्हाइट, क्रेग यंग।

भारतीय टीम- जसप्रीत बुमराह (कप्तान), रुतुराज गायकवाड़ (उप कप्तान), यशस्वी जायसवाल, तिलक वर्मा, रिंकू सिंह, संजू सैमसन (विकेटकीपर), जितेश शर्मा (विकेटकीपर), शिवम दुबे, वाशिंगटन सुंदर, शाहबाज अहमद, रवि बिश्नोई, प्रसिद्ध कृष्णा, अर्शदीप सिंह, मुकेश कुमार, अवेश खान।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान/
प्रमुख समाचार

सेंसेक्स 137 अंक चढ़कर 65,474 पर बंद

नईदिल्ली। भारतीय शेयर बाजार में बुधवार को तेजी दर्ज की गई और बेहद उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में बीएसई का सेंसेक्स 137 अंक चढ़कर 65,474 पर बंद हुआ। महंगाई संबंधी चिंताओं के बीच सेंसेक्स इंडेक्स में बड़ी हिस्सेदारी रखने वाली रिलायंस इंडस्ट्रीज और आईटी समेत ऑटो कंपनियों के शेयरों में तेजी से बाजार को समर्थन मिला। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 137.50 अंक या 0.21 प्रतिशत चढ़कर 65,539.42 अंक पर बंद हुआ। हालांकि, कारोबार के दौरान सेंसेक्स 65,032.89 अंक तक फिसल गया था। सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से 18 के शेयर हरे जबकि शेष 12 के स्टॉक लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ़्टी 50 भी 30.45 अंक या 0.16 प्रतिशत की मामूली तेजी के साथ 19,465 अंक पर बंद हुआ। वहीं, स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर 15 अगस्त को शेयर बाजार बंद थे।

फॉक्सकॉन ने भारत में शुरू किया आईफोन15 का उत्पादन

नईदिल्ली। ऐपल की सप्लायर कंपनी फॉक्सकॉन ने भारत के अपने तमिलनाडु प्लांट में आईफोन 15 का उत्पादन शुरू कर दिया है। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो फॉक्सकॉन कुछ ही हफ्ते में नए डिवाइस की डिलीवरी करने की तैयारी में है। भारत में आईफोन के उत्पादन का पैमाना काफी हद तक उन पार्ट्स की उपलब्धता पर निर्भर करेगा जो बड़े पैमाने पर आयात किए जाते हैं। उत्पादन में तेजी लाने के लिए चेन्नई स्थित प्लांट में प्रोडक्शन लाइनें बढ़ा दी गई हैं। कंपनी 12 सितंबर, 2023 को नए आईफोन 15 सीरीज की घोषणा कर सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक, फॉक्सकॉन द्वारा लगभग 3,300 करोड़ रुपये के निवेश के साथ हैदराबाद प्लांट में दिसंबर 2024 तक बड़े पैमाने पर प्रोडक्शन शुरू करने का अनुमान है।

अगस्त के पहले पखवाड़े में घटी पेट्रोल, डीजल की मांग

नईदिल्ली। भारत में पेट्रोल और डीजल की खपत अगस्त के पहले पखवाड़े में घटी है। सार्वजनिक क्षेत्र की पेट्रोलियम कंपनियों के आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। मानसून की वजह से आवाजाही प्रभावित होने तथा औद्योगिक गतिविधियों में सुस्ती की वजह से वाहन ईंधन की मांग में लगातार दूसरे महीने गिरावट आई है। आमतौर पर मानसून के चार माह के दौरान ईंधन की खपत कम रहती है। देश में सबसे अधिक इस्तेमाल वाले ईंधन डीजल की खपत एक से 15 अगस्त के दौरान 5.7 प्रतिशत घटकर 26.7 लाख टन रह गई है। जुलाई के पहले पखवाड़े में भी ईंधन की खपत में भारी गिरावट आई थी। हालांकि, दूसरे पखवाड़े में मांग कुछ सुधरी थी। मासिक आधार पर देखा जाए, तो डीजल की बिक्री में 9.5 प्रतिशत की गिरावट आई है। जुलाई के पहले पखवाड़े में डीजल की बिक्री 29.5 लाख टन रही थी। डीजल की बिक्री आमतौर पर मानसून के महीनों में गिर जाती है।

टेलीकॉम कंपनियों की रेवेन्यू ग्रोथ 7 से 9% रहेगी : इक्रा

नईदिल्ली। दूरसंचार सेवा उद्योग की राजस्व वृद्धि चालू वित्त वर्ष (2023-24) में कम यानी सात से नौ प्रतिशत रहने की उम्मीद है। रेटिंग एजेंसी इक्रा ने यह अनुमान लगाया है। इक्रा ने कहा कि निकट भविष्य में शुल्क दरों में वृद्धि की संभावना नहीं है जिससे दूरसंचार कंपनियों की प्रति ग्राहक औसत कमाई (एआरपीयू) स्थिर रहेगी। इसके साथ ही इक्रा ने कहा कि 5जी नेटवर्क लगाने के लिए दूरसंचार कंपनियों को बड़ी मात्रा में फाइबर लगाना होगा। इससे मध्यम अवधि में दूरसंचार कंपनियों का खर्च बढ़ेगा। इक्रा ने कहा कि इन वजहों से दूरसंचार कंपनियों का कर्ज मार्च, 2024 में ऊंचे स्तर 6.1 से 6.2 लाख करोड़ रुपये के बीच रहेगा। 31 मार्च, 2023 को यह 6.3 लाख करोड़ रुपये था। इक्रा ने बयान में कहा कि दूरसंचार कंपनियों की राजस्व वृद्धि चालू वित्त वर्ष में कम यानी सात से नौ प्रतिशत रहेगी।

दूसरी अर्थव्यवस्थाओं का पिछलग्गू नहीं बना आरबीआई

प्रह्लाद सबनानी

आज विश्व के समस्त देश आर्थिक विकास के एजेंडा पर कम ध्यान देते हुए मुद्रा स्फीति को नियंत्रित करने के प्रयासों पर अधिक ध्यान दे रहे हैं। हालांकि मुद्रा स्फीति को नियंत्रित करने के लिए आपूर्ति के साधनों में सुधार करने पर पूरा ध्यान होना चाहिए परंतु बाजार में उत्पादों की मांग कम करने के उद्देश्य से समस्त देश केवल ब्याज दरों में लगातार वृद्धि करते पाए जा रहे हैं। ब्याज दरों में लगातार बढ़ोत्तरी से न केवल वित्त की उपलब्धता पर विपरीत प्रभाव दिखाई देने लगता है बल्कि वित्त की लागत भी बढ़ने लगती है, जिससे बाजार में उत्पादों की मांग कम होने लगती है, उत्पादन गतिविधियों में ठहराव आता है, बैंकों की लाभप्रदता पर विपरीत प्रभाव पड़ने लगता है एवं रोजगार के अवसर कम होने लगते हैं। कुल मिलाकर, पूरा आर्थिक चक्र ही विपरीत रूप से प्रभावित होने लगता है। विपरीत परिस्थितियों के बीच भी कई विकसित देश (विशेष रूप से अमेरिका एवं यूरोपीय देश) अभी भी ब्याज दरों को बढ़ाते जा रहे हैं। परंतु, भारतीय रिजर्व बैंक ने इस संदर्भ में कुछ अलग निर्णय लिया है।

दिनांक 8 अगस्त 2023 से 10 अगस्त 2023 तक भारतीय रिजर्व बैंक की मोनेटरी पॉलिसी कमेटी (एमपीसी) की बैठक सम्पन्न हुई है एवं इस बैठक में रेपो दर को यथावत 6.50 प्रतिशत पर बनाए रखने का निर्णय लिया गया है, अर्थात इसमें लगातार तीसरी बार कोई वृद्धि नहीं की गई है। हालांकि, भारत में भी एक बार पुनः खुदरा मुद्रा स्फीति की दर पर दबाव महसूस किया जा रहा है और यह खाद्य पदार्थों की कीमतों में हाल ही में आई तेजी के चलते हो रहा है। विशेष रूप से सब्जियों, अंडे, मांस, मछली, अनाज,

दालों और मसालों की ऊंची कीमतों के कारण देश में खुदरा महंगाई की दर कुछ अधिक रही है। परंतु, 9 अगस्त 2023 तक संचयी दक्षिण-पश्चिम मानसून की वर्षा, दीर्घकालिक औसत के समान थी, हालांकि अस्थायी और स्थानिक वितरण असमान रहा है। इसके बावजूद, 4 अगस्त 2023 तक खरीफ फसलों की बुवाई का कुल क्षेत्रफल एक वर्ष पहले की तुलना में 0.4 प्रतिशत अधिक रहा है। अतः मानसून के मौसम के पश्चात जैसे ही इन खाद्य पदार्थों की उपलब्धता बाजार में बढ़ेगी, वैसे ही इन वस्तुओं की कीमतें कम होने लगेंगी। वैसे भी, खाद्य पदार्थों की महंगाई की दर को इन पदार्थों की उपलब्धता को बढ़ा कर ही कम किया जा सकता है। ब्याज दरों को बढ़ाकर खाद्य पदार्थ आधारित महंगाई की दर को कम नहीं किया जा सकता है, क्योंकि खाद्य पदार्थ कितने भी महंगे हो जाएं, सामान्य नागरिक के लिए तो आवश्यक आवश्यकता की श्रेणी की वस्तुएं तो खरीदनी ही होंगी। अतः भारतीय रिजर्व बैंक ने ब्याज दर में वृद्धि न करने का एक सही निर्णय लिया है। साथ ही, भारतीय रिजर्व बैंक का यह निर्णय, संवृद्धि को समर्थन प्रदान करते हुए उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) मुद्रास्फीति को +/- 2 प्रतिशत के दायरे में रखते हुए 4 प्रतिशत का मध्यावधि लक्ष्य हासिल करने के अनुरूप माना जा रहा है। हालांकि, विश्व के अन्य देशों द्वारा अभी भी ब्याज दरों में लगातार की जा रही वृद्धि के चलते भारतीय रिजर्व बैंक पर भी ब्याज दर बढ़ाने का दबाव जरूर रहा होगा, परंतु भारत की आर्थिक परिस्थितियों एवं देश की आर्थिक विकास दर को बनाए रखने के उद्देश्य से ब्याज दरों में वृद्धि की घोषणा नहीं की गई है। भारत में ब्याज दरों को और अधिक नहीं बढ़ाए जाने के कारण ही देश में आर्थिक विकास की गतिविधियों में गतिशीलता बनी हुई है। अन्यथा, विश्व बैंक, अंतरराष्ट्रीय मौद्रिक फंड एवं अन्य वित्तीय संस्थानों द्वारा वैश्विक स्तर पर कई अन्य देशों के वर्ष 2023 के आर्थिक विकास के अनुमान को घटाया गया है। भारत में औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) मई में 5.2 प्रतिशत से बढ़ा है, जबकि जून में मुख्य उद्योगों का उत्पादन 8.2 प्रतिशत से बढ़ा है। उच्च आवृत्ति संकेतकों के बीच, ई-वे बिल और टोल संग्रह में जून-जुलाई में जोरदार वृद्धि हुई है, जबकि रेल माल ढुलाई और बंदरगाह यातायात जून 2023 में कम रहने के बाद जुलाई 2023 में पुनः ठीक हो गया है। संमिश्रित क्रय प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) जुलाई में 13 वर्ष के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया है।

प्रधानमंत्री मोदी का इशारा, यह इतिहास लिखने का समय है

प्रसून जोशी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने संबोधन में लाल क़िले से इस बार इस युग से जुड़े अवसरों और चुनौतियों को विस्तार से देश के सामने प्रस्तुत किया। उन्होंने सिर्फ समस्याओं की बात नहीं की, उनके समाधान और देश के संकल्प की बात भी की। उन्होंने गुलामी के अतीत को पीछे छोड़ कर भविष्य की भव्यता की बात की। हम मानव सभ्यता के इतिहास से बहुत कुछ सीख सकते हैं, पर आज हमारे सामने जो अवसर हैं वे पहले कभी नहीं थे। यह एक नया इतिहास लिखने का समय है। जब कठिन परिस्थितियां आती हैं तो या तो वे आपको तोड़ देती हैं और आप उनके समक्ष थक कर घुटने टेक देते हैं या फिर आगे बढ़कर आप उन्हें अंगीकार करते हैं। और, मुश्किलों से आंख मिलाना ही हमारे देश की रीति है जो प्रधानमंत्री मोदी के संबोधन में स्पष्ट था। एक ओर आंधी है, चुनौती है, झंझावात हैं पर दूसरी ओर दृढ़ संकल्प हैं, निर्णय हैं, नया सूरज है, नया कल भी है। और, हमें आने वाले कल के लिए संघर्ष करना है। हिम्मत को, जीवट को जिताना है, पारदर्शिता से अपने भाषण में प्रधानमंत्री ने इस जीवट को परिलक्षित किया। वर्षों से हमारे देश को विश्व की ओर ताकने की आदत पड़ गई थी कि पहले देखना कि अन्य देश क्या कर रहे हैं और फिर अपने निर्णय लेना। यह एक प्रकार की ग़ुलामी ही तो थी पर आज का भारत ऐसे नहीं सोचता, संकट की घड़ी में हम अपने समाधान स्वयं सोचने की क्षमता रखते हैं। हम मिलकर वे निर्णय लेते हैं जो हमारे देश के लिए सही हों, उसके लिए हम विश्व का मुंह नहीं ताकते। जिन्हें भारत पर विश्वास है, अपनी संस्कृति अपनी बुद्धि और विवेक पर अभिमान है, उन्हें कहीं अंतर में अपनी शक्ति का भान है, वे जानते हैं कि भारत आज पीछे पीछे चलने की मानसिकता से मुक्ति चाहता है। देश के प्रधानमंत्री ने इस महान यात्रा में पूरे देश से अपनी भूमिका निभाने की ओर भी संकेत दिया। यह जागृत भारत है, जो खुली आंखों से सपने देखता और चुनौतियों से दो हाथ करने के लिए आगे बढ़ता है। हमने वर्षों से सुना कि इंडिया तो जुगाड़ से चलता है, इस शब्द जुगाड़ के हल्के प्रयोग से आज हमें आपत्ति होनी चाहिए क्योंकि यह भारत के सामर्थ्य और भारत के गौरवशाली अतीत के साथ न्याय नहीं है। यह मात्र जुगाड़ की नहीं अविष्कार की भूमि है। आज हमारे युवा, हमारे वैज्ञानिक बार-बार यह सिद्ध कर रहे हैं, स्पष्ट हो रहा है कि हमारा देश विश्व को राह दिखाने की शक्ति रखता है। प्रधानमंत्री ने अपने भाषण में उन कमियों की भी बात की जो हमें पीछे खींच सकती हैं। भ्रष्टाचार, परिवारवाद और तुष्टीकरण के नकारात्मक प्रभाव के प्रति उन्होंने देश को चेताया जिसे हमें भूलना नहीं चाहिए क्योंकि वे समस्याएं जिन पर हम अक्सर बात करते हैं और उनसे लड़ते हैं, उनसे कहीं बड़ी वे समस्याएं होती हैं जिन्हें हम जीवन का हिस्सा मान लेते हैं और कहीं अवचेतन में भी उनसे लड़ना छोड़ देते हैं। साथ ही, भारत के पास एक शक्ति है जो हमें विश्व से अलग बनाती है और वह है हमारी आध्यात्मिक शक्ति। जब हर तरफ से बाण चल रहे हों तब और मुखरित हो जाती है हमारी ये आत्मिक शक्ति, ये इनर स्ट्रेंथ। यह शक्ति ही है जो हमें संबल देती है और जिसके होने से हमारे अंदर से पराजय की भावना समाप्त हो जाती है। और, एक विजय उठ खड़ी होती है। तब हम एक दूसरे की शक्ति बन जाते हैं, तब करोड़ों भुजाएं, करोड़ों मस्तक एकजुट हो कर एक स्वर में बढ़ चलते हैं। आज हमें उस शक्ति को भी जागृत रखना है। जब हम आत्मनिर्भर भारत की बात करते हैं तब महत्वपूर्ण है कि हम उसका अर्थ सिर्फ उद्योग से ही जोड़ का संतुष्ट न हो जाएं। यह आत्मविश्वास का भी द्योतक है। एक ऐसे भारत का आत्मविश्वास जिसकी भुजाओं में बल है, जिसकी आंखों में नया कल है, जिसे अपनी सोच पर विश्वास है, जहां युवा ऊर्जा एक दिशा पा रही है। एक ऐसा भारत जिसे आज अपने हित में कदम उठाने में संकोच नहीं है। जिसमें कोई आएगा और बताएगा का भाव नहीं है। जिसमें हर भारतीय कर सकता है का बोध है। जिसको अपने होने पर अभिमान है।

छत्तीसगढ़ के विश्वकोष प्यारेलाल गुप्त

प्रो. अश्विनी केशरवानी

प्यारेलाल गुप्त जी का जन्म 17 अगस्त 1891 में कबीरधाम जिलान्तर्गत कवर्धा से 15 कि.मी. पर स्थित ग्राम पिपरिया में हुआ। उनके पिता श्री कुशलप्रसाद गुप्त एक शिक्षक थे। नौकरी की तलाश में उनका परिवार पिपरिया से रतनपुर आ गया था। उनकी प्राथमिक शिक्षा रतनपुर में हुई। आगे की पढ़ाई के लिए उन्हें बिलासपुर आना पड़ा। यहां उन्होंने मेट्रिक पास की लेकिन पारिवारिक समस्या के कारण वे आगे की पढ़ाई जारी नहीं रख सके। परिस्थितियां उन्हें पढ़ाई को अधूरा छोड़कर जीविका के साधन तलाशने पर मजबूर कर दिया। वे 20 वर्ष की अल्पायु में ही सरकारी नौकरी में आ गये थे। उन्होंने अपने पिता के सादगीपूर्ण जीवन को अपनाया। उनमें लेखन का संस्कार पिता से विरासत में मिला। उल्लेखनीय है कि उनके पिता ने 'राधाकृष्ण विहार' नामक काव्य की रचना ब्रजभाषा में की थी, जो प्रकाशित नहीं हो सकी। बाल्यावस्था से ही प्यारेलाल जी लिखने लगे थे। उनकी पहली कहानी 'लाल बैरागिन' काशी से निकलने वाली मासिक पत्रिका 'इन्दु' में प्रकाशित हुई। इस कहानी से उन्हें लोगों की सराहना मिली और उनकी लेखनी चलने लगी। गुप्त जी ने साहित्य की प्राय: सभी विधाओं पर अपनी लेखनी चलायी है। उनकी सर्वाधिक महत्वपूर्ण पुस्तक 'प्राचीन छत्तीसगढ़' है। रविशंकर विश्वविद्यालय रायपुर से सन् 1973 में प्रकाशित इस ग्रंथ में प्रागैतिहासिक काल से लेकर आधुनिक युग के पूर्व तक का श्रृंखलाबद्ध इतिहास है। इस ग्रंथ में न केवल प्राचीन छत्तीसगढ़ का इतिहास बल्कि सांस्कृतिक परम्पराओं, लोक कथाओं, पुरातत्व और साहित्य का उल्लेख है। इस ग्रंथ को 'छत्तीसढ़ का इनसाइक्लोपीडिया' माना जा सकता है। उन्होंने छत्तीसगढ़ की पदयात्रा करके इस ग्रंथ के लिए सामग्री जुटायी थी। इसके अलावा फ्रांस की राज्यक्रांति का इतिहास, ग्रीस का इतिहास, बिलासपुर वैभव, श्रीविष्णुस्मारक यज्ञ, सुखी कुटुम्ब (उपन्यास), सरस्वती (मराठी से अनुदित उपन्यास), लवंगलता (सामाजिक उपन्यास), पुष्पहार (कहानी संग्रह), एक दिन (नाटक), सहकारी सभा हिसाब किताब दर्पण, स्व. लोचनप्रसाद पांडेय की जीवनी प्रकाशित कृतियां हैं। फ्रांस की राजक्रांति का इतिहास और ग्रीस का इतिहास हिन्दी साहित्य सम्मेलन प्रयाग की परीक्षाओं में लगभग 25 वर्षों तक पाठ्य पुस्तक के रूप में अनुशंसित थी। समाचार पत्र-पत्रिकाओं और आकाशवाणी से उनकी रचनाओं का प्रकाशन एवं प्रसारण होता था।

उनकी कृतियों के बारे में डॉ. रमेन्द्रनाथ मिश्र कहते हैं-'नि:संदेह उपरोक्त कृतियां महत्वपूर्ण ही नहीं वरन् एक महान उपलब्धि है। इससे प्रदेश के साहित्य और इतिहास पर व्यापक प्रभाव पड़ता है। उनकी कृतियां हालांकि अनुपलब्ध हैं मगर आज उन्हें पुनर्प्रकाशित किया जाना प्रासंगिक ही नहीं बल्कि आवश्यक भी है।'

पंडित शुकलाल पांडेय 'छत्तीसगढ़ गौरव' में श्री प्यारेलाल गुप्त के बारे में लिखते हैं-

बुधवर रामदयालु, स्वभाषा गौरव केतन।
ठाकुर छेदीलाल विपुल विद्यादि निकेतन।
द्विजवर सुन्दरलाल मातृभाषा तम भूषण।
बाबू प्यारेलाल देश छत्तीसगढ़ भूषण।
लक्ष्मण गोविन्द रघुनाथ युग महाराष्ट नर-कुल-तिलक।
नृप चतुर चक्रधर लख जिन्हें हिन्दी उठती है किलक।

उल्लेखनीय है कि प्यारेलाल गुप्त को 'छत्तीसगढ़ भूषण' कहा जाता है। कदाचित् किसी साहित्यिक संस्था के द्वारा उन्हें यह सम्मान प्रदान किया गया था। इसके अलावा उन्हें हिन्दी ग्रंथमाला कार्यालय वाराणसी से सर्वश्रेष्ठ कहानी लिखने का रजत पदक मिला। सन् 1966 में भारतेन्दु साहित्य समिति बिलासपुर द्वारा अभिनन्दन पत्र प्रदानकर अभिनन्दन ग्रंथ लोकार्पित किया गया। 14 सितंबर 1971 को हिन्दी दिवस के अवसर पर उन्हें हिन्दी साहित्य मंडल देशबंधु संघ रायपुर द्वारा सम्मान पत्र प्रदान किया गया। बेमेतरा के महाविद्यालयीन हिन्दी साहित्य परिषद द्वारा अभिनन्दन पत्र प्रदान किया गया। मध्यप्रदेश हिन्दी साहित्य सम्मेलन के राजनांदगांव सम्मेलन में उन्हें अभिनन्दन पत्र प्रदान किया गया। इसके अलावा वे कई साहित्यिक संस्थाओं से सम्मानित हुए।

श्री प्यारेलाल गुप्त रतनपुर, बिलासपुर, कोरबा और रायपुर में रहकर साहित्यिक साधना किये। डॉ. रामकुमार बेहार कहते हैं कि 'बाबु प्यारेलाल गुप्त रत्नपुर के रत्न, रायपुर के प्यारे और छत्तीसगढ़ के लाल थे। छत्तीसगढ़ को अपने इस लाल पर गर्व है। छत्तीसगढ़ का समाज, धर्म, दर्शन, इतिहास, वन, खनिज सबके बारे में पर्याप्त जानकारी रखने वाले गुप्त जी को सांस्कृतिक चेतना के संवाहकों में गिना जाना ही उनका सही मूल्यांकन होगा।' वे पंडित लोचनप्रसाद पांडेय के बहुत अच्छे मित्र थे। श्री जगन्नाथ प्रसाद 'भानु' के सानिघ्य में भी आये। बिलासपुर के भारतेन्दु साहित्य समिति के संस्थापकों में से एक हैं और जीवनपर्यन्त समिति के प्रधान सचिव रहे। श्री द्वारिकाप्रसाद तिवारी 'विप्र' के निकट सहयोगी थे। विप्र जी उन्हें अपने साहित्यिक सचेतक मानते थे। डॉ. रमेन्द्रनाथ मिश्र इतिहास के विद्यार्थी होने के नाते गुप्त जी के बहुत निकट रहे। वे छत्तीसगढ़ हिन्दी साहित्य सम्मेलन बिलासपुर और संभागीय सम्मेलन के अध्यक्ष रहे। वे महाकोसल इतिहास परिषद के सहायक सचिव और बाद में अध्यक्ष थे। वे 22 वर्षो तक बिलासपुर सहकारी बैंक के व्यवस्थापक रहे।

'प्राचीन छततीसगढ़' के प्राक्कथन में रविशंकर विश्वविद्यालय रायपुर के तत्कालीन कुलपति श्री जगदीशचन्द्र दीक्षित ने लिखा है:- 'प्राचीन काल से लेकर मराठा युग एवं ब्रिटिश काल के आरंभ युग तक के इतिहास को संकलित करके एक कृति में प्रस्तुत करने का प्रथम प्रयास श्री प्यारेलाल गुप्त ने अपने ग्रंथ 'प्राचीन छत्तीसगढ़' में किया है। इस ग्रंथ के प्रणयन में लेखक को निरंतर सात वर्ष तक परिश्रम करना पड़ा, गुप्त जी का यह प्रयास नि:संदेह श्लाघनीय है।' सुप्रसिद्ध इतिहासकार श्री ओ. पी. भटनागर ने श्री प्यारेलाल गुप्त की प्रशंसा में लिख है-'गुप्त जी का प्राचीन छत्तीसगढ़ अपने ढंग का अनूठा ग्रंथ है। छत्तीसगढ़ पर अनेक ग्रंथ और लेख लिखे गये हैं मगर गुप्त जी जैसा मेहनत किसी ने नहीं किया है।

सुप्रसिद्ध साहित्यकार पद्मश्री मुकुटधर पांडेय जी गुप्त जी के बारे में लिखते हैं -'स्व. प्यारेलाल गुप्त जी उन बहुत थोड़े लोगों में से थे जिन्होंने यश या धन के लोभ से नहीं, केवल कर्तव्य बुद्धि से हिन्दी की सेवा की थी। जीविका का साधन मानकर हिन्दी की सेवा करने वालों की संख्या आज कम नहीं है, पर गुप्त जी ने जिस समय हिन्दी की सेवा आरंभ की उस समय समाज की कुछ और ही स्थिति थी। उस समय त्याग और सेवा की भावना को लेकर ही लोग साहित्य के क्षेत्र में कार्य करते थे, आर्थिक लाभ का कोई प्रश्न ही नहीं था।' वे आगे लिखते हैं -'गुप्त जी मुझसे चार वर्ष बड़े थे। वे मेरे स्व. पूज्याग्रज पंडित लोचनप्रसाद पांडेय के मित्रों में से थे। मैं उनसे सन् 1915 में परिचित हुआ। सन् 1917-18 के लगभग वे श्री दीनानाथ दाऊ के साथ प्रथम बार हमारे गांव बालपुर पधारे थे। 6-7 घंटे लगातार बैलगाड़ी में बैठकर रायगढ़ से लगभग 20 मील दूर बालपुर पहुंचे थे, तब कोई बस सर्विस नहीं थी। आजकल तो लोग इतने आत्म केंद्रित हो रहे हैं कि सबसे पहिले अपना आराम देखते हैं। इतना कष्ट उठाकर गांव पहुंचना उनके विशुद्ध साहित्य प्रेम का परिचायक था। दूसरी बार वे सन् 1929 में हमारे पूज्य पितृदेव द्वारा स्थापित ग्राम पाठशाला की स्वर्ण जयंती उत्सव पर बालपुर आये थे।

उन्होंने आत्मप्रचार व स्वविज्ञापन से दूर अंतिम समय तक हिन्दी की सेवा की और 14 मार्च 1976 को कभी न भरने वाली रिक्तता बनाकर स्वार्गारोहण किये। स्व. गुप्ता जी का आज तक सही मूल्यांकन नहीं हो सका है। आज जब छत्तीसगढ़ पृथक अस्तित्व के साथ एक पूर्ण प्रदेश है। उनके हिन्दी और छत्तीसगढ़ी काव्य और अन्य कृतियों को संग्रहीत कर 'प्यारेलाल गुप्त रचनावली' के रूप में प्रकाशित किया जाना चाहिये। साथ ही उनके नाम पर हर साल शासन द्वारा पुरस्कार दिया जाना चाहिये। यही उनके प्रति सही श्रद्धांजलि होगी।

भारतीय ज्ञान परंपरा....

नीलरुद्रोपनिषद्

यह उपनिषद् अथर्ववेदीय परम्परा से सम्बद्ध है। इसमें कुल तीन खण्ड हैं। जिसमें नीलकण्ठ रुद्र के रौद्र स्वरूप का विवेचन किया गया है। प्रथम खण्ड में भगवान् रुद्र के रौद्र रूप का वर्णन है। उनसे अपने रौद्ररूप को शान्त रखकर कल्याणकारी स्वरूप को प्रकट करने की प्रार्थना की गई है। द्वितीय खण्ड में भगवान् रुद्र के गोपाल (कृष्ण) स्वरूप का चित्रण करते हुए उन्हें मोरमुकुटधारी कहा गया है। अन्यत्र उन्हें इन्द्र भी कहा गया है। इस खण्ड में भगवान् रुद्र के अति सामर्थ्यशाली आयुधों की भी प्रशस्ति है। तृतीय खण्ड में रुद्र के नीलकण्ठ रूप की प्रतिष्ठा है। लोक कल्याण हेतु हलाहल विष पान करने वाले भगवान् रुद्र की स्तुति करते हुए उन्हें केदारेश्वर, विरूपाक्ष (त्रिनेत्र) आदि विशेषणों से विभूषित किया गया है। इसी के साथ इस उपनिषद् को पूर्णता प्रदान की गई है।

हे नीलकण्ठ ! अपने दिव्य लोक से धरित्री पर अवतरित होते हुए हम आपको देखते हैं। अपने उग्र रौद्ररूप से मोर के पंख की तरह अन्तरिक्ष को मुकुट बनाये हुए धरती पर अवतीर्ण होते हुए हम आपका दर्शन करते हैं; क्योंकि आप धरती के अधिपति हैं। हे मनुष्यो ! लाल वर्ण से युक्त इन नीलकण्ठ के दर्शन करो। भगवान् रुद्र जल में स्थित ओषधियों में प्रवेश करके रोगरूप पापों का संहार करते हैं। ये प्राण धारियों के जीवन- आधार हैं। अनिष्टों की समाप्ति और अनुपलब्ध साधन की पूर्ति हेतु वे आपके समीप पदार्पण करें। हे क्रोधरूप रुद्रदेव! आपके प्रति हमारा प्रणाम है। हे नीलकण्ठ रुद्र! आपकी दोनों भुजाओं और उनमें धारण किये हुए बाणों को प्रणाम हे कैलासपति! आप पर्वत पर रहते हुए भी सबका मंगल करते हैं। हे गिरित्र (पर्वतों के रक्षक) रुद्रदेव! दुष्टों का संहार करने के लिए जिस बाण को आप धारण किये हुए हैं, उस बाण को हम मनुष्यों के लिए कल्याणप्रद बनाएँ। उससे हमारे स्वजनों का संहार न करें।

हे कैलासपति शिव! अपनी कल्याणकारी वाणी द्वारा हम आपके निर्मल गुणों का गान करते हैं। ऐसा गान करने से यह सारा संसार हमारे निमित्त दु:खों से रहित होकर अनुकूलता युक्त हो जाएगा। आपके धनुष, उसकी प्रत्यञ्चा और बाण ये सभी मंगल करने वाले हैं। हे मंगलरूप मृड़देव ! इन सभी अस्त्र-शस्त्रों से आप हमारे जीवन को संरक्षण प्रदान करते हैं।

हे रुद्रदेव! पर्वत पर विराजमान रहते हुए भी आप हम सबका मंगल करने वाले हैं। आप अपने पाप- नाशक सौम्य स्वरूप तथा मंगलमय स्वरूप द्वारा हमें सभी ओर से प्रकाशमान करें। आपकी जो ताम्रवर्ण, लाल, भूरी, अत्यन्त लाल तथा हजारों सूर्यकिरणरूपी मूर्तियाँ चारों दिशाओं में संव्याप्त हैं, हम स्तुतिगान हेतु उनकी हृदय से कामना करते हैं।

क्रमश: ...

आजादी के लिए प्राण न्योछावर करने वाले मदन लाल ढींगरा

अमृता गोस्वामी

समस्त भारतवर्ष आज आजादी का 75 वां अमृत महोत्सव मना रहा है, जो याद दिलाता है देश को आजादी दिलाने वाले उन महान क्रांतिकारियों की जो भारत की स्वतंत्रता के लिए ही जिए और भारत की स्वतंत्रता के लिए अपने प्राण तक न्योछावर करने में जरा भी नहीं हिचकिचाए। ऐसे ही महान क्रांतिकारियों में एक नाम है मदनलाल ढींगरा का जिन्होंने अपनी मातृभूमि की स्वतंत्रता के लिए विदेश में रहते हुए भी एक महान क्रांति रची थी।

मदनलाल ढींगरा का जन्म 8 फरवरी 1887 को अमृतसर के एक संपन्न परिवार में हुआ था। उनके पिता दित्तामल ढीँगरा एक जाने माने सिविल सर्जन थे जो ब्रिटिश सत्ता के विश्वासपात्र थे। वर्ष 1904 में ब्रिटिश सत्ता के खिलाफ भारतीय स्वतंत्रता सम्बंधित क्रांति गतिविधियां करने के आरोप में मदनलाल ढींगरा को कॉलेज से निकाल दिया गया जिसके बाद 1906 में बड़े भाई की सलाह पर मदनलाल उच्च शिक्षा के लिए लंदन गए जहाँ उन्होंने यूनिवर्सिटी कॉलेज, लंदन में यांत्रिक प्रौद्योगिकी में प्रवेश लिया।

लंदन में मदनलाल की मुलाकात महान राष्ट्रवादी विनायक दामोदर सावरकर एवं श्यामजी कृष्ण वर्मा से हुई और लंदन में वह इंडिया हाउस में रहने लगे जो तब भारतीय विद्यार्थियों के राजनैतिक क्रियाकलापों का केन्द्र हुआ करता था। इंडिया हाउस में सभी भारतीय देशभक्त अंग्रेजों द्वारा खुदीराम बोस, कन्हाई लाल दत्त, सतिंदर पाल और काशी राम जैसे क्रांतिकारियों को मृत्युदंड दिए जाने और अंग्रेजों के भारतीयों के प्रति अन्याय को लेकर अत्यंत क्रोधित थे। यह सब देख, सुनकर मदनलाल के मन में भी ब्रिटिश राज्य के खिलाफ जो चिंगारी थी वह अब और भी विकराल हो गई थी।

1 जुलाई 1909 को मदनलाल ढींगरा लंदन में 'द नेशनल इंडियन एसोसिएशन' के एक वार्षिक कार्यक्रम में शामिल हुए जिसमे कर्जन वायली भी उपस्थित थे। इस कार्यक्रम के बाद जब कर्जन वायली बाहर आए तो ढींगरा ने उन पर गोली चलाकर उनकी हत्या कर दी जिसके तुरंत बाद ही पुलिस ने मदनलाल ढींगरा को गिरफ्तार कर लिया। कोर्ट में जब मदन लाल ढींगरा से कर्जन की हत्या की वजह पूछी गई तो उन्होंने कहा कि अमानवीय ब्रिटिश शासन से भारत को मुक्त कराने के लिए मैंने अपनी भूमिका निभाई है। कर्जन वायली की हत्या के जुर्म में कोर्ट ने मदनलाल को फांसी की सजा सुनाई गई और 17 अगस्त 1909 को ब्रिटिश जेल में उन्हें फांसी दे दी गई। भारतीय स्वतंत्रता के लिए मदनलाल की रची इस क्रांतिकारी घटना और कर्जन वायली की हत्या से मदनलाल के पिता अत्यंत क्रोधित हुए जिसके पश्चात पिता ने मदनलाल को परिवार व घर से भी बेदखल करने की घोषणा कर दी और यहाँ तक की लंदन से उनकी अस्थियां तक नहीं लाई जा सकीं। फिर कुछ समय बाद शहीद मदन लाल ढींगरा की अस्थियों को कई भारतीय देशभक्तों और केंद्र सरकार की मदद से 13 दिसंबर 1976 को लंदन से भारत लाया गया, जो 20 बीस दिसंबर को अमृतसर पहुंची जहां तत्कालीन मुख्यमंत्री ज्ञानी जैल सिंह ने राजकीय सम्मान के साथ शहीद ढींगरा की अस्थियों का अंतिम संस्कार किया।

मोदी बनाम राहुल की लड़ाई से बचना चाहती है कांग्रेस?

संतोष पाठक

राहुल गांधी कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष रह चुके हैं। भारत जोड़ो यात्रा निकालकर वह अपनी क्षमता को भी साबित कर चुके हैं। सड़क से लेकर संसद तक वह लगातार सरकार या यूं कहें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ सीधी लड़ाई भी लड़ते हुए नजर आ रहे हैं। लेकिन इसके बावजूद न तो उनकी अपनी पार्टी और न ही उनके गठबंधन के सहयोगी दल यह चाहते हैं कि 2024 की लड़ाई मोदी बनाम राहुल की लड़ाई बन जाए। कहने को कहा जा सकता है कि, कांग्रेस के साथ गठबंधन में शामिल हर राजनीतिक दल का नेता अपने आपको प्रधानमंत्री पद का दावेदार मान कर चल रहा है इसलिए वे नहीं चाहते कि राहुल गांधी उनको लीड करते नजर आएं लेकिन इसकी गहराई में जाने पर इसका वास्तविक कारण भी उभर कर सामने आ जाता है।

वैसे तो भारत में शासन की संसदीय प्रणाली को चुना गया है, जिसमें जनता अपने वोट के द्वारा सांसद चुनती है और जनता द्वारा चुने गए सांसद बहुमत के आधार पर देश का प्रधानमंत्री चुनते हैं। कहने को तो इस प्रणाली में भारत की जनता सीधे प्रधानमंत्री का चुनाव नहीं करती है लेकिन आजादी के बाद से ही व्यवहारिक राजनीतिक स्थिति पूरी तरह से इस सिद्धांत के विपरीत ही रही है। आजादी के बाद के कई दशकों तक तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के करिश्माई व्यक्तित्व के कारण ही कांग्रेस चुनाव जीतती रही है और उस दौर में तो यहां तक कहा जाता था कि लोक सभा चुनाव के लिए कांग्रेस का टिकट मिलना सांसद बनने की गारंटी है। अर्थात एक मायने में देखा जाए तो उस दौर में सांसद मिलकर अपने प्रधानमंत्री का चुनाव नहीं करते थे बल्कि प्रधानमंत्री यह तय करते थे कि उनकी पार्टी से सांसद कौन बनेगा।

नेहरू के बाद लाल बहादुर शास्त्री कुछ समय के लिए प्रधानमंत्री बने लेकिन उनके बाद नेहरू की बेटी इंदिरा गांधी देश की प्रधानमंत्री बनी। इंदिरा गांधी ने पहले अपने पिता नेहरू की विरासत और बाद में अपनी लोकप्रियता के सहारे अपने इर्द-गिर्द एक ऐसा आभामंडल तैयार कर लिया कि उनकी चमक के सामने के. कामराज जैसे दिग्गज नेता भी असफल हो गए। इसके बाद इंदिरा गांधी जब तक जीवित रहीं, अपनी पार्टी और सरकार की सर्वोच्च नेता रहीं (मोरारजी देसाई और चरण सिंह के छोटे से कार्यकाल को छोड़कर)। दुर्भाग्यपूर्ण हालात में सिख आतंकवाद के दौर में उनके अपने ही अंगरक्षकों ने उनकी हत्या कर दी। उनकी विरासत के कारण राजीव गांधी देश के प्रधानमंत्री बने और उनकी हत्या से उपजी सहानुभूति की लहर पर सवार होकर 400 से ज्यादा सीटें जीतकर ऐतिहासिक बहुमत के साथ देश के प्रधानमंत्री बने। हालांकि देश के इतिहास पर कई बड़े प्रभाव डालने के फैसले और लोकप्रियता के बावजूद बोफोर्स के दाग ने कुछ ही वर्षों में उनकी चमक फीकी कर दी। 1989 के चुनाव में राजीव गांधी को हार का सामना करना पड़ा और 1991 लोक सभा चुनाव के चुनाव प्रचार के दौरान ही उनकी हत्या हो गई। इसके बाद नरसिम्हा राव ने पांच साल तक अल्पमत सरकार चलाई। एचडी देवेगौड़ा और इंद्र कुमार गुजराल कांग्रेस के समर्थन से थोड़े-थोड़े समय प्रधानमंत्री रहे। लेकिन 1998 में एनडीए गठबंधन के नेता के तौर पर अटल बिहारी वाजपेयी के प्रधानमंत्री बनने के बाद एक फिर से नेहरू और इंदिरा का दौर आंशिक रूप से लौटता नजर आया। एक वोट से सरकार गिरने के बाद 1999 के लोकसभा चुनाव को भाजपा ने अटल बिहारी वाजपेयी बनाम कौन का चुनाव बना दिया और गठबंधन का नेतृत्व करने के बावजूद अटल बिहारी वाजपेयी इस लड़ाई में सब पर भारी पड़े। 2004 के लोकसभा चुनाव में महज कुछ सीटों के अंतर से भाजपा को पछाड़ कर सहयोगी दलों की संख्या के आधार पर यूपीए की सरकार बनी और सोनिया गांधी ने मनमोहन सिंह को प्रधानमंत्री बनाकर सत्ता पर अपनी पकड़ को बरकरार रखने का नायाब तरीका ढूंढ निकाला। कांग्रेस के रणनीतिकार भले ही इस बात से इंकार करें लेकिन 2009 का लोकसभा चुनाव लालकृष्ण आडवाणी के आक्रामक चुनाव प्रचार अभियान के कारण मनमोहन बनाम आडवाणी का चुनाव बन गया और और इस लड़ाई में मनमोहन सिंह लालकृष्ण आडवाणी पर भारी पड़ गए।

2014 के लोक सभा चुनाव के नतीजों के साथ ही देश में नेहरू और इंदिरा युग की तरह मोदी युग की शुरुआत हुई। वैसे तो 1984 के लोक सभा चुनाव के 30 साल बाद जनता ने किसी दल को पूर्ण बहुमत के साथ सरकार बनाने का मौका दिया लेकिन दूसरे मायने में देखा जाए तो 1980 के बाद पहली बार 2014 में कोई नेता सिर्फ अपने बल पर पूर्ण बहुमत की सरकार बना पाया था। 2019 में एक तरफ जहां भाजपा ने अपने इतिहास की सबसे बड़ी जीत हासिल की तो वहीं कांग्रेस के सबसे बड़े नेता राहुल गांधी को अपनी पारिवारिक लोकसभा सीट अमेठी से भी हार का सामना करना पड़ा।

उसके बाद से ही कांग्रेस मोदी बनाम राहुल के चुनावी नैरेटिव से बचने की कोशिश करती रही है। जबकि भाजपा अपने लिए मोदी बनाम राहुल की चुनावी लड़ाई के नैरेटिव को फायदेमंद मानते हुए हर चुनाव को इसी पैटर्न पर ले जाने की कोशिश करती नजर आती है।

दरअसल, केंद्र की सरकार में 9 साल तक सत्ता में रहने के बावजूद तमाम सर्वे यह बताते हैं कि नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता में कोई कमी नहीं आई है। स्थानीय स्तर पर लोग अपने सांसद से नाराज हो सकते हैं, महंगाई को लेकर परेशान भी हो सकते हैं लेकिन जब भी बात प्रधानमंत्री पद की आती है तो उनकी पहली पसंद नरेंद्र मोदी ही होते हैं और शायद यही वजह है कि कांग्रेस के रणनीतिकार यह नहीं चाहते हैं कि 2019 के लोकसभा चुनाव की तरह 2024 में भी लोकसभा चुनाव नरेंद्र मोदी बनाम राहुल गांधी की लड़ाई में बदलती नजर आए इसलिए कांग्रेस नेतृत्व की बजाय मुद्दों पर ज्यादा फोकस करती नजर आती है लेकिन एक खास रणनीति के तहत भाजपा हर बार अपने नेतृत्व यानी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को आगे कर चुनावी लड़ाई को नेतृत्व की लड़ाई यानी चेहरे की लड़ाई में बदलने की कोशिश करती नजर आती है क्योंकि उसे इस बात का बखूबी अहसास है कि मोदी बनाम राहुल की चुनावी लड़ाई में पलड़ा मोदी का ही भारी रहेगा। हालांकि इस तथ्य का अहसास सिर्फ भाजपा को ही नहीं है बल्कि कांग्रेस आलाकमान भी इस सच्चाई को बखूबी समझता है और इंडिया गठबंधन में कांग्रेस के साथ खड़े राजनीतिक दल भी इसे बखूबी समझते हैं। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी इसे खुल कर कह चुकी हैं और बाकी सहयोगी भी दबी जुबान में इशारों-इशारों में इसे स्वीकार करते रहते हैं।

हिन्द स्वराज

कांग्रेस और उसके कर्ता-धर्ता (भाग-5)

गतांक से आगे...

प्रश्न- अभी तो ये सब मुझे फिजूल की बड़ी-बड़ी बातें लगती हैं। अंग्रेजों की मदद मिले और उससे स्वराज्य मिल जाय, ये तो आपने दो उलटी बातें कहीं। लेकिन इस सवाल का हल अभी मुझे नहीं चाहिए। उसमें समय बिताना बेकार है। स्वराज्य कैसे मिलेगा यह जब आप बतायेंगे तब शायद आपके विचार मैं समझ सकूँ तो समझ सकूँ। फिलहाल तो अंग्रेजों की मदद की आपकी बात ने मुझे शंका में डाल दिया है और आपके विचारों के खिलाफ मुझे भरमा दिया है। इसलिए यह बात आप आगे न बढ़ाये तो अच्छा हो ।

उत्तर- मैं अंग्रेजों की बात को बढ़ाना नहीं चाहता। आप शंका में पड़ गये, इसकी कोई फिकर नहीं। मुझे जो महत्त्व की बात कहनी है, उसे पहले से ही बता देना ठीक होगा। आपकी शंका को धीरज से दूर करना मेरा फर्ज है।

प्रश्न- आपकी यह बात मुझे पसन्द आयी। इससे मुझे जो ठीक लगे वह बात कहनेकी मुझमें हिम्मत आयी है। अभी मेरी एक शंका रह गयी है। कांग्रेस के आरम्भ से स्वराज्य की नींव पड़ी, यह कैसे कहा जा सकता

उत्तर- देखिये, कांग्रेसने अलग-अलग जगहोंपर हिन्दुस्तानियों को इकट्ठा करके उनमें %हम एक राष्ट्र हैं% ऐसा जोश पैदा किया। कांग्रेसपर सरकारकी कड़ी नजर रहती थी। महसूलका हक प्रजाको होना चाहिए, ऐसी माँग कांग्रेसने हमेशा की है। जैसा स्वराज्य कैनेडामें है वैसा स्वराज्य कांग्रेसने हमेशा चाहा है। वैसा स्वराज्य मिलेगा या नहीं मिलेगा, वैसा स्वराज्य हमें चाहिए या नहीं चाहिए, उससे बढ़कर दूसरा कोई स्वराज्य हैं या नहीं, यह सवाल अलग है। मुझे दिखाना तो इतना ही है कि कांग्रेस हिन्द को स्वराज्य का रस चखाया। इसका यश कोई और लेना चाहे तो वह ठीक न होगा, और हम भी ऐसा मानें तो बेकदर ठहरेंगे। इतना ही नहीं, बल्कि जो मकसद हम हासिल करना चाहते हैं उसमें मुसीबतें पैदा होंगी। कांग्रेस को अलग समझने और स्वराज्य के खिलाफ मानने से हम उसका उपयोग नहीं कर सकते।

लोगों को बांटकर राजनीति कर रही भाजपा इंडिया की बैठक में बनेगी रणनीतिः पवार

मुंबई। महाराष्ट्र की राजनीति में शरद पवार को लेकर जबरदस्त तरीके से बवाल मचा हुआ है। कांग्रेस के कुछ नेताओं ने दावा किया है कि अजित पवार लगातार शरद पवार के पास भाजपा के ऑफर को लेकर जा रहे हैं। हालांकि एनसीपी और सुप्रिया सुले की ओर से इससे साफ तौर पर इंकार किया जा रहा है। इन सब के बीच शरद पवार ने साफ तौर पर कहा है कि लोगों ने उनके रुख की तारीफ की है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि भारी तादाद में लोगों से उन्हें प्रतिक्रियाएं मिल रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा और उनके साथ ही विपरीत काम कर रहे हैं। भाजपा धर्म, समुदाय के आधार पर लोगों को बांट रही है। उन्होंने कहा कि इंडिया की अगली बैठक मुंबई में होगी। बैठक के लिए सफल योजनाएं बनाएंगे। बीजेपी से लड़ने की सफल रणनीति होगी।

शरद पवार ने कहा कि पिछले 8-10 दिनों से मैं पूरे महाराष्ट्र में पार्टी कार्यकर्ताओं से मिल रहा हूं। 2 दिन पहले सोलापुर के सांगोला इलाके में कम से कम 1000 लोगों ने अलग-अलग जगहों पर मेरी कार रोकी। पुणे, सतारा और अन्य स्थानों पर पार्टी के कई कार्यकर्ता मुझसे मिलने आए। मैं कल बीड का दौरा करूंगा। शरद पवार ने कहा कि देश की सत्ता भारतीय जनता पार्टी और उसके सहयोगियों के हाथ में है। उनकी भूमिका समाज में एकता बनाए रखने की है, लेकिन वे लोगों को बांट रहे हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे कई उदाहरण हैं कि कैसे उन्होंने (भाजपा) राज्य सरकारों को गिराया- जैसे गोवा, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र में भी। महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली सरकार गिराने के बाद जो हुआ वह सभी ने देखा है

हाल के दिनों में शरद पवार और उनके भतीजे अजीत पवार के बीच कई बैठक हुई है। इसी बैठक को लेकर कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं ने यह दावा कर दिया कि अजित पवार शरद पवार को बीजेपी के ऑफर के बारे में लगातार बता रहे हैं। महाराष्ट्र कांग्रेस के नेताओं के मुताबिक भाजपा अजित पवार के जरिए शरद पवार को दो ऑफर दे रही है। एक ऑफर यह है कि या तो वह केंद्र में कृषि मंत्री बन जाए या फिर नीति आयोग के चेयरमैन का पद का ऑफर है। इसके अलावा दूसरे ऑफर की बात करें तो उसको लेकर दावा किया गया कि सुप्रिया सुले को केंद्र में और जयंत पाटिल को राज्य में मंत्री बनाया जाएगा। वहीं, शरद पवार ने स्पष्ट किया कि बैठक गुप्त नहीं थी और परिवार के सबसे वरिष्ठ के रूप में, वह अपने परिवार के सदस्यों से मिल सकते हैं।

राकांपा प्रमुख ने कांग्रेस के दावे को किया खारिज

महाराष्ट्र में जारी सियासी उठापटक के बीच राकांपा सुप्रीमो शरद पवार ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की। शरद पवार ने कांग्रेस नेता और पूर्व मुख्यमंत्री पृथ्वीराज चव्हाण के उस दावे को भी खारिज किया जिसमें उन्होंने कहा था कि राकांपा प्रमुख या उनकी बेटी सुप्रिया सुले में से किसी एक को भाजपा से कैबिनेट मंत्री पद का प्रस्ताव मिला है। उन्होंने कहा कि अजित के साथ बैठक में कोई राजनीतिक चर्चा नहीं की गई। उन्होंने कहा कि उन्हें कोई पेशकश नहीं की गई है। चव्हाण ने दावा किया था कि भाजपा के ऑपर के लिए जित और शरद के बीच गुप्त बैठक हुई थी। राकंपा के वरिष्ठ नेता ने आगे कहा, बागी गुट को मेरी फोटो न लगाने के लिए कहा था। लेकिन उन्होंने मेरी बात को नहीं माना है। अब हम इसके खिलाफ अदालत जाएंगे।

शरद-अजित पवार के बीच गुप्त बैठकों से एमवीए में बढ़ी चिंता

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के अजित पवार गुट के महाराष्ट्र की शिंदे सरकार में शामिल होने के बाद राज्य में सियासी खींचतान जारी है। हाल के दिनों में उभरे मतभेदों के बावजूद एनसीपी अध्यक्ष शरद पवार और उपमुख्यमंत्री अजित पवार के बीच हुईं गुपचुप बैठकों से विपक्षी गठबंधन महा विकास अघाड़ी (एमवीए) में चिंता बढ़ गई है। एमवीए की सहयोगी पार्टी कांग्रेस ने शरद पवार और अजित पवार के बीच बैठकों को परेशान करने वाला बताया है।

केंद्र में पद की पेशकश पर सुप्रिया सुले ने दी सफाई

नई दिल्ली। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) प्रमुख शरद पवार और महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री अजित पवार की मुलाकात के बाद महाराष्ट्र की सियासी सरगर्मी तेज हो गई है। बताया जा रहा है कि उप मुख्यमंत्री और बागी एनसीपी नेता अजित पवार ने शरद पवार को केंद्रीय मंत्री बनाने की पेशकश की है। अजित पवार का यह बयान दोनों नेताओं की पिछले दिनों हुई गुप्त मीटिंग के बाद आया है। वहीं, भाजपा की ओर से कैबिनेट पद की पेशकश किए जाने पर एनसीपी नेता सुप्रिया सुले ने सफाई दी है।

सुप्रिया सुले ने कहा, किसी ने भी मुझे कुछ भी ऑफर नहीं किया है और न ही मुझसे कोई बातचीत की है...आपको उनसे (महाराष्ट्र कांग्रेस नेताओं) से पूछना चाहिए कि वे ऐसे बयान क्यों दे रहे हैं। मुझे पता नहीं है। मैं व्यक्तिगत रूप से सोनिया गांधी, राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खरगे, गौरव गोगोई जैसे वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं के संपर्क में हूं, लेकिन मैं महाराष्ट्र में उनके नेताओं के संपर्क में नहीं हूं।

दरअसल, मंगलवार को कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री पृथ्वीराज चव्हाण ने दावा करते हुए कहा था कि भाजपा ने अजित पवार के जरिए शरद पवार को बड़े ऑफर की पेशकश की है। एक अखबार में पृथ्वीराज चव्हाण के हवाले से दावा किया गया है कि भाजपा ने शरद पवार को केंद्रीय कृषि मंत्री बनाने और नीति आयोग के अध्यक्ष पद का ऑफर दिया है। यही नहीं इसके अलावा शरद पवार की सांसद बेटी सुप्रिया सुले और विधायक जयंत पाटिल को मंत्री बनाने का भी ऑफर दिया गया है।

एमवीए की सहयोगी पार्टी कांग्रेस ने शरद पवार और अजित पवार के बीच बैठकों को परेशान करने वाला बताया है। महाराष्ट्र कांग्रेस के अध्यक्ष नाना पटोले ने कहा कि यह उनकी पार्टी के लिए चिंता का विषय है। एनसीपी, शिवसेना (यूबीटी) और कांग्रेस के साथ महा विकास अघाड़ी (एमवीए) गठबंधन का हिस्सा है। पुणे में शरद पवार से अजित पवार की मुलाकात के बारे में पटोले ने कहा कि यह हमारे लिए चिंता का विषय है। हमें ऐसी गुप्त बैठकें स्वीकार नहीं हैं। उन्होंने कहा, हालांकि इस मामले पर कांग्रेस के शीर्ष नेता चर्चा करेंगे। विपक्षी गुट इंडिया भी इस पर चर्चा करेगा, इसलिए मेरे लिए इस पर आगे चर्चा करना उचित नहीं होगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने हर उस व्यक्ति से हाथ मिलाने का फैसला किया है, जो भाजपा से लड़ने को तैयार है। साथ ही उन्होंने इन अटकलों को भी खारिज किया कि कांग्रेस शरद पवार को साथ लिए बिना लोकसभा चुनाव लड़ने पर विचार कर रही है।

अगली बार पीएम मोदी घर से करेंगे झंडारोहणः खरगे

एआईएडीएमके नेता का पलटवार- पूरा भारत मोदी का घर

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर पीएम मोदी को निशाने पर लेते हुए कहा था कि वह प्रधानमंत्री अगले साल अपने घर पर ही ध्वजारोहण करेंगे। खरगे के इस बयान पर अन्नाद्रमुक नेता एम थंबीदुरई ने पलटवार किया है। उन्होंने कांग्रेस अध्यक्ष के बयान पर जवाब देते हुए कहा कि पूरा भारत ही पीएम मोदी का घर है।

15 अगस्त को लाल किले से देश को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा था कि वह अगले साल स्वतंत्रता दिवस पर देश दिवारा की गई प्रगति का प्रदर्शन करेंगे। उनके इस बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा, वह अगले साल एक बार फिर ध्वजारोहण करेंगे लेकिन अपने घर पर।

मीडिया से बात करते हुए थंबीदुरई ने कहा, पूरा भारत पीएम मोदी का घर है। उनका अपना परिवार नहीं है, इसलिए वे पूरे भारतवासियों को अपना परिवार मानते हैं। इसलिए लाल किला ही एक ऐसा स्थान है, जहां वह ध्वारोहण कर सकते हैं और हमेशा करेंगे। खरगे के पास उनका अपना परिवार होगा, लेकिन पीएम मोदी के लिए पूरा भारत ही उनका परिवार है। खरगे ने जो कहा, वह बिलकुल सही था। लाल किला ही पीएम मोदी का घर है और वो हर साल यहीं से ध्वजारोहण करेंगे।

बुधवार को थंबीदुरई ने पूर्व पीएम को राजधानी दिल्ली में %सदैव अटल% स्मारक पर श्रद्धांजलि दी। पहली बार भाजपा ने एनडीए में शामिल सभी साथियों को श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए आमंत्रित किया था। इसमें बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी, तमिलनाडु कांग्रेस नेताजीके वसन, अन्नाद्रमुक नेता थंबीदुरई, अपना दल नेता अनुप्रिया पटेल, राकांपा नेता प्रफुल्ल पटेल और अगाथा संगमा समेत अन्य नेता भी शामिल थे।

अटल बिहारी वाजपेयी की पुण्यतिथि पर एनडीए के नेताओं को आमंत्रित करने पर थंबीदुरई ने भाजपा का धन्यवाद किया। उन्होंने कहा, हम यहां आकर बहुत खुश हैं। हमें आमंत्रित करने के लिए भाजपा का बहुत

इमरान खान को नहीं मिली राहत, इस्लामाबाद कोर्ट ने 9 जमानत याचिकाएं की खारिज

इस्लामाबाद। इस्लामाबाद में पाकिस्तान की स्थानीय अदालतों ने पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की नौ याचिकाओं को खारिज कर दिया, जिसमें हिंसक विरोध प्रदर्शन पर उनके खिलाफ दर्ज प्रथम सूचना रिपोर्ट (एफआईआर) के संबंध में जमानत की मांग की गई थी। इस्लामाबाद की आतंकवाद विरोधी अदालत (एटीसी) ने तीन जमानत याचिकाएं खारिज कर दीं और अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश (एडीएसजे) मोहम्मद सोहेल ने खान के लिए गिरफ्तारी पूर्व जमानत की मांग करने वाली छह याचिकाएं खारिज कर दीं।

पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के अध्यक्ष के खिलाफ खन्ना और बरकाहू पुलिस स्टेशनों में एफआईआर दर्ज की गई थी। जियो न्यूज के अनुसार, न्यायाधीश ने कहा कि सर्वोच्च न्यायालय के फैसले के आलोक में इमरान खान की जमानत को बढ़ाया नहीं जा सकता है। संघीय राजधानी के कराची कंपनी, रमना, कोहसर, तरनूल और सचिवालय पुलिस स्टेशनों में कैद पीटीआई प्रमुख के खिलाफ छह मामले दर्ज किए गए थे। न्यायाधीश मुहम्मद सोहेल ने फैसले की घोषणा की और कहा कि यह सुविधाजनक होगा यदि पूर्व प्रधानमंत्री, जिन्हें पिछले साल संसदीय वोट के माध्यम से सत्ता से हटा दिया गया था, मामलों से संबंधित जांच में शामिल हों।

हालांकि, डॉन की रिपोर्ट के अनुसार, एडीएसजे सोहेल ने तोशखाना उपहारों की फर्जी रसीद से संबंधित मामले में खान की पत्नी बुशरा बीबी की अंतरिम जमानत 7 सितंबर तक बढ़ा दी है। इस साल 9 मई को भ्रष्टाचार के एक मामले में पीटीआई प्रमुख की गिरफ्तारी के बाद हिंसक विरोध प्रदर्शन शुरू हो गया और पार्टी समर्थकों ने देश के कई हिस्सों में रक्षा और सैन्य प्रतिष्ठानों पर हमला कर दिया। दंगों में कथित संलिप्तता के लिए सैकड़ों पीटीआई कार्यकर्ताओं और नेताओं को गिरफ्तार किया गया था, जबकि अधिकारियों ने पूर्व प्रधान मंत्री पर हिंसक विरोध प्रदर्शन का मास्टरमाइंड होने का आरोप लगाया था।

चंद्रयान ने सफलता से पूरा किया आखिरी पड़ाव, मून के लास्ट ऑर्बिट में होगी एंट्री

नईदिल्ली। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) द्वारा मिशन चंद्रयान 3 पर पूरे विश्व की नजरें टिकी हुई है। भारत के चंद्रमा पर चंद्रयान 3 मिशन ने चंद्रमा पर अपनी अंतिम यात्रा सफलतापूर्वक पूरी कर ली है। अब यान चांद के बेहद करीब पहुंच गया है। बुधवार को इसरो ने बताया कि अंतरिक्ष यान पांचवीं और अंतिम कक्षा कटौती प्रक्रिया से गुजरा है जो मिशन में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

गौरतलब है कि अंतिम कक्षा में प्रवेश प्रक्रिया जो 16 अगस्त को सुबह 8:30 बजे शुरू हुई, बेंगलुरु में इसरो टेलीमेट्री, ट्रैकिंग और कमांड नेटवर्क (आईएसटीआरएसी) से की गई।

इसरो ने कहा, आज की सफल फायरिंग, जो कि छोटी अवधि के लिए आवश्यक थी, ने चंद्रयान-3 को 153 किमी × 163 किमी की कक्षा में स्थापित कर दिया है, जैसा कि इरादा था। इसके साथ, चंद्र बाध्य युद्धाभ्यास पूरा हो गया है। मालूम हो कि 14 जुलाई 2023 को श्रीहरिकोटा के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से लॉन्च किया गया चंद्रयान-3 अब चंद्रमा की सतह से सिर्फ 163 किलोमीटर दूर है। भारत का अंतरिक्ष यान 5 अगस्त को कक्षा में प्रवेश करने के बाद से ही धीरे-धीरे कक्षा में प्रवेश प्रक्रिया एक के बाद एक सफलता पूर्वक पूरा कर रहा है।

चंद्रमा पर पहुंचने के लिए चंद्रयान ने सफलतापूर्वक अंतिम प्रक्रिया पूरी कर ली है। इसके बाद अब चंद्र-बाध्य युद्धाभ्यास के पूरा होने के बाद, अगले महत्वपूर्ण ऑपरेशन में लैंडर मॉड्यूल को प्रणोदन मॉड्यूल से अलग करना शामिल है।

17 अगस्त को होने वाली इस प्रक्रिया में दोनों मॉड्यूल अपनी अलग-अलग यात्रा पर निकलेंगे। कक्षा में रहते हुए प्रणोदन मॉड्यूल लैंडर से अलग हो जाएगा, और बाद के लैंडिंग चरण की तैयारी करेगा। अब तक, यह प्रणोदन मॉड्यूल था जो 14 जुलाई से पृथ्वी से अपनी यात्रा के दौरान अंतरिक्ष यान को शक्ति प्रदान कर रहा था। अलग होने के बाद प्रोपल्शन मॉड्यूल चंद्रमा के चारों ओर घूमना जारी रखेगा और ग्रह के स्पेक्ट्रम के चारों ओर डेटा इकट्ठा करने के लिए अपने एकल उपकरण के साथ पृथ्वी का निरीक्षण करेगा, जबकि लैंडर अपनी सबसे महत्वपूर्ण यात्रा शुरू करेगा। लैंडिंग चरण में 23 अगस्त को चंद्रमा के दक्षिण ध्रुवीय क्षेत्र में एक नरम लैंडिंग की सुविधा के लिए डिजाइन किए गए जटिल ब्रेकिंग युद्धाभ्यास की एक श्रृंखला शामिल है।

वाजपेयी की पुण्यतिथि पर प्रधानमंत्री ने 'सदैव अटैल' जाकर श्रद्धांजलि अर्पित की

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को पूर्व प्रधानमंत्री और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कद्दावर नेता अटल बिहारी वाजपेयी को उनकी पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित की और कहा कि दिवंगत नेता ने देश की प्रगति को बढ़ावा देने और इसे 21वीं सदी में ले जाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। पीएम मोदी ने कहा कि वाजपेयी के नेतृत्व से देश को काफी फायदा हुआ है। पीएम ने ट्विटर पर लिखा- प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर पोस्ट किया, अटल जी को उनकी पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित करने में भारत के 140 करोड़ लोगों के साथ मैं भी शामिल हूं। उनके नेतृत्व से भारत को बहुत लाभ हुआ। उन्होंने हमारे देश की प्रगति को बढ़ावा देने और इसे विभिन्न क्षेत्रों में 21 वीं सदी में ले जाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की आज पांचवीं पुण्यतिथि है। इस मौके पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने राष्ट्रीय राजधानी स्थित ''सदैव अटैल'' जाकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इनके अलावा रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष जे पी नड्डा, राज्यसभा में सदन के नेता पीयूष गोयल ने भी 'भारत रत्न' वाजपेयी को पुष्पांजलि अर्पित की। कई केंद्रीय मंत्रियों और सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) में शामिल घटक दल के नेताओं ने भी वाजपेयी को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर प्रार्थना सभा का भी आयोजन किया गया। ''सदैव अटल'' वाजपेयी का स्मारक है। वर्ष 2018 में आज ही के दिन दिल्ली के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में उनका लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया था।

नेहरू म्यूजियम का नाम बदलने पर राजनीति तेज प्रधानमंत्री कोई व्यक्ति नहीं, एक संस्था है: मुंडा

नईदिल्ली। नयी दिल्ली स्थित नेहरू मेमोरियल म्यूजियम एंड लाइब्रेरी (एनएमएमएल) का नाम बदलकर प्राइम मिनिस्टर्स मेमोरियल म्यूजियम एंड लाइब्रेरी (पीएमएमएल) किये जाने पर राजनीति तेज हो गयी है। कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के नेताओं के बीच वार-पलटवार और बयानबाजी का दौर शुरू हो गया है। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और वर्तमान में जनजातीय मामलों के केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा ने कांग्रेस की बयानबाजी पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। खूंटी के लोकसभा सांसद ने कहा है कि हमारा देश लोकतांत्रिक देश है। यह सभी लोगों का देश है। देश किसी व्यक्ति के माध्यम से नहीं चलता, यह एक व्यवस्था के माध्यम से चलता है। यह लोकतंत्र है।

अर्जन मुंडा ने आगे कहा कि प्रधानमंत्री कोई व्यक्ति नहीं है। यह एक संस्था है। इसलिए म्यूजियम को सभी प्रधानमंत्रियों को समर्पित किया गया है, जिन्होंने अब तक देश की सेवा की है। इसमें कुछ भी गलत नहीं है। इससे पहले कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव सह मीडिया प्रभारी ने ट्वीट किया कि आज से एक प्रतिष्ठित संस्था का नाम बदलकर उसका नया नामकरण कर दिया गया। विश्व के प्रसिद्ध नेहरू मेमोरियल म्यूजियम एंड लाइब्रेरी को अब प्राइम-मिनिस्टर्स मेमोरियल म्यूजियम एंड लाइब्रेरी के नाम से जाना जायेगा।

जयराम रमेश की प्रतिक्रिया पर रविशंकर प्रसाद का पलटवार

कांग्रेस के महासचिव और पार्टी के संचार प्रमुख जयराम रमेश ने नेहरू मेमोरियल म्यूजियम एंड लाइब्रेरी के नाम बदलने पर अपनी प्रतिक्रिया दी थी। उन्होंने इसी के साथ मोदी सरकारी पर नेहरू की विरासत को बदनाम और नष्ट करने का भी आरोप लगाया है। जयराम रमेश के इन आरोपों के बाद भाजपा के सांसद रविशंकर प्रसाद ने बयान दिया है। रविशंकर प्रसाद ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्हें केवल नेहरू और उनके परिवार से मतलब है। उन्होंने जयराम रमेश के बयान पर कहा, कांग्रेस पार्टी, जयराम रमेश और पीएम मोदी के सोच में बहुत बड़ा फर्क है। उनके (कांग्रेस) लिए केवल नेहरू और उनका परिवार मायने रखते हैं। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी ने म्यूजियम में देश के सभी प्रधानमंत्रियों को सम्मानजनक स्थान दिया है। भाजपा सांसद ने सवाल पूछा कि म्यूजियम में लाल बहादूर शास्त्री को जगह क्यों नहीं मिली? उन्होंने यह भी कहा कि वहां न तो इंदिरा गांधी को जगह दी गई थी, न ही राजीव गांधी को। मोरारजी देसई, अटल विहारी बाजपेई, आईके गुजराल और एचडी देवगौड़ा को भी वहां स्थान नहीं दिया गया था।

जब तक लूटे गए हथियार बरामद नहीं होते, तब तक राज्य में नहीं आएगी शांति : गोगोई

नई दिल्ली। मणिपुर में लगातार अशांति का माहौल है। जैसे ही लगता है कि राज्य में तनाव कम हो रहा है वैसे ही हिंसा फिर भड़क जाती है। कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने बुधवार को कहा कि जब तक लूटे गए छह हजार हथियार बरामद नहीं हो जाते, तब तक मणिपुर में शांति नहीं हो सकती है।

गोगोई ने कहा कि मणिपुर में लूटे गए छह हजार अत्याधुनिक हथियार और छह लाख राउंड गोला-बारूद बरामद होने तक शांति नहीं हो सकती। उन्होंने पत्रकारों से बात की। कहा कि राज्य में तीन मई से हिंसा जारी है। यहां सुरक्षा बलों से हथियार और गोला बारूद लूटे गए। अब इन हथियारों का इस्तेमाल राज्य के आम लोगों के खिलाफ किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य में शांति और सामान्य स्थिति कैसे होगी, जब दोनों पक्षों के बीच सुलह पर कोई बातचीत ही नहीं हुई है।

कांग्रेस नेता ने दावा किया कि मैतेई और कुकी दोनों मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह से नाखुश हैं। उन्होंने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि गृह मंत्री अमित शाह ने संसद में मुख्यमंत्री का पूरा समर्थन किया। उन्होंने कहा कि शांति समितियों में सीएम की मौजूदगी के कारण शांति वार्ता विफल हो गई है।

कालियाबोर से सांसद गोगोई ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लाल किले से देश को गुमराह किया है। जब तक 6,000 हथियार बरामद नहीं हो जाते, तब तक राज्य में शांति नहीं आ सकती।

गौरतलब है, मैतेई समुदाय को अनुसूचित जनजाति (एसटी) का दर्जा दिए जाने की मांग के विरोध में तीन मई को पर्वतीय जिलों में 'आदिवासी एकजुटता मार्च' के आयोजन के बाद झड़पें शुरू हुई थीं। राज्य में तब से अब तक कम से कम 160 से अधिक लोगों की जान जा चुकी है। हिंसा में सैकड़ों लोगों की जान जा चुकी है और हजारों लोग विस्थापित हुए हैं।

गौरव गोगोई ने असम में परिसीमन पर उठाए सवाल

असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने 14 अगस्त को कहा था कि विधानसभा एवं लोकसभा क्षेत्रों के परिसीमन के शीघ्र बाद राज्य सरकार प्रशासनिक पुनर्गठन कार्य शुरू करेगी। चुनाव आयोग ने 11 अगस्त को परिसीमा की अंतिम रिपोर्ट प्रकाशित की जिसमें असम में विधानसभा क्षेत्रों एवं लोकसभा क्षेत्रों की संख्या क्रमश- 126 एवं 14 बनाये रखी गयी है। लेकिन आयोग ने मसौदा अधिसूचना से भिन्न एक संसदीय क्षेत्र एवं 19 विधानसभा क्षेत्रों के नाम बदल दिये हैं। अब इस नए परिसीमन पर असम से कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने आपत्ति जताई है और कहा है कि जानबूझकर कांग्रेस के मजबूत आधार वाली सीटों को प्रभावित करने की कोशिश हो रही है।

गौरव गोगोई ने कहा, असम के परिसीमन पर नज़र डालें तो इसमें विपक्ष की सीटों पर निशाना साधा जा रहा है। कलियाबोर, नगांव और बरपेटा में कांग्रेस पार्टी के कब्ज़े वाली लोकसभा सीटें विशेष रूप से भाजपा के निशाने पर हैं। ढ्ढष्ठस्न को फायदा हुआ इसलिए यह ढ्ढष्ठस्न और भाजपा के बीच सांठगांठ को उजागर करता है, लेकिन अगर भाजपा सोचती है कि असम के नए परिसीमन से उन्हें आगामी लोकसभा चुनाव में मदद मिलेगी तो वे ग़लत हैं। मूड इंडिया गठबंधन का है। 2024 के चुनावों में पूरे भारत और असम में इंडिया गठबंधन और कांग्रेस पार्टी विशेष रूप से अच्छा प्रदर्शन करेगी। राज्य में नए परिसीमन का कुछ लोगों द्वारा विरोध भी किया जा रहा है। इस पर हिमंत बिस्व सरमा ने कहा कि चुनाव आयोग (ईसी) द्वारा परिसीमन पर रिपोर्ट एक वास्तविकता है जिसे सभी को स्वीकार करना चाहिए। एआईयूडीएफ नेता बदरुद्दीन अजमल ने कहा कि बीजेपी ने राज्य में मुस्लिम विधायकों की संख्या कम करने के लिए परिसीमन प्रक्रिया के जरिए विवाद की साजिश रची है। असम गण परिषद के कुछ विधायक भी इससे संतुष्ट नहीं हैं।

बता दें कि 1976 के बाद से असम में पहली बार परिसीमन की प्रक्रिया हुई है। पांच विधानसभा क्षेत्र जहां हमेशा अल्पसंख्यक समुदाय से विधायक चुने जाते हैं उन्हें अब एससी और एसटी के लिए आरक्षित कर दिया गया है। इसी के साथ एसटी आरक्षित सीटों की संख्या 16 से बढ़कर 19 हो गई है जबकि एससी आरक्षित सीटें 6 से बढ़कर 8 हो गई हैं। एआईयूडीएफ नेता बदरुद्दीन अजमल इसी से नाराज हैं।

आज का जमाना कॉम्पिटीशन का जमाना है। अगर यहा जरा से भी चूके तो पीछे वाले आपसे आगे हो जाता है। ऐसे में अपने करियर की राह सजाना और अपने करियर को बुलंदियों पर ले जाना काफी मुश्किल और चुनौतिपूर्ण काम हो जाता है। ऐसे में अपने मनचाहे क्षेत्र में करियर निर्माण की राह तलाशना इतना आसान भी नही है। आज के बदलते परिवेश में अच्छा करियर हासिल करने के लिए कई क्षेत्रों में पारंगत होना पड़ता है और अपनी योग्यताओं को लगातार विकसित करना होता है।

कैरियर बनाने के लिए इन बातों पर करें गौर

आज के जमाने में मेहनत और पसीना बहाने वालों को बेहतर काम मिले इस बात की कोई ग्यारंटी नही है। आज मेहनत के साथ आपका अन्य कई सारी चीजों में भी पारंगत होना जरूरी है। आज का जमाना स्मार्टवर्क का है। जहां आपसे कम समय में बेहतर और कई सारे काम करनें की अपेक्षा की जाती है। करियर बनाने के इन दस टिप्स से आप सफलता हासिल कर सकते हैं।

खुद की क्षमता को पहचानें

मौजूदा परिस्थितियों में हमें लगता है कि अच्छी पढ़ाई और अच्छी डिग्रीयों के दमपर ही अच्छी नौकरी पायी जा सकती हैं। पर ये गलत है। अच्छी और बेहतर नौकरी के लिए आपमें एजुकेशन के साथ अच्छी स्किल्स का होना भी जरूरी है। अपने अंदर झांककर अपनी प्रतिभा को टटोलें कि किन क्षेत्रों में आप अपनी दक्षता को विकसित कर बाजी मार सकते हैं। जो क्षेत्र आपको सर्वाधिक उपयुक्त लगे, उसमें विशेषज्ञों की सलाह लेकर अपना कौशल बड़ाएं।

आत्मविश्वास है सफलता की कुंजी

आप किसी भी चीज में सफल होना चाहते है चाहे वो करियर हो, बिजनेस हो या एजुकेशन हों। आपकों जीत के लिए सबसे पहले आत्मविश्वास का होना जरूरी है। जीवन के कुरुक्षेत्र में आधी लड़ाई तो आत्मविश्वास द्वारा ही लड़ी जाती है। यदि योग्यता के साथ आत्मविश्वास विकसित किया जाए तो करियर के कुरुक्षेत्र में आपको कोई पराजित नहीं कर पाएगा। अध्ययन के साथ-साथ उन गतिविधियों में भी हिस्सा लें, जिनसे आपका आत्मविश्वास बड़े। कार्यशालाओं और व्यक्तित्व विकास वाली संस्थाओं में यही सब तो किया जाता है।

अपने संपर्क बनाएं

एक बात का हमेशा ध्यान रखें कि आप अपने आप को किसी दायरें में ना समेटे। लोगों से मिले-जुलें उनसे अपनी जान पहचान बनाएं। याद रखें यह जमाना ही सूचना प्रौद्योगिकी का है। यहां जितनी जानकारी, जितनी सूचनाएं आपके पास होंगी, करियर निर्माण की राह उतनी ही आसान होगी। ज्यादा से ज्यादा लोगों से मिलें, उन्हें अपनी जानकारी दें, उनकी जानकारी लें। आपके जानने वालों का संजाल जितना लंबा होगा सफलता उतनी ही आपके करीब होगी। क्योंकि संपर्क, सफलता में उत्प्रेरक की भूमिका निभाता है।

तकनीक के साथ साथ चलें

एक बात को कभी नही नकारा जा सकता कि प्रतियोगिता के इस दौर में कदम से कदम मिलाकर चलने के लिए तकनीक को जानना समझना और उसका भरपूर प्रयोग करना जरूरी है। पुराना भले ही सुहाना माना जाता हो, लेकिन आज की प्रतिस्पर्धा में नई तकनीक का महत्व नकारा नहीं जा सकता है। किसी भी क्षेत्र में प्रवेश से पहले पूछा जाता है, क्या कम्प्यूटर चलाना आता है? कम्प्यूटर के आधारभूत ज्ञान के बजाय थोथे ज्यादा दिलचस्पी दिखाएं क्योंकि यही वह अलादीन है, जो करियर निर्माण की हर मांग को पूरा कर सकता है।

अच्छा व्यवहार सबके साथ

आपका दूसरों के प्रति व्यवहार आपकों सबसे अलग बनाता हैं। आप जैसा दूसरों से व्यवहार करते है। वैसा ही व्यवहार अक्सर आपके साथ किया जाता है। यदि आप किसी के साथ सम्मान से पेश आयेंगे तो वह भी आपके साथ सम्मान से पेश आयेगा। आपका संघर्ष, आपकी परेशानी नितांत निजी मामला है। इसका असर दूसरों के साथ अपने व्यवहार में न आने दें। जो सभी के साथ मिलकर काम करना सीख लेता है वह पीछे मुड़कर नहीं देखता क्योंकि टीमवर्क के रूप में कार्य करना ही मैनेजमेंट का मूलमंत्र है।

ओवर एंबिशियस नुकसानदायक

आजकल हर इंसान कम समय में बहुत कुछ पाना चाहता है। प्रत्येक इंसान में महत्वाकांक्षा का होना जितना अच्छा है, उसकी अतिमहत्वाकांक्षा उतनी ही नुकसानदायक होती है क्योंकि 'अति सर्वत्र वर्जयेत।' किसी करिश्मे की उम्मीद न करें। सभी चीजें समय पर ही मिलती हैं। पहले अनुभव प्राप्त करें, फिर आकांक्षा करें।

समय के साथ चलें

आज प्रतियोगिता इतनी बढ़ गयी है ऐसे में आप को जमाने के साथ कदम से कदम मिलाकर चलने की आवश्यकता होती है।

आज करियर निर्माण बाजार में उपलब्ध उपभोक्ता वस्तुओं की तरह हो गया है। प्रतिस्पर्धा के बाजार में वही वस्तु टिक सकती है, जिसमें समयानुसार ढलने की प्रवृत्ति हो। करियर के बाजार में अपना मूल्य समझें और स्वयं को बिकाऊ बनाने का प्रयास करें। ध्यान रहे 'परिवर्तन ही संसार का नियम है।'

टेक्नोफ्रेंडली बनें

नई तकनीक की करियर निर्माण में हमेशा मांग रहती है। इससे पहले कि कोई नई तकनीक पुरानी हो जाए आप उसके उस्ताद बन जाएं। जैसे-जैसे नई तकनीक आती जाए आप उससे तालमेल करना सीख लें। अपने ज्ञान को परिमार्जित करते रहें। भविष्य उसी का होता है, जो अपने को श्रेष्ठतम तरीके से अनुकूल रूप से ढाल लेता है।

[भविष्यफल]

मेष
आज वाहन, मशीनरी व अग्नि आदि के प्रयोग में विशेषकर स्त्रियां सावधानी रखें। कार्यों की गति धीमी रहेगी। बुद्धि का प्रयोग करें।

वृष
आज घर-परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ्?य की चिंता रहेगी। वैवाहिक प्रस्ताव प्राप्त हो सकता है। कारोबार में वृद्धि के योग हैं।

मिथुन
आज संपत्ति के बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। बेरोजगारी दूर होगी। करियर बनाने के अवसर प्राप्त होंगे। नौकरी में प्रशंसा प्राप्त होगी।

कर्क
आज लाभ के असवर हाथ आएंगे। यात्रा में सावधानी रखें। किसी पारिवारिक आनंदोत्सव में हिस्सा लेने का मौका मिलेगा।

सिंह
आज धन का नुकसान या कोई बुरी खबर प्राप्त हो सकती है। पारिवारिक चिंताएं रहेंगी। मेहनत अधिक तथा लाभ कम होगा।

कन्या
आज मेहनत का फल मिलेगा। मान-सम्मान मिलेगा। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। नौकरी में उच्चाधिकारी की प्रसन्नता रहेगी।

तुला
आज दूर से अच्छी खबर प्राप्त हो सकती है। आत्मविश्वास बढ़ेगा। कोई बड़ा काम करने की योजना बनेगी। पराक्रम व प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

वृश्चिक
आज शारीरिक कष्ट से कार्य में रुकावट होगी। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। यात्रा मनोरंजक रहेगी। नौकरी में अनुकूलता रहेगी।

धनु
आज यात्रा में जल्दबाजी न करें, नुकसान संभव है। चिंता तथा तनाव बने रहेंगे। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। स्वास्थ्य पर बड़ा खर्च हो सकता है।

मकर
आज कोई बड़ी बाधा से सामना हो सकता है। राजभय रहेगा। जल्दबाजी व विवाद करने से बचें। रुका हुआ धन मिल सकता है।

कुंभ
आज प्रतिष्ठा बढ़ेगी। नई आर्थिक नीति बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। पुरानी व्याधि से परेशानी हो सकती है। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा।

मीन
आज धर्म-कर्म में मन लगेगा। व्यापार मनोनुकूल चलेगा। नौकरी में सहकर्मी साथ देंगे। निवेश शुभ रहेगा। प्रभावशाली व्यक्तियों से परिचय होगा।

कैसे बनाए संगीत में कैरियर?

बहुत से लोग है जिन्हें संगीत एवं गीत में काफी दिलचस्पी है और इसमें अपना कैरियर बनाना चाहते है. आज हमारे पास विश्व प्रख्यात गीतकार हैं, तो इसका काफी योगदान भारत के संगीत घरानों को जाता है. पहले की बात और थी कि संगीत सीखने के साधन काफी सीमित थे, जैसे की सिर्फ संगीत घराने में ही था. पर आज की बात अलग ही है.

मशहूर गीतकार समीर द्वारा रचित इस गीत के बोल एकदम सही है. भारत देश की संस्कृति में संगीत को काफी महत्व प्राप्त है. चाहे किसी के नामकरण की विधि हो, मृत्यु के बाद प्रार्थनासभा या मंदिर में कीर्तन, संगीत सब जगह है. हम संगीत के लिए इतने बाँवरे हैं कि कोयल की कुहू-कुहू को और बारिश की टिप-टिप को भी संगीत का दर्जा देते है.

बहुत से लोग है जिन्हें संगीत एवं गीत में काफी दिलचस्पी है और इसमें अपना कैरियर बनाना चाहते है. आज हमारे पास विश्व प्रख्यात गीतकार हैं, तो इसका काफी योगदान भारत के संगीत घरानों को जाता है. पहले की बात और थी कि संगीत सीखने के साधन काफी सीमित थे, जैसे की सिर्फ संगीत घराने में ही था. पर आज की बात अलग ही है. काफी सारी संस्थाएं, विद्यालय, और विश्व विद्यालय, संगीत में डिप्लोमा, अंडर ग्रेजुएट तथा पोस्ट ग्रेजुएट पाठ्यक्रम उपलब्ध कराती हैं. अगर आपको भी संगीत में रूचि है तो निम्न लिखित जानकारी आपके लिए लाभदायक होगी.

पाठ्यक्रम की अवधि कार्यक्रम के अनुसार है, जैसे की डिप्लोमा तक़रीबन 2 वर्ष, बी.ए. 3 वर्ष और एम.ए 2 वर्ष.

पाठ्यक्रम संगीत सिद्धांत, संगीत के इतिहास, संगीत व्याख्या, आवाज़ अनुदेश और संगीत लेखन सिखाता है. कुछ पाठ्यक्रम के नाम-

- बी.ए. (संगीत)
- बी.ए. (तबला)
- बी.एफ.ए (सितार)
- बी.एफ.ए (तबला)
- संगीत में प्रमाणपत्र
- संगीत प्रशंसा और संगीत में प्रमाणपत्र
- डिप्लोमा संगीत में
- डिप्लोमा तबला में

कुछ संस्थाए जहाँ हम संगीत में करियर बना सकते है-

1) कलकत्ता विश्वविद्यालय
2) एतिल्डे महाविद्यालय ऑफ़ दिल्ली
3) एतिल्डे महाविद्यालय ऑफ़ राजस्थान
4) दिल्ली संगीत समाज, नई दिल्ली
5) हिमाचल प्रदेश महाविद्यालय
6) इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय
7) जय नरैन व्यास महाविद्यालय
8) बनारस हिन्दू महाविद्यालय
9) कुरुक्षेत्र महाविद्यालय
10) सरस्वती संगीत कॉलेज
11) विश्व भारती विश्वविद्यालय
12) दिल्ली विश्वविद्यालय
13) आदर्श कला मंदिर
14) मुंबई यूनिवर्सिटी

यह कोर्स करने के बाद आपको निम्न जॉब अवसर और जॉब भूमिका हासिल होगी-

- संगीतकार
- शिक्षक
- कंपोजर/ लेखक
- संगीत प्रकाशक
- संगीत पत्रकार
- संगीत चिकित्सक
- आर्टिस्ट मेनेजर (कलाकार प्रबंधक)
- टीवी चैनल
- एफ.एम. चैनल
- संगीत कंपनी

क्लीनिकल रिसर्च में बेहतरीन कैरियर

क्लीनिकल रिसर्च एक ऐसा प्रोसेस है, जिसके माध्यम से तमाम नई दवाओं को बाजार में लांच करने से पहले उन्हें जानवरों और इनसानों पर टेस्ट किया जाता है। मोटे तौर पर किसी दवा को लैब से केमिस्ट की शॉप तक पहुंचने में 12 साल का वक्त लग जाता है। जानवरों पर प्री-क्लीनिकल टेस्ट करने के बाद इन दवाओं को इनसानों पर टेस्ट किया जाता है, जिसके तीन फेज होते हैं। टेस्टिंग के लिए इन तीनों फेजों में पहले के मुकाबले ज्यादा संख्या में लोगों को शामिल किया जाता है। इन तीनों फेजों का टेस्ट हो जाने के बाद कंपनी सभी नतीजों को एफडीए या टीपीडी को सौंप देती है, जिसके आधार पर एनडीए (न्यू ड्रग अप्रूवल) मिलता होता है। एक बार एनडीए हासिल हो जाने के बाद कंपनी उस ड्रग को मार्केट में उतार सकती है। जब कोई नई दवा लांच करने की तैयारी होती है, तो दवा लोगों के लिए कितनी सुरक्षित और असरदार है, इसके लिए क्लीनिकल ट्रायल होता है। भारत की जनसंख्या और यहां उपलब्ध सस्ते प्रोफेशनल की वजह से क्लीनिकल का कारोबार तेजी से फलने-फूलने लगा है। यदि आप भी इस बढ़ते हुए बाजार का हिस्सा बनना चाहते हैं, तो क्लीनिकल ट्रायल या क्लीनिकल रिसर्च से जुड़े कोर्स कर सकते हैं। भारत में क्लीनिकल ट्रायल इंडस्ट्री करीब 30 करोड़ डॉलर की है और वर्ष 2011 तक बढ़ कर यह इंडस्ट्री दो अरब डॉलर तक पहुंच जाने की उम्मीद है। गौरतलब है कि दुनिया की प्रमुख दवा कंपनियां अब क्लीनिकल रिसर्च संबंधी जरूरतों के लिए भारतीय बाजार की ओर रुख कर रही हैं।

योग्यता

क्लीनिकल रिसर्च के कोर्स में एंट्री के लिए विज्ञान में स्नातक होना जरूरी है। इसके अलावा, डी.फार्मा, बी.फार्मा, एम.फार्मा आदि के स्टूडेंट्स भी इस कोर्स में प्रवेश ले सकते हैं। कई प्रतिष्ठित संस्थानों से क्लीनिकल रिसर्च में डिप्लोमा, पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा आदि किया जा सकता है।

कोर्सेज

भारत में क्लीनिकल रिसर्च के क्षेत्र में बेहतर संभावनाएं हैं। जो छात्र इस क्षेत्र में कैरियर बनाना चाहते हैं, उनके लिए यह एक आकर्षक कैरियर विकल्प है। भारत में कई संस्थानों द्वारा क्लीनिकल रिसर्च से संबंधित कोर्स करवाए जाते हैं। क्लीनिकल रिसर्च के अंतर्गत आप एडवांस प्रोग्राम इन क्लीनिकल रिसर्च, डिप्लोमा इन क्लीनिकल रिसर्च, बीएससी इन क्लीनिकल लेबोरेटरी टेक्नोलाजी, बीएससी इन क्लीनिकल माइक्रो बायोलाजी, सर्टिफिकेट प्रोग्राम इन क्लीनिकल रिसर्च, इंटिग्रेटेड पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन क्लीनिकल रिसर्च, एमएससी इन क्लीनिक माइक्रो बायोलाजी, पीएचडी इन क्लीनिकल रिसर्च, कारेसपोंडेंट कोर्स इन क्लीनिकल रिसर्च, डिस्टेंस लर्निंग प्रोग्राम इन क्लीनिकल रिसर्च, प्रोफेशनल डिप्लोमा इन क्लीनिकल रिसर्च और बैचलर डिग्री इन क्लीनिकल रिसर्च आदि कोर्स कर सकते हैं।

संक्षिप्त समाचार

20 को अमित शाह व 26 को आएंगे मल्लिकार्जुन खरगे

रायपुर। इस साल के अंत में छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनाव होना है और इसकी तैयारी में अभी से भाजपा और कांग्रेस पार्टी लग गई है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह जहां 20 अगस्त को राजधानी रायपुर पहुंच रहे है और वहीं दूसरी ओर कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे 26 अगस्त को राजनांदगांव आ रहे है। राहुल गांधी और कांग्रेस के महासचिव केसी वेणुगोपाल सितंबर में छत्तीसगढ़ आएंगे। अमित शाह 20 अगस्त को जनजातीय मंत्रालय की ओर से साइंस कालेज मैदान में आयोजित महोत्सव कार्यक्रम में शिरकत करने आ रहे है। इसी दौरान शाह भाजपा के आला नेताओं के साथ चुनावी तैयारी पर चर्चा करेंगे। वहीं दूसरी ओर मल्लिकार्जुन खरगे 26 अगस्त को छत्तीसगढ़ दौरे पर आ रहे है जहां वे राजनांदगांव में पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के साथ कार्यकर्ताओं से रुबरू होंगे। खरगे का 15 दिनों के भीतर यह दूसरी बार छत्तीसगढ़ दौरा होगा।

पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी को पुण्यतिथि पर डा. रमन ने किया याद

रायपुर। भाजपा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री डॉक्टर रमन सिंह ने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी को उनकी पुण्यतिथि पर याद करते हुए कहा कि देश के प्रधानमंत्री के रूप में श्री वाजपेयी जी ने राष्ट्र के विकास को एक नई गति दी। देश के हर हिस्से में हर व्यक्ति तक विकास की धारा पहुंचे इस दिशा में कार्य किए, छत्तीसगढ़ राज्य निर्माण का सपना भी श्री वाजपेयी जी ने ही साकार किया। उनके विचार युगों-युगों तक राष्ट्रसेवकों का मार्गदर्शन करते रहेंगे।

नगर निगम सभापति प्रमोद दुबे ने किया ध्वजारोहण

रायपुर। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर नगर निगम मुख्यालय के अलावा हर की पौड़ी बूढ़ातालाब, कटोरा तालाब व्यापारी संघ, कारगिल चौक सुंदर नगर, बाजार चौक संतोषी नगर, कुली संघ बस स्टैंड ,फुटकर व्यापारी संघ बस स्टैंड, महादेव घाट रोड व्यापारी संघ द्वारा आयोजित ध्वजारोहण कार्यक्रम में नगर निगम के अध्यक्ष एवं पूर्व महापौर प्रमोद दुबे ने ध्वजारोहण किया। दुबे ने कहा कि देशभक्ति का आशय केवल सीमा पर जाकर लडऩा ना होकर एक पेड़ लगाना या अपने आसपास के उद्यान को संवारना या फिर अपने शहर को स्वच्छता की दिशा में अग्रसर करना भी देशभक्ति के दायरे में आता है ।आज के दिन हमें जरूर संकल्प लेना चाहिए कि अपने शहर के लिए अपनी ओर से पर्यावरण को बचाने हेतु कुछ ना कुछ दायित्वों का निर्वहन करें ।इस तर्ज पर बस स्टैंड के कुलियों ने शपथ लिया कि वे माह में एक बार समय निकालकर संपूर्ण बस स्टैंड में स्वच्छता कार्यक्रम चलाएंगे ।इसी प्रकार बुढ़ापारा विकास समिति के सदस्यों नवरत्न महेश्वरी दीपक शर्मा संहित सभी सदस्यों ने बुढ़ा गार्डन उद्यान को स्वच्छ एवं हरा भरा रखने का संकल्प लिया। ब्राह्मण पारा में ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष विनय तिवारी अशोक शर्मा बिहारी लाल शर्मा आदित्य दुबे राजेश दुबे आदि ने संकल्प लिया कि कंकाली तालाब के आसपास के वातावरण को स्वच्छ एवं सुंदर बनाने के लिए यथा योग्य कर्तव्यों का पालन करेंगे। अश्विनी नगर में महादेव घाट व्यापारी संघ के विमल जैन धीरज ताम्रकार मुकेश शर्मा सहित सभी लोगों ने डिवाइडर में पेड़ लगाकर उसकी रक्षा करने का संकल्प लिया इसी प्रकार कटोरा तालाब व्यापारी संघ के अध्यक्ष तेज कुमार बजाज गोलू सहगल जगदीश कलश बाकर अब्बास आदि ने कटोरा तालाब क्षेत्र को स्वच्छ एवं सुंदर बनाएं रखने हेतु माह में एक दिन स्वच्छता अभियान चलाने का संकल्प लिया।

मुख्यमंत्री ने वीरांगना अवंतीबाई की जयंती पर किया नमन

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने आज यहाँ अपने निवास कार्यालय में वीरांगना रानी अवंतीबाई लोधी की जयंती पर उन्हें नमन किया। मुख्यमंत्री श्री बघेल ने कहा कि वीरांगना रानी अवंतीबाई लोधी ने 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनकी देशभक्ति, शौर्य और बलिदान हमें हमेशा प्रेरित करते रहेंगे। इस अवसर पर सांसद श्री दीपक बैज ने भी वीरांगना रानी अवंतीबाई लोधी को नमन किया।

राज्यपाल ने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की पुण्यतिथि पर दी श्रद्धांजलि

रायपुर। भारत के पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्वर्गीय श्री अटल बिहारी वाजपेयी की पुण्यतिथि पर आज राज्यपाल श्री विश्वभूषण हरिचंदन ने उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि विराट व्यक्तित्व, महान वक्ता व बहुमुखी प्रतिभा के धनी होने के साथ-साथ वे एक जननायक थे, जिन्हें विश्वभर में जाना जाता है। स्वर्गीय श्री वाजपेयी जी की पुण्यतिथि पर राजभवन में उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। इस अवसर पर राज्यपाल श्री हरिचंदन ने भारत को विश्व पटल पर स्थापित करने के लिए श्री वाजपेयी के योगदान का उल्लेख करते हुए कहा कि विदेश एवं अंतर्राष्ट्रीय मंचो पर भारत का मजबूती से पक्ष रखकर उन्होंने देश का मान बढ़ाया। भारत को जब कमजोर देश समझा जाता था, तब पोखरण में परमाणु परीक्षण कर उन्होंने भारत को परमाणु शक्ति सम्पन्न देश घोषित किया। इस कदम से उन्होंने भारत को विश्व में एक सुदृढ़ वैश्विक शक्ति के रूप में स्थापित कर दिया। पश्चिम के देशों ने जब अनेक प्रतिबंध लगाए तब उसका दृढ़ता पूर्वक सामना करते हुए उनके नेतृत्व में देश ने आर्थिक विकास की ऊंचाइयों को छुआ।

कांग्रेस चुनाव समिति की बैठक में बड़ा फैसला टिकट वितरण को लेकर बनाया फार्मूला

रायपुर। छत्तीसगढ़ कांग्रेस आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर अपनी तैयारी में जुट गई है। मंगलवार रात छत्तीसगढ़ कांग्रेस चुनाव समिति की महत्वपूर्ण बैठक हुई। यह बैठक कांग्रेस प्रदेश कार्यालय राजीव भवन में देर रात शुरू हुई। करीब ढाई घंटे तक चली बैठक की अध्यक्षता पीसीसी चीफ दीपक बैज ने की। इस बैठक में छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव के लिए टिकट वितरण के फार्मूले और रणनीति पर चर्चा हुई।

कांग्रेस प्रदेश कार्यालय राजीव भवन में चुनाव समिति की बैठक देर रात तक चली। इस बैठक में आगामी विधानसभा चुनाव के लिए टिकट का फार्मूला तैयार किये जाने की बात सामने आ रही है.टिकट बांटने की प्रक्रिया को लेकर रणनीति बनाई गई। बैठक में इस बात पर सहमति बनी कि ब्लॉक स्तर पर दावेदारों के आवेदन लिए जाएंगे।

छत्तीसगढ़ कांग्रेस चुनाव समिति की बैठक में सभी वरिष्ठ नेताओं ने अपने

अनुभव, विचार और सुझाव रखे। टिकट दावेदारी को लेकर भी चर्चा हुई। 17 से 22 अगस्त तक ब्लॉक स्तर पर टिकट के दावेदारों के आवेदन लिए जाएंगे। छत्तीसगढ़ प्रभारी कुमारी शैलजा ने बताया, आवेदन के लिए कोई फीस नहीं है। 24 अगस्त तक ब्लॉक की मीटिंग होगी, जिसमें दावेदारों के आए आवेदन में एक या दो से लेकर 5 नामों का पैनल बना सकते हैं।

कुमारी शैलजा ने बताया, 26 अगस्त तक सभी आवेदन और प्रस्ताव पत्र पीसीसी में जमा होंगे। 29 अगस्त तक पीसीसी की सभी जिला कांग्रेस कमिटी की मीटिंग होगी। जिसके बाद सभी आवेदन पत्रों के साथ 5 नामों को 31 अगस्त तक पीसीसी को जमा करेंगे। इसके साथ ही विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस उम्मीदवारों की पहली लिस्ट को लेकर प्रदेश प्रभारी कुमारी शैलजा ने जानकारी दी है। उन्होंने कहा सभी जिलों से 5 नामों का पैनल आने के बाद स्क्रीनिंग कमेटी की बैठक होगी। उसके बाद इलेक्शन कमीशन की बैठक होगी। इसके बाद ही उम्मीदवार का नाम फाइनल होगा और लिस्ट आएगी।

इस बैठक से पहले डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव ने टिकट वितरण में गुटबाजी की संभावनाओं को खारिज कर दिया। सिंहदेव ने कहा, टिकट वितरण के लिए कोई कोटा तय नहीं है। केवल जीतने की क्षमता ही मुख्य आधार होगा। यह देखकर कि ये दावेदार टीएस बाबा के गुट हैं, ऐसे टिकट नहीं मिलेगा।

एआईसीसी ने कुछ दिन पहले छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव के लिए प्रदेश कांग्रेस चुनाव समिति की घोषणा की थी। जिसमें 22 सदस्यों को शामिल किया गया था। इसमें कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज को समिति का अध्यक्ष बनाया गया। चुनाव समिति में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, विधानसभा अध्यक्ष डॉ चरणदास महंत, उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव सहित आठ मंत्रियों को भी शामिल किया गया। इनमें मंत्री रविंद्र चौबे, ताम्रध्वज साहू, मोहम्मद अकबर, अनिला भेड़िया, शिव डहरिया, जयसिंह अग्रवाल, रूद्र गुरु और मोहन मरकाम को शामिल किया गया। समिति पार्टी में तीनों राष्ट्रीय सचिव विकास उपाध्याय, राजेश तिवारी और पारस चोपड़ा को जगह मिली। इसके साथ ही वरिष्ठ विधायक सत्यनारायण शर्मा, धनेंद्र साहू और अमितेश शुक्ला को भी शामिल किया गया।

15 अगस्त को व्यापमं ने हटाया अधिवक्ता पांडेय को

रायपुर। 14 अगस्त को शराब घोटाला मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की ओर से बतौर सरकारी वकील के तौर व्यावसायिक परीक्षा मंडल के वकील सौरभ पांडेय ने सीबीआई से जांच करने की मांग हाईकोर्ट से की और ठीक इसके अगले दिन, यानी 15 अगस्त को व्यापमं ने उसे हटा दिया। पांडेय पिछले 10 सालों से व्यापमं के लिए बतौर स्टैंडिंग काउंसिल का काम कर रहे थे। उल्लेखनीय है कि साल 2016 में पीएमटी भर्ती परीक्षा और पीडब्ल्यूडी विभाग की इंजीनियरिंग भर्ती परीक्षा में सवालों की गड़बड़ी को लेकर अलग-अलग अभ्यर्थियों ने कोर्ट में मामला दायर किया था। इन मामलों में सौरभ पांडेय ने व्यापमं का पक्ष रखा और दोनों ही मामलों में केस जीत लिए। इसके बाद व्यापमं ने उन्हें प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। अधिवक्ता सौरभ पांडेय एक ओर व्यापमं के लिए अदालती लड़ाई का मुख्य हिस्सा रहे। तो दूसरी ओर ईडी की कार्रवाईयों में राज्य प्रशासन के खिलाफ अदालत में पक्ष रख रहे है। 14 अगस्त को दायर की गई इनकी रिट पिटीशन में कहा गया है कि स्टेट की पुलिस ने शराब घोटाला के आरोपियों के मामले में आंखें मूंद रखी थी और उन्हें बड़े आर्थिक घोटाले को करने दिया गया। उन्होंने आरोपियों के प्रशासनिक संरक्षण का जिक्र भी करते हुए मामले की जांच सीबीआई को देने की गुजारिश की है। आने वाले सप्ताह में इस मामले में बिलासपुर हाईकोर्ट में सुनवाई भी हो सकती है। लेकिन ठीक इसके दूसरे दिन अगस्त को व्यावसायिक परीक्षा मंडल ने उन्हें हटा दिया। उन्हें हटाए जाने की चर्चा जोरशोर से हो रही है।

छत्तीसगढ़ के पेंशनरों को 42% मंहगाई राहत प्रदान करने बघेल ने शिवराज को लिखा पत्र

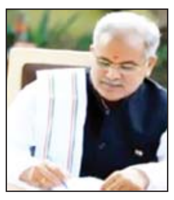

रायपुर। छत्तीसगढ़ के पेंशनरों को शीघ्र 42 प्रतिशत मंहगाई राहत प्रदान करने मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान को पत्र लिखा है। पत्र में मध्यप्रदेश पुनर्गठन अधिनियम 2000 के धारा 49(6) के अंतर्गत महंगाई राहत के भुगतान के लिए मध्यप्रदेश की सहमति चाही गई है। मुख्यमंत्री श्री बघेल ने अपने पत्र में मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री से अधिकारियों को इस संबंध में सहमति के लिए समुचित निर्देश देने को कहा है ताकि सहमति मिलते ही छत्तीसगढ़ के पेंशनर्स को 42 प्रतिशत महंगाई भत्ते दिये जाने की कार्रवाई की जा सके। मुख्यमंत्री ने अपने पत्र में लिखा है कि छत्तीसगढ़ के पेंशनरों को महंगाई राहत देने के लिए छत्तीसगढ़ के वित्त विभाग ने 2 अगस्त को मध्यप्रदेश शासन को पत्र लिखा था।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने सेवानिवृत्त शासकीय अधिकारी-कर्मचारियों को 42 प्रतिशत महंगाई राहत 1 जुलाई 2023 से प्रदान करने का निर्णय लिया है। इस निर्णय के क्रियान्वयन के लिए मध्यप्रदेश पुनर्गठन अधिनियम 2000 की धारा 49(6) के अंतर्गत दोनों राज्यों के मध्य पेंशन पर महंगाई राहत के भुगतान के लिए सहमति आवश्यक होती है। ऐसी सहमति मिलने पर ही पेंशन राहत पर आगे कार्रवाई की जा सकती है। जैसे ही मध्यप्रदेश की सहमति प्राप्त होगी, वैसे ही छत्तीसगढ़ शासन द्वारा भी अविलंब पेंशनर राहत प्रदान करने की दिशा में कार्रवाई होगी। पेंशनर संगठनों द्वारा महंगाई राहत की दर 42 प्रतिशत करने की माँग लगातार की जा रही है। मध्यप्रदेश शासन द्वारा सहमति अब तक लंबित नहीं होने की वजह से पेंशनरों को राहत देने में यह समय लगा है। मुख्यमंत्री के पत्र लिखे जाने के बाद अब इस संबंध में तेजी से कार्रवाई हो सकेगी।

भाजपा कार्यालय में अरुण साव ने फहराया तिरंगा

रायपुर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव ने स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर प्रदेश कार्यालय कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में तिरंगा झंडा फहराया। प्रदेशवासियों को साव ने स्वतंत्रता दिवस की बधाई देते हुए कहा कि पूरा देश इस पावन पर आजादी की वर्षगांठ मना रहा है। हम सभी लोगों ने आजादी का अमृत महोत्सव बड़े ही धूमधाम से उत्साह पूर्व मनाया। देश अपने अमृतकाल में प्रवेश कर रहा है। यह हमारे संकल्प लेने का अवसर है। देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आह्वान किया है कि जब हमारे देश के आज़ादी को सौ साल पूरे हों, तब हमारा देश आत्मनिर्भर भारत, खुशहाल भारत एक शक्ति सम्पन्न भारत, समृद्धशाली भारत के रूप दुनिया के सामने आये। विश्व की आज ये अपेक्षा है भारत उनका नेतृत्व करे। दुनिया भी यह मान रही है कि 21वीं सदी भारत की है। प्रधानमंत्री मोदी जी ने सबसे यह अपेक्षा किया है कि आज से संकल्प लेकर अमृतकाल में हम प्रवेश करें। स्वतंत्रता सेनानियों के सपनों के अनुरूप अपने राष्ट्र को बनाने का प्रयास करें।

कार्यक्रम में भाजपा क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जम्वाल, प्रदेश संगठन मंत्री पवन साय, महामंत्री केदार कश्यप, पूर्व मंत्री व वरिष्ठ भाजपा नेता रामविचार नेताम,प्रदेश उपाध्यक्ष लक्ष्मी वर्मा , प्रदेश कार्यालय प्रभारी नरेश गुप्ता, सह प्रभारी

रजनीश शुक्ला, प्रदेश प्रवक्ता संदीप शर्मा ,केदार गुप्ता , दीपक म्हस्के,नलीनेश ठोकने ,अमित साहू,सरगुजा संभाग प्रभारी संजय श्रीवास्तव, अनुसूचित जनजाति मोर्चा अध्यक्ष विकास मरकाम,अनुसूचित जाति मोर्चा अध्यक्ष नवीन मार्कंडेय,सच्चिदानंद उपासने, भाजपा जिला अध्यक्ष जयंती भाई पटेल, ग्रामीण जिला अध्यक्ष टंकराम वर्मा, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य राजीव अग्रवाल,छगन मूंदडा, विजय शंकर मिश्रा,अंजय शुक्ला,अनुज शर्मा, अशोक पांडे ,सुरेंद्र पाटनी,राजेश अवस्थी,जेपी चंद्रवंशी,सोशल मीडिया प्रभारी सोमेश पांडेय ,सह प्रभारी मितुल कोठारी ,प्रकाश बजाज , महिला मोर्चा उपाध्यक्ष ममता साहू,पार्षद दल से विश्वादिनी पांडेय , रायपुर जिला से सत्यम दुवा,योगी अग्रवाल ,गोपी साहू, नीलम सिंह बड़ी संख्या में भाजपा के कार्यकर्ता उपस्थित थे।

दीपक बैज ने किया राजीव भवन में ध्वजारोहण

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष एवं सांसद दीपक बैज ने प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय राजीव भवन रायपुर में ध्वजारोहण किया। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के छायाचित्र पर माल्यार्पण अर्पित कर नमन किया गया। स्वतंत्रता संग्राम सेनानी के अमर शहीदों को नमन किया गया। इस दौरान राष्ट्रगीत, राष्ट्रगान, ध्वज एवं वंदना एवं राज्य गीत का गायन हुआ। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष एवं सांसद दीपक बैज ने ध्वजारोहण के पश्चात शुभकामना संदेश वाचन किया। इस अवसर पर वरिष्ठ कांग्रेस नेता सत्यनारायण शर्मा, हाउसिंग बोर्ड के अध्यक्ष कुलदीप जुनेजा, कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला के अलावा अन्य कांग्रेसजन उपस्थित थे।

प्रदेश सरकार की योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन से आयी लोगों के जीवन में खुशहाली : मुख्यमंत्री

- **मुख्यमंत्री ने आजादी की 76वीं वर्षगांठ पर जनसंपर्क विभाग द्वारा आयोजित छायाचित्र प्रदर्शनी का किया शुभारंभ**

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने राजधानी रायपुर के कचहरी चौक स्थित टाउन हॉल में जनसंपर्क विभाग द्वारा आजादी की 76वीं वर्षगांठ पर आयोजित छायाचित्र प्रदर्शनी का शुभारंभ किया। इस प्रदर्शनी में प्रदेश सरकार के पौने पांच साल की उपलब्धियों एवं देश के स्वतंत्रता आंदोलन में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले छत्तीसगढ़ के महान क्रांतिकारियों की स्मृतियों को सुसज्जित ढंग से प्रदर्शित किया गया है। प्रदर्शनी में आजादी की लड़ाई में छत्तीसगढ़ के क्रांतिकारियों का योगदान और उनके महत्वपूर्ण दस्तावेज, स्वतंत्रता आन्दोलन के दौरान उनकी जीवन यात्रा, जंगल सत्याग्रह, भारत छोड़ो आन्दोलन एवं स्वतन्त्रता आंदोलन से जुड़ी विभिन्न गतिविधियों में उनके योगदानों को प्रदर्शित किया गया है। उनमें

प्रमुख रूप से सुराजी गांव योजना, नरवा, गरवा, घुरवा, बाड़ी, राजीव गांधी ग्रामीण भूमिहीन कृषि मजदूर न्याय योजना, गोधन न्याय योजना, छत्तीसगढ़ मिलेट मिशन, बेरोजगारी भत्ता योजना आदि प्रमुख रूप से शामिल है। प्रदेश सरकार की उपलब्धियों पर आधारित डाक्यूमेंट्री फिल्म का प्रदर्शन भी प्रदर्शनी स्थल पर किया जा रहा हैं।

मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने जनसंपर्क विभाग द्वारा आयोजित प्रदर्शनी की सराहना की। उन्होंने कहा कि बीते पौने पांच साल के दौरान आम नागरिकों के जीवन में खुशहाली आई है। प्रदेश सरकार की योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन से हुए सकारात्मक बदलाव से हमने लोगों का भरोसा जीता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आने वाली पीढियों को यह जानना बेहद जरूरी है कि छत्तीसगढ़ के महान क्रांतिकारियों ने स्वतंत्रता संग्राम आंदोलन में अपना बहुमूल्य योगदान दिया है। यह प्रदर्शनी आज की पीढ़ी को इससे अवगत कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। गौरतलब है कि 15 से 21 अगस्त तक कचहरी चौक स्थित टाउन हॉल में यह प्रदर्शनी आयोजित की गई है, जिसका सुबह 11.00 बजे से रात 8 बजे तक अवलोकन किया जा सकता है।

उत्कृष्ट सेवाओं के लिए के लिये सीएम के हाथों सम्मानित हुए पुलिस अफसर

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने राजधानी रायपुर के पुलिस परेड मैदान में आयोजित स्वतंत्रता दिवस के मुख्य समारोह में पुलिस विभाग के अधिकारियों को पुलिस वीरता पदक, सराहनीय सेवा के लिए भारतीय पुलिस पदक, गृह रक्षक एवं नागरिक सुरक्षा सराहनीय सेवा पदक, गुरू घासीदास पुरस्कार, राज्यपाल पुरस्कार, रानी सुबरन कुंवर पुरस्कार, मुख्यमंत्री पुरस्कार वीर नारायण सिंह पुरस्कार और पुलिस महानिदेशक पुरस्कार के लिए चयनित अधिकारियों को पुरस्कार प्रदान किया।

मुख्यमंत्री श्री बघेल ने छत्तीसगढ़ के जिन अधिकारियों को पुलिस वीरता पदक प्रदान किया उनमें रक्षित निरीक्षक श्री वैभव मिश्रा, पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक पल्लव, निरीक्षक श्री अश्वनी सिन्हा, निरीक्षक श्री यशवंत श्याम, सहायक उपनिरीक्षक श्री उसारू राम कोर्राम, निरीक्षक श्री उत्तम कुमार और सहायक प्लाटून कमाण्डर शहीद श्री कृष्णपाल सिंह कुशवाहा का नाम शामिल है।

समारोह में पुलिस महानिरीक्षक गुप्त वार्ता श्री अजय कुमार यादव, पुलिस महानिरीक्षक श्री बद्री नारायण मीणा, पुलिस अधीक्षक श्री झाडु राम ठाकुर, पुलिस अधीक्षक श्री पंकज चंद्रा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री अनंत कुमार साहू, निरीक्षक श्री कमलेश्वर सिंह, कंपनी कमाण्डर श्री अर्जुन सिंह ठाकुर, प्लाटून कमाण्डर श्री हरिहर प्रसाद गर्ग, प्लाटून कमाण्डर श्री संजय कुमार दुबे, प्रधान आरक्षक श्री बलबीर सिंह, पुलिस महानिरीक्षक श्री सुन्दर लाल पट्टीलिंगम को भारतीय पुलिस पदक से नवाजा गया।

इसी प्रकार गृह रक्षक एवं नागरिक सुरक्षा सराहनीय सेवा पदक नायक नगरसेना श्री शशिभूषण सोनी और श्री कन्हैयालाल साहू को प्रदान किया गया। गुरू घासीदास पुरस्कार प्रधान आरक्षक श्री सुरेश बंजारे, राज्यपाल पुरस्कार प्रधान आरक्षक श्रीमती अंजू सिंह, मुख्यमंत्री पुरस्कार प्रधान आरक्षक श्री संदीप देशमुख, रानी सुबरन कुंवर पुरस्कार उप निरीक्षक श्रीमती सरिता तिवारी, वीर नारायण सिंह पुरस्कार निरीक्षक श्री सुरेन्द्र कुमार चतुर्वेदी और पुलिस महानिदेशक पुरस्कार उप निरीक्षक श्रीमती नीता राजपूत को दिया गया।

अमेरिका में दिखी छत्तीसगढ़ की समृद्ध आदिवासी संस्कृति की झलक

- **नाचा ने शिकागो में आयोजित इंडिया डे परेड में जनजाति संस्कृति का किया प्रदर्शन**

रायपुर। नॉर्थ अमेरिका छत्तीसगढ़ एसोसिएशन (नाचा) ने अमेरिका के शिकागो में भारतीय स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर आयोजित इंडिया डे परेड के दौरान भारत की समृद्ध आदिवासी सामुदायिक संस्कृति का प्रदर्शन किया। इंडियन कम्युनिटी आउटरीच द्वारा आयोजित परेड में नाचा के सदस्यों ने छत्तीसगढ़ की आदिवासी परंपराओं, लोक जीवन और संस्कृति को दर्शाया। इस अवसर पर उन्होंने छत्तीसगढ़ के आदिवासियों की पारंपरिक वेशभूषा और वाद्य यंत्रों के साथ नृत्य कर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। वेशभूषा दुर्ग जिले के लोक कलाकार श्री रिखी क्षत्रीय द्वारा तैयार की गई।

मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने अमेरिका में बसे सभी भारतीयों को भारत के 77वें स्वतंत्रता दिवस की बधाई दी। उन्होंने कहा

कि अपनी माटी की महक और संस्कृति के सात समुंदर पार तक विस्तार से देश-दुनिया भारत की विशेषकर छत्तीसगढ़ की समृद्ध विरासत से परिचित हो सकेगी। इसके लिए नाचा के सदस्य बधाई के पात्र हैं।

नाचा के अध्यक्ष श्री गणेश कर ने स्वतंत्रता दिवस की बधाई देते हुए कहा कि पिछले छह वर्षों से यह परेड छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक विरासत को विश्व स्तर पर बढ़ावा देने में सहायक रही है। परेड में जनजाति संस्कृति के प्रदर्शन से शिकागो में रहने वाले भारतीय समुदाय के साथ-साथ अमेरिकी नागरिकों को भी बस्तर की संस्कृति को गहराई से अनुभव करने का अवसर मिला, जिसको भरपूर सराहना मिली। उन्होंने बताया कि संयुक्त राज्य अमेरिका के किसी अंतर्राष्ट्रीय मंच पर भारत के आदिवासी समुदाय का प्रतिनिधित्व करने का यह पहला उदाहरण है। कैलिफोर्निया, यूके, डेट्रॉइट और टोरंटो में 15 अगस्त को होने वाले कार्यक्रमों में भी नाचा इसी तरह छत्तीसगढ़ की कला और संस्कृति का प्रचार करेगा।

उल्लेखनीय है कि नाचा, छत्तीसगढ़ के अनिवासी भारतीयों का एक संघ है। नाचा की उत्तरी अमेरिका छत्तीसगढ़ एसोसिएशन और एनआरआई एसोसिएशन ऑफ छत्तीसगढ़ के नाम से 19 देशों में उपस्थिति है। यह छत्तीसगढ़ की विरासत, संस्कृति, भाषा और कला को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर बढ़ावा देता है। भारत के बाहर छत्तीसगढ़ राज्य को बढ़ावा देने के लिए विश्व स्तर पर नाचा को कई सामुदायिक पुरस्कार प्राप्त हुए हैं।

छत्तीसगढ़ में जश्न-ए-आजादी, खुशी से झूम उठे छत्तीसगढ़िया, लगे जयहिंद के नारे

रायपुर। छत्तीसगढ़ में आजादी का जश्न धूमधाम से मनाया जा रहा है। रायपुर के पुलिस परेड ग्राउंड में ध्वजारोहण के बाद भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। राज्य के मुखिया ने 15 अगस्त पर 15 बड़ी घोषणाएं करके लोगों को कई सौगातें दी। इस दौरान कलाकार, छात्र, पुलिस जवान, नेता, नागरिक सभी आजादी के जश्न में डूबे रहे। पुलिस जवानों ने परेड कर सीएम भूपेश को सलामी दी। वहीं कई हैरतअंगेज कारनामें कर लोगों को दांतों तले उंगली काटने पर मजबूर कर दिया। वहीं एसनसीसी कैडेड्स. खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा से सबको सोचने पर मजबूर कर दिया। इस अवसर पर स्कूल-कॉलेज के स्टूडेंट्स ने मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रम देकर सभी का दिल जीत लिया। छात्र-छात्राएं सीएम के साथ फोटोज और सेल्फी लेते नजर आए। इस साल के समारोह में छत्तीसगढ़ महिला पुलिस बल का बैगपाइपर बैण्ड दस्ता आकर्षण का मुख्य केन्द्र होगा। महिला दल की ओर से आकर्षक सांस्कृतिक प्रस्तुति दी जाएगी। स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारियों को अंतिम रूप देने के लिए पुलिस परेड ग्राउण्ड पर फुल ड्रेस रिहर्सल की गई। मुख्य समारोह में सुरक्षा बलों की टुकड़ियों ने परेड में हिस्सा लिया। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने मार्च पास्ट में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले सुरक्षा बलों के अधिकारियों और जवानों को पुरस्कृत किया।

भाजपा की आधी लिस्ट पर लगी मुहर

केंद्रीय चुनाव समिति ने किया मंथन, पीएम मोदी ने छत्तीसगढ़ के नेताओं से सीटों पर की बात

रायपुर। नई दिल्ली में बीजेपी की केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक चल रही है। जिसमें खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा के साथ शामिल हैं। बैठक में छत्तीसगढ़ में होने वाले चुनाव को लेकर मंथन किया गया। जिसमें करीब आधी सीटों पर नाम तय कर लिए गए हैं। इसे लेकर मोदी ने छत्तीसगढ़ के बड़े नेताओं से चर्चा की।

टिकट वितरण के अलावा सीटों के सियासी समीकरण, विधायकों और नेताओं के परफॉर्मेंस पर भी चर्चा हुई। बैठक में राजनाथ सिंह, छत्तीसगढ़ के चुनाव सह प्रभारी मनसुख मांडविया भी शामिल रहे। साथ ही छत्तीसगढ़ के प्रभारी ओम माथुर, पूर्व सीएम डॉ रमन, बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव, नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल भी मौजूद थे।

पार्टी सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक 15 से 20 ऐसी सीटों पर नामों का ऐलान जल्द हो सकता है। जहां भाजपा हर चुनाव में कमजोर ही रही हो। पार्टी ने इस बार जाति समीकरण को पूरी तरजीह देकर चयन प्रक्रिया अपनाई है। जहां भाजपा कमजोर है वहां प्रत्याशियों के नामों के ऐलान पिछली बार के मुकाबले इस बार जल्दी किया जाएगा। पार्टी का मानना है कि इससे उन सीटों पर भाजपा के प्रति सियासी माहौल तैयार करने में मदद मिलेगी।

इन सीटों पर हो सकता है नामों का एलान

जिन सीटों में पर नामों का ऐलान हो सकता है उनमें कोंटा, सीतापुर, खरसिया, जैजेपुर, पामगढ़, कोरबा, मरवाही, पाली तानाखार, और दुर्ग ग्रामीण जैसी सीटें हैं। यहां मजबूत दावेदारों को इशारा कर दिया गया है कि चुनाव की तैयारी शुरू करें। मसलन आयकर, अपनी और पारिवारिक संपत्ति विवरण, अपराधिक प्रकरणों की जानकारी, शैक्षणिक योग्यता और प्रमाण पत्र जैसी जानकारी संग्रहित करने कहा गया है। साथ ही सारी जानकारी पुख्ता और दस्तावेजी रहे। ताकि नामांकन पत्र रद्द होने जैसी स्थिति न आए।

जातिगत गणित से चुनावी पेपर सॉल्व करने की कोशिश

सूत्रों के मुताबिक, इस बार भाजपा जातियों को पूरी तरजीह दे रही है। प्रत्याशी चयन में देखा जा रहा है कि वो किस जाति का है जाति वर्ग वोटर्स की तादाद कितनी है, अन्य समुदायों में उसकी पकड़ कैसी है। राजधानी में भी इस बार जातियों पर फोकस किया गया है। अब तक रायपुर में बनिया वैश्य समाज के नेताओं के नाम सामने आते रहे हैं, मगर इस बार जातीय बहुलता को देखते हुए नाम तय हो सकते हैं।

देश में होने वाले अगले आम चुनाव से पिहले कई राज्यों में विधानसभा के चुनाव होने हैं। छत्तीसगढ़ के अलावा दूसरे राज्यों को लेकर भी बीजेपी मुख्यालय में मंथन किया जा रहा है।

अब बिलासपुर हाईकोर्ट की सुनवाई भी लाइव स्ट्रीमिंग वेबसाइट पर घर बैठे देख सकेंगे मुकदमों का लाइव कवरेज

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट में प्रकरणों की सुनवाई पक्षकार व आम जनता अब घर बैठे लाइव स्ट्रीमिंग के माध्यम से हाईकोर्ट छत्तीसगढ़ की वेबसाइट में देख सकते हैं। आमजनों को कॉजलिस्ट, एएफआर, जजमेंट, महत्वपूर्ण सूचनाएँ और निविदाओं की जानकारी पूर्व से ही वेबसाइट से प्राप्त हो रही है। लाइव स्ट्रीमिंग स्वतंत्रता दिवस पर मंगलवार को शुरू की गई।

हाईकोर्ट में आयोजित 77वें स्वतंत्रता दिवस समारोह के अवसर पर चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा ने ध्वजारोहण किया। ध्वजारोहण के बाद उन्होंने नवनिर्मित विस्तार भवन एवं अतिरिक्त कोर्ट रूम के साथ ही न्यायिक कार्यवाही की लाइव स्ट्रीमिंग, 22 जिलों के ई-सेवा केन्द्र, ई-गेट पास के संबंध में मोबाइल एप और ऑनलाइन रिक्रूटमेंट एप्लीकेशन का भी उदघाटन किया।इस अवसर पर यातायात संबंधी चालानों के संबंध में जिला अंबिकापुर, बिलासपुर, दुर्ग तथा जगदलपुर के वर्चुअल कोर्ट और न्यायिक अधिकारीगण के न्यायिक विमर्श के संबंध में साफ्टवेयर का भी उदघाटन किया गया। इसी कड़ी में 4 नए टेलीग्राम चैनल का भी उदघाटन किया। उल्लेखनीय है कि हाईकोर्ट में विस्तार भवन निर्माण हुआ है जिसमें 7 अतिरिक्त कोर्ट रूम हैं। हाईकोर्ट द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार 16 अगस्त.2023 से नवनिर्मित विस्तार भवन में कोर्ट रूम क्रमांक 17 एवं 18 में जस्टिस अरविंद सिंह चंदेल व जस्टिस संजय कुमार जायसवाल द्वारा प्रकरणों की सुनवाई प्रारंभ कर दी गई है। चीफ जस्टिस द्वारा नवनिर्मित विस्तार भवन में कोर्ट रूम क्रमांक 16 में प्रति शुक्रवार को द्वितीय पाली में दोपहर 2.15 बजे से प्रकरणों की सुनवाई की जाएगी।

प्रदेश सरकार बिजली उपभोक्ताओं के साथ धोखाधड़ी कर रही : भाजपा

- **पूर्व मंत्री पांडेय ने सरकार की आँकड़ों की बाजीगरी की पोल खोली पत्रकारों के सामने**

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता व पूर्व मंत्री प्रेमप्रकाश पांडेय ने बिजली दर नहीं बढ़ाए जाने की घोषणा के बावजूद लगातार बिजली दर में की गई बढ़ोतरी को लेकर प्रदेश सरकार पर जमकर प्रहार किया और कहा कि प्रदेश सरकार ने बिजली उपभोक्ताओं के साथ ठगी की है। सीएसपीडीसीएल ने एक आदेश निकालकर आयोग से कहा है कि 15.25 फीसदी की बिलिंग की जा रही है जो सभी वर्गों के लिए लागू होगी। इसमें से 14.3 प्रतिशत बढ़ा हुआ बिजली बिल में जुलाई पेड अगस्त से जोड़ा जाए और 1.02 प्रतिशत को कैरी फारवर्ड करते हुए आगे ले जाया जाए। श्री पांडेय ने कहा कि चूँकि वर्तमान घाटे की भरपाई कांग्रेस सरकार द्वारा नहीं की गई है, इसलिए वर्तमान 15.25त्न की वृद्धि के अलावा अगले साल भी टैरिफ लगभग 20 प्रतिशत बढ़ना तय है। इतनी तेजी से बढ़ रहे टैरिफ से उद्योगों के बीच अभी से खलबली मची हुई है और बाजार की प्रतिस्पर्धा से बाहर हो जाने का डर सताने लगा है।

बुधवार को राजधानी के एकात्म परिसर स्थित भाजपा कार्यालय में पत्रकार वार्ता में पूर्व मंत्री श्री पांडेय ने आरोप लगाया कि अप्रैल में मुख्यमंत्री बघेल ने बिजली दर नहीं बढ़ाने की बात कही थी, लेकिन अप्रैल की बिजली मई महीने में 5.33 प्रतिशत, मई की बिजली जून में 10.88 प्रतिशत और जून की बिजली जुलाई में 15.25 प्रतिशत महंगी हो गई। इसके चलते घरेलू, गैर घरेलू, किसान और उद्योग सभी वर्गों के उपभोक्ता खुद को असहाय पा रहे हैं। बिजली दर नहीं बढ़ाने का मुख्यमंत्री बघेल का दावा तीन माह में ही हवा हो गया। श्री पांडेय ने कहा कि सरकार सामने बिजली दर नहीं बढ़ाने का दावा करती है लेकिन पिछले दरवाजे से वह बिजली बढ़ाती जाती है। इसमें की जा रही आँकड़ों की बाजीगरी का खुलासा करते हुए श्री पांडेय ने बताया कि सबसे पहले तो यह बताया जाता है कि जिस बिजली दर पर हम बिजली खरीद रहे हैं, वह कम होती है, जबकि सरकार वह बिजली अधिक दर पर खरीदती है। इसमें जो अंतर की रासि होती है, उसको हर महीने समायोजित करती है। दूसरी बाजीगरी यह करते हैं कि प्राप्त रेवेन्यू को ज्यादा बताते हैं जबकि घाटा ज्यादा हुआ रहता है और उसको छिपाया जाता है। तीसरी बाजीगरी यह की जाती है कि पिछले घाटे की भरपाई की जाकर उसे आगे बढ़ा दिया जाता है।पूर्व मंत्री श्री पांडेय ने कहा कि सीएसपीडीसीएल के घाटे की भरपाई के दो ही तरीके हैं, एक या तो सरकार सब्सिसाइड करके उस घाटे की पूर्ति करे, दूसरा या फिर उसकी भरपाई सीधे उपभोक्ता से करे। सीएसपीडीसीएल ने इस वर्ष 2528 करोड़ रुपए के घाटे का अनुमान व्यक्त किया है, जिसकी भरपाई नहीं की गई है। अब इसे अगले वर्ष पर छोड़ गिया गया है। इसका मतलब साफ है कि इस वर्ष अभी जो 15.25 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, वह 2528 करोड़ रुपए के सब्सिसाइड नहीं होने की दशा में अगले साल 13 प्रतिशत की टैरिफ वृद्धि और करनी पड़ेगी।

नहीं रहे बीजेपी के वरिष्ठ नेता लीलाराम भोजवान

रायपुर। छत्तीसगढ़ बीजेपी के वरिष्ठ नेता लीलाराम भोजवानी का निधन हो गया है। तबीयत बिगड़ने के बाद उन्हें रायपुर की अस्तपाल में भर्ती किया गया था। अस्पताल में उनकी स्थिति लगातार बिगड़ती जा रही थी इसके बाद परिजनों ने लीलाराम भोजवानी को वापस राजनांदगांव ले जाने का फैसला किया इसी दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। लीलाराम भोजवानी को एंबुलेंस पर वेंटिलेटर सपोर्ट के जरिए राजनांदगांव भेजा गया था। लेकिन रास्ते में ही उनका निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार राजनांदगांव में ही गुरुवार शाम को किया जाएगा।

अविभाजित मध्यप्रदेश में लीलाराम मंत्री भी रहे हैं। वर्तमान में भोजवानी डॉक्टर रमन सिंह के विधायक प्रतिनिधि थे। राजनांदगांव की राजनीति में सक्रिय रहे लीलाराम भोजवानी की दो दिन पहले अचानक तबीयत बिगड़ी थी।

39 हजार शिशुओं की मौत पर राष्ट्रीय बाल आयोग ने लिया संज्ञान

- **साव के नेतृत्व में भाजपा सांसदों ने की थी जांच की मांग**

रायपुर। छत्तीसगढ़ में 39 हजार से अधिक शिशुओं की मौत के मामले को राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने संज्ञान लेते हुए राज्य के मुख्य सचिव को जांच कराकर 7 दिन में रिपोर्ट भेजने के निर्देश दिए हैं। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सांसद अरुण साव के नेतृत्व में भाजपा सांसदों ने राज्य में कांग्रेस राज में 39 हजार से अधिक शिशुओं की मौत के लिए सरकार को जिम्मेदार करार देते हुए राष्ट्रीय बाल संरक्षण आयोग अध्यक्ष प्रियंक कानूनगो से कार्रवाई करने की मांग की थी। श्री साव के नेतृत्व में सांसद विजय बघेल, श्रीमती गोमती साय, गुहाराम अजगल्ले ने आयोग को तथ्यात्मक शिकायत की थी।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष श्री साव ने राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग की अध्यक्ष को जानकारी देते हुए बताया था कि छत्तीसगढ़ विधानसभा में राज्य के उप मुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार छत्तीसगढ़ राज्य में जनवरी 2019 से जून 2023 तक 0 से 5 वर्ष के बच्चों की मृत्यु का आंकड़ा 39267 है। यह अत्यंत चिंताजनक विषय है। इस आंकड़े से यह स्पष्ट है कि राज्य सरकार नवजात शिशुओं को स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने में पूर्णत विफल रही है। इसी कारण इतने बड़े पैमाने पर बच्चों की मृत्यु हुई है। राज्य सरकार लोगों को अच्छी स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने में पूरी तरह विफल रही है। इतनी बड़ी संख्या में मौतों की दोषी कांग्रेस की भूपेश बघेल सरकार है।

भाजपा ने दागा सवाल : परिवारवाद और भ्रष्टाचार को लेकर प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण से बघेल को इतनी छटपटाहट क्यों होती है?

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष व विधायक शिवरतन शर्मा, पूर्व मंत्री डॉ. कृष्णमूर्ति बांधी और विधायक व रायपुर संभाग प्रभारी सौरभ सिंह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लाल किले की प्राचीर से दिए गए संबोधन पर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बयान को राजनीतिक कुंठा का परिचायक बताते हुए सवाल किया कि आखिर परिवारवाद और भ्रष्टाचार को लेकर प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण से मुख्यमंत्री बघेल को इतनी छटपटाहट क्यों होने लगती है कि वे तमाम संवैधानिक मर्यादा और पद की गरिमा को ताक पर रखने से भी गुरेज नहीं करते। अपने संयुक्त वक्तव्य में भाजपा नेताओं ने कहा कि जब भी भ्रष्टाचार और परिवारवाद की बात होती है तो कांग्रेस के लोगों के माथे पर बल पड़ने लग जाते हैं।भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष श्री शर्मा, पूर्व मंत्री डॉ. बांधी व विधायक श्री सिंह ने मुख्यमंत्री बघेल पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी तो निश्चित रूप से आगली बार भी देश की 140 करोड़ जनता के विश्वास और आशीर्वाद से लाल किले की प्राचीर से ही राष्ट्रीय ध्वज फहराएंगे और देश को नई उमंग, नई ऊर्जा व नई उड़ान देंगे।

छत्तीसगढ़/राजधानी
प्रमुख समाचार

नरेंद्र मोदी को सिर्फ अड़ानी अंबानी परिवार की चिंता : बैज

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष एवं सांसद दीपक बैज ने कहा कि नरेंद्र मोदी भ्रष्टाचारियों के संरक्षक हैं सीएजी की रिपोर्ट मोदी सरकार की भ्रष्टाचार को उजागर कर दिया है आयुष्मान योजना में धांधली, भारतमाला परियोजना एवं द्वारका एक्सप्रेसवे में घोटाला, अयोध्या डेवलपमेंट प्रोजेक्ट में घोटाला गड़बड़ियां, ग्रामीण विकास मंत्रालय ने वृद्ध, विकलांग और विधवा पेंशन योजनाओं के पैसे को प्रचार-प्रसार में खर्च कर दिया। यह सारे घोटाले नरेंद्र मोदी के नाक के नीचे उनके संरक्षण में हो रहा है।प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष एवं सांसद दीपक बैज ने कहा कि नरेंद्र मोदी सरकार की नीतियों से देश के दो परिवार को लाभ हो रहा है दो परिवार की संपत्तिया दिन दुगनी रात चौगुनी बढ़ रही है एक अंबानी परिवार, दूसरा अदानी परिवार और मोदी सरकार के गलत नीतियों का प्रभाव देश के करोड़ों परिवारों के ऊपर पड़ रहा है, मोदी सरकार और भाजपा दो परिवार के प्रति समर्पित है दो परिवार के लिए नीतियां बनती है दो परिवार के लिए काम कर रही है। मोदी सरकार का भ्रष्टाचार का घड़ा अब भर चुका है जनता के नजरों में मोदी सरकार की घोटाला गड़बड़ियां सामने आ चुकी है अब भाजपा के नेता उस भ्रष्टाचार के भरे हुए घड़े को कितना भी ढक ले पर्दा नहीं कर सकते हैं जो भाजपा 2014 में भ्रष्टाचार को खत्म करने का वादा कर सत्ता में आई थी वही मोदी सरकार इस देश को आर्थिक रूप से खोखला और कंगाल कर रही है सरकारी संपत्तियों को अपने मित्रों को सौंप रही है।

सत्ता से विदाई का समय नजदीक आता देख बघेल घोषणावीर मुख्यमंत्री बन गए हैं: गुप्ता

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता केदारनाथ गुप्ता ने कहा है कि स्वतंत्रता दिवस के मौके पर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने फिर घोषणा करने का काम किया है। छत्तीसगढ़ में कॉपी पेस्ट की सरकार चल रही है। मुख्यमंत्री बघेल के पास छत्तीसगढ़ के विकास को लेकर कोई विजन नहीं है। इसलिए अन्य राज्यों में जो योजनाएं चलती हैं, उन्हें वे अपने प्रदेश में लागू करने का काम करते हैं। मुख्यमंत्री बघेल द्वारा स्वतंत्रता दिवस पर इस फैसले का ऐलान करने पर श्री गुप्ता ने तंज कसा और सवाल किया कि छत्तीसगढ़ की महिलाओं की सुरक्षा करने में प्रदेश की कांग्रेस की सरकार विफल क्यों हुई? क्या आरोपियों को कांग्रेस का संरक्षण मिल रहा है? भाजपा प्रदेश प्रवक्ता श्री गुप्ता ने कहा कि सत्ता से विदाई का समय नजदीक आता देख मुख्यमंत्री बघेल घोषणावीर मुख्यमंत्री बन गए हैं। दिया बुझने से पहले फड़फड़ाता है, उसी तरह कांग्रेस की सरकार की सत्ता में वापसी के लिए मुख्यमंत्री घोषणा-पर-घोषणा करते जा रहे हैं, लेकिन ये घोषणाएँ पूरी कब होंगीं, यह किसी को मालूम नहीं है। बुधवार को एकात्म परिसर स्थित भाजपा कार्यालय में प्रेस ब्रीफ में पत्रकारों से चर्चा करते हुए श्री गुप्ता ने राजस्थान सरकार की लड़कियों से छेड़छाड़ और दुष्कर्म के आरोपियों को सरकारी नौकरी नहीं देने की घोषणा की सच्चाई यह है कि यह कानून लागू करने के बाद भी राजस्थान में महिलाओं से दुराचार की घटनाएँ बढ़ी हैं। श्री गुप्ता ने पूछा कि कांग्रेस शासनकाल में छत्तीसगढ़ में महिलाओं के साथ बलात्कार के अपराध क्यों बढ़े हैं।

प्रतिबंध से भाजपा के पेट में दर्द क्यों हो रहा है : ठाकुर

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल सरकार के द्वारा बेटियों के सम्मान में छेड़छाड़ और दुष्कर्म के आरोपियों को सरकारी नौकरी पर प्रतिबंध लगाने के निर्णय का स्वागत करते हुए प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने 15 अगस्त को महिलाओं बेटियों के सम्मान और सुरक्षा की दिशा में बड़ी घोषणा किये है अब बेटियों से छेड़छाड़ करने वाले और दुष्कर्म के आरोपियों को सरकारी नौकरी का अवसर नही दिया जायेगा। जिसका पूरा प्रदेश में मातृशक्ति बेटियों ने स्वागत किया है सिर्फ भाजपा विरोध कर रही है आखिर भाजपा को दुष्कर्मी बलात्कारी और छेड़छाड़ के आरोपियों से इतनी हमदर्दी क्यों है? इन्हें सरकारी नौकरी पर प्रतिबंध किया जा रहा है तो भाजपा के पेट में दर्द क्यों हो रहा है?

प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ का नारा लगाने वाले भाजपा के नेता हमेशा से बलात्कारी के पक्ष में खड़े रहे हैं और पीड़ित पक्ष को डराया धमकाया गया है डॉ. रमन सिंह मुख्यमंत्री थे तब उनके ओएसडी ओपी गुप्ता के ऊपर नाबालिग ने दुष्कर्म के आरोप लगाए तो 4 साल तक उनका एफआईआर दर्ज नहीं हुआ था। नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल के पुत्र के ऊपर आदिवासी बेटी ने दुराचार के आरोप लगाए तब भाजपा दुराचारी के साथ खड़े रही।

बिजली को लेकर भाजपाई घड़ियाली आंसू बहा रहे : शुक्ला

रायपुर। बिजली बिल को लेकर भाजपा के बयान को कांग्रेस ने मुद्दाविहीन भाजपा का प्रलाप बताया है। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि बिजली को लेकर भाजपाई घड़ियाली आंसू बहा रहे है। जिस वीसीए की बढ़ोतरी को लेकर भाजपाई बयानबाजी कर रहे वह कोयले, डीजल के दामों की कम-ज्यादा होने के आधार पर कम-ज्यादा किया जाता है। राज्य में कांग्रेस की सरकार बनने के बाद वीसीए में 5 बार कमी हुई है तथा 3 बार बढ़ोतरी हुई। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि रमन राज में 15 साल में 18 बार बिजली की दरें बढ़ाई गई। रमन सरकार बनने के बाद से विदाई तक 2004-05 से 3 रूपया 27 पैसे से 2018 तक बढ़ाकर 6 रूपया 20 पैसा प्रति यूनिट किया अर्थात 90 प्रतिशत प्रतिवर्ष बिजली के दाम में बढ़ोतरी हुई थी। भूपेश सरकार के साढ़े 4 साल में 6 रूपए 20 पैसा से 6 रूपया 22 पैसा केवल दो पैसे की मामूली वृद्धि साढ़े 4 साल में औसत वृद्धि 0.71 प्रतिशत प्रतिवर्ष। वेरिएबल कॉस्ट में वृद्धि का कारण मोदी का अडानी प्रेम और डीजल पर अनियंत्रित मुनाफाखोरी के साथ महंगाई के चलते बढ़ता परिवहन और कोयले पर मोदी सरकार द्वारा 8 गुना ग्रीन सेस में वृद्धि है। मोदी निर्मित महंगाई के चलते कोयले के परचेज कास्ट में वृद्धि 25 प्रतिशत, रेल भाड़ा 41 प्रतिशत, सड़क परिवहन 11 प्रतिशत, ग्रीन एनर्जी सेस 11 प्रतिशत अन्य वेरिएबल कास्ट में वृद्धि 12 प्रतिशत बढ़ोतरी हुई ।

बिजली, न पानी झूठी तुम्हारी कहानी : कौशिक

रायपुर। पूर्व विधानसभा अध्यक्ष धरमलाल कौशिक ने कांग्रेस के राष्ट्रीय नेताओं के छत्तीसगढ़ दौरे को लेकर तंज कसते हुए कहा कि कांग्रेस ने अपने झुठे घोषणा पत्र को लेकर सत्ता में तो आ गयी लेकिन आज तक उसे पूरा नहीं कर सकी जिसके कारण प्रदेश की जनता के साथ-साथ अब कांग्रेस के राष्ट्रीय नेताओं का भी भरोसा मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से उठ चुका है और यह सत्य है कांग्रेस नेताओं को समझ आ चुका है कि भूपेश बघेल के चलते छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की सरकार दोबारा नहीं आने वाली है। कांग्रेस और उसकी प्रदेश सरकार संगठन और सत्ता में अंतर्द्वंद में उलझी खुद भरोसे के संकट से झुज रही है, जो जनता के सामने समय-समय पर उजागर हो ही जाता है। भूपेश बघेल के शासन में आज प्रदेश की जनता बुनियादी सुविधाओं के लिये भी तरस रही ह उन्हें न बिजली मिल पा रहा है, न ही पानी, प्रदेश की संड़के पूरी तरह बदहाल है, और अब जनता का भरोसा भूपेश बघेल और उनकी सरकार पर से उठ चुका है यही कारण आज वे स्वयं सड़क बनाने का बेड़ा उठा रहे है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल जो कथित तौर पर भेंट मुलाकत कर रहे हैं यह सभी जानते है कि भेंट-मुलाकात कार्यक्रम पुरी तरह सुनियोजित है जिसमें केवल कांग्रेस के नेताओं को ही सवाल पुछने का अधिकार था हकिकत में प्रदेश की जनता से मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने भेंट मुलाकात की ही नहीं है।

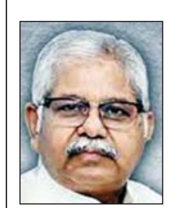

कभी हार न मानते हुए लक्ष्य को करें पूरा: सीएम बघेल

- **बस्तर में आयोजित 'पंख' कार्यक्रम में शामिल हुए मुख्यमंत्री**
- **मुख्यमंत्री ने खिलाड़ियों को किया सम्मानित**

रायपुर। आत्मविश्वास मानसिक और शारीरिक दोनों रूपों में होती है। शारीरिक रूप से कमजोर होने से मनुष्य परेशान होता है और मानसिक रूप कमजोर होने से उसके आगे बढ़ने का हौसला टूट जाता है। दोनों ही क्षमता को प्रभावित करते है, लेकिन हमें अपने प्रयासों में कमी नहीं करनी चाहिए और हार नहीं माननी है।

मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल आज शाम बस्तर में निजी टी.व्ही. चैनल द्वारा आयोजित 'पंख- खेल उपलब्धि पुरस्कार' कार्यक्रम में युवाओं को सम्बोधित कर उनका हौसला आफजाई किया। उन्होंने इस दौरान छत्तीसगढ़ के खिलाड़ियों को सम्मानित भी किया। मुख्यमंत्री श्री बघेल ने कहा कि जो लक्ष्य तय किया है, उसे पाने के लिए रास्ता तय करना पड़ेगा। हमें विचलित नहीं होना है, बल्कि एक लक्ष्य बनाकर लगातार मेहनत करते हुए आगे बढ़ना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमें युवाओं के नजरिए और उनके पक्ष को समझना होगा। बच्चों और पालकों में मधुर संबंध होने चाहिए, बात होनी चाहिए, दोनों को एक-दूसरे की बात मनानी चाहिए। मुख्यमंत्री श्री बघेल ने कहा कि युवा मन की चंचलता और कैरियर को लेकर उधेड़बुन के दिनों में हमें उनके साथ खड़े होने और अवसर देने की आवश्यकता है। प्रदेश की युवा ऊर्जा का सदुपयोग कर उन्हें संस्कृति, खेलकूद, तीज-त्यौहार, से जोड़ने के लिए राजीव युवा मितान क्लब के गठन पर भी मुख्यमंत्री ने अपने विचार व्यक्त किए। इससे प्रदेश सहित वहां पूरे क्षेत्र में सकारात्मक माहौल का निर्माण हो रहा है। इस अवसर पर सांसद श्री दीपक बैज, सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं खिलाड़ी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

एक क्लिक में मिलेगा जमीनों का रिकार्ड

- **अब मोबाइल पर मिसल बंदोबस्त, 1929-1945 तक के रिकार्ड हुए आनलाइन**

रायपुर। जिले के लोगों को अब मिसल बंदोबस्त रिकार्ड एक क्लिक पर मोबाइल पर मिल जाएगा। जिला प्रशासन की ओर से मिसल बंदोबस्त आनलाइन पोर्टल शुरू कर दिया गया है। इस पोर्टल से अब लोग आसानी से अपने जमीनों का रिकार्ड मोबाइल पर ही देख और उसे डाउनलोड कर प्रिंट ले सकते हैं। लोगों को कई दस्तावेजी जरूरतों के लिए वर्ष 1929-1945 के पुराने मिसल बंदोबस्त रिकार्ड की जरूरत पड़ती है और उन्हें इसके लिए कार्यालय के चक्कर लगाने पड़ते है परन्तु अब रिकार्ड आनलाइन पोर्टल पर उपलब्ध होने राहत मिलेगी।

मिसल बंदोबस्त रिकार्ड पोर्टल का लिंक https:/ revenue. cg.nic.in/missal/ है। इसमें ग्राम वार एव नाम वार रिकार्ड कंप्यूटर या मोबाइल के माध्यम से आसानी से प्राप्त कर सकते है। मिसल बंदोबस्त रिकार्ड आनलाइन चेक करने के लिए सबसे पहले आधिकारिक वेबसाइट https:/revenue.cg.nic.in/missal/ पर जाना होगा। होम पेज पर पूछी गई जानकारियों जैसे जिला, तहसील, राजस्व नंबर, प.ह.नं, गांव, अभिलेख का चुनाव करना पड़ेगा। पूछी गई जानकारियों को दर्ज करने के खोजें पर क्लिक करें। स्क्रीन पर मिसल बंदोबस्त रिकार्ड खुल जाएगी। खुले हुए पेज में नाम ढूंढ कर और उसके आगे सलेक्ट पर क्लिक करें। लाभार्थी लिस्ट को डाउनलोड कर सकते हैं। प्रिंट के आप्शन पर जा कर प्रिंटआउट भी निकाल सकते हैं।कलेक्टर डा. सर्वेश्वर भुरे ने बताया कि लोगों की सुविधा के लिए 1929-1945 तक के रिकार्ड पोर्टल में अपलोड किया गया है। इसे मोबाइल पर ही देख और डाउनलोड कर सकते है। डाउनलोड किए गए दस्तावेज प्रिंट भी लिए जा सकते है।

आर.एन.आई.रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर (छ.ग.) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.